राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

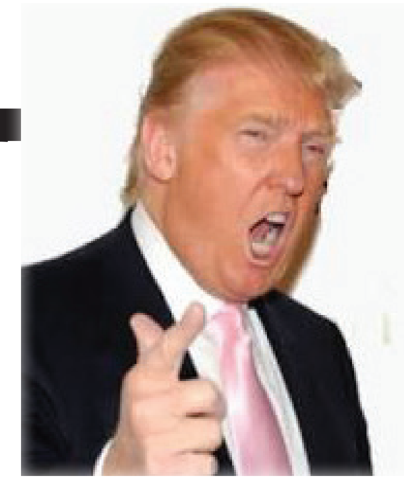

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल कर किसान-केंद्रित बनाना है .....

पश्चिम एशिया संघर्ष:राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- जंग ज्यादा लंबी नहीं चलेगी 12

वर्ष : 14 | अंक : 146 | पटना, शुक्रवार, 04 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

खतरा: कोसी समेत आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर, बाढ़ से 13 जिले प्रभावित

- प्रशासन हाई अलर्ट ,गांधी घाट पर जलस्तर खतरे के निशान से 127 सेंमी ऊपर

प्रात : किरण

पटना। बिहार में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गुरुवार को आठ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं। गंगा, सोन, पुनपुन, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती और घाघरा नदियों में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। बाढ़ से 13 जिले प्रभावित हुए हैं और कई क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर के कारण लोगों को व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। पटना प्रशासन हाई अलर्ट पर है, क्योंकि गंगा, सोन और पुनपुन नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है। बाढ़ प्रभावित जिलों में दरभंगा, मधुबनी, पश्चिम चंपारण, कटिहार, मधेपुरा, पूर्णिया, सहरसा, खगड़िया, वैशाली, बेगुसराय, भागलपुर, समस्तीपुर और मुंगेर शामिल हैं। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने के लिए 12 सरकारी नौकाएं तैनात की हैं।

पटना में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। गांधी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 127 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है, जबकि दीघा घाट पर गंगा का जलस्तर 61 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। श्रीपालपुर में पुनपुन नदी खतरे के निशान से लगभग 2.01 मीटर ऊपर बह रही है, जिससे बाढ़ का पानी आसपास के घरों में घुस रहा है।

इंद्रपुरी बैराज से सोन नदी में 5 .54 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया

इंद्रपुरी बैराज से सोन नदी में 5.54 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है, जिसके परिणामस्वरूप मनेर, दानापुर, बख्तियारपुर और मोकामा के नदी तटीय क्षेत्रों में पानी तेजी से फैल गया है। समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 1.50 मीटर ऊपर चढ़ गया है। हाथीदाह और कहलगांव में भी गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मुंगेर में भी गंगा चेतावनी स्तर को पार कर चुकी है।

भागलपुर में हो रहे भीषण कटाव ने चिंताएं बढ़ाई

भागलपुर में गंगा के किनारे हो रहे भीषण कटाव ने राघोपुर-काजीकोरिया तटबंध और रेलवे के बांध की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। बांध की सुरक्षा के लिए अधिकारी चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

मिट्टी के कटाव को रोकने के अभियान के तहत रेत की बोरियों को लाने-ले जाने और गिराने के लिए लगभग 200 ट्रैक्टर और तीन स्टीमर तैनात किए गए हैं। रोहतास के नौहट्टा में सोन नदी का बढ़ता जलस्तर लगभग 100 लोगों को नदी के छोटे-छोटे द्वीपों पर फंसे होने का कारण बना है, जहां वे कृषि गतिविधियों में लगे हुए थे। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण अधिकारी उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास कर रहे हैं।

बाढ़ की स्थिति बिगड़ने के साथ ही प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने की तैयारी शुरू हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिकारियों को बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। इस आकलन में फसलों, पशुधन और घरों को हुए नुकसान को शामिल किया जाएगा, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र परिवारों को शीघ्र ही राहत सहायता प्राप्त हो। राज्यभर में बाढ़ की स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए अधिकारी नदी के जलस्तर और संवेदनशील क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर पार करने की आशंका

पटना। बिहार में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। जल संसाधन विभाग से प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार पटना के गांधी घाट पर गुरुवार रात तथा हाथीदह (मोकामा) में चार सितंबर की दोपहर गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर को पार करने की संभावना है। इसे देखते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंगा के जलस्तर में संभावित वृद्धि से भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, नालंदा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद जिलों के नदी किनारे तथा निचले क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

विभाग ने लोगों से किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेने और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने को कहा है। विभाग ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को नदी, घाट, तटबंध और निचले इलाकों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की सलाह दी है। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रखने की अपील की गई है। प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों की जानकारी पहले से रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने नदी में स्नान और तैराकी के साथ नाव से अनावश्यक आवागमन से भी बचने की सलाह दी है।

सीएम ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर तथा संभावित बाढ़ की स्थिति का किया निरीक्षण

बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर राज्य सरकार संवदेनशील : सम्राट

- एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ को अलर्ट मोड पर रखने का अधिकारियों को निर्देश
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल, चिकित्सा सुविधा की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर तथा संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से जलस्तर की वर्तमान स्थिति, तटबंधों की सुरक्षा तथा संभावित प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे एहतियाती प्रबंधों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे कल दोपहर 1 बजे स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इस दौरान वे बढ़े जलस्तर से उत्पन्न स्थिति एवं प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करेंगे तथा राहत एवं बचाव कार्यों की दोपहर 2 बजे उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी करेंगे। बैठक में नदियों के जलस्तर की स्थिति, तटबंधों की मजबूती एवं सुरक्षा, संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों तथा राहत एवं बचाव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेंगे।

आमजनों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर पूरी तरह सजग और संवेदनशील है। आमजनों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित किया जा सके।

प्रशासन स्थिति पर लगातार पैनी नजर बनाए रखे

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमों को अलर्ट मोड पर रखें तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव दल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आमजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और जान-माल की पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रशासन स्थिति पर लगातार पैनी नजर बनाए रखे और स्थानीय स्तर पर लोगों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाए।

ज्ञातव्य है कि 01 सितम्बर 2026 को गांधी घाट पर जलस्तर सुबह 6 बजे 49.40 मीटर, शाम 6 बजे 49.50 मीटर, 02 सितम्बर को सुबह 6 बजे 49.71 मीटर, शाम 6 बजे 49.98 मीटर तथा 03 सितम्बर को सुबह 6 बजे 50.18 मीटर तथा दोपहर 12 बजे 50.25 मीटर जलस्तर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 1.65 मीटर अधिक है।

संक्षिप्त खबरें

संवैधानिक अधिकारियों के इस्तीफे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली/ एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से जनहित याचिका (पीआईएल) पर जवाब मांगा। इस याचिका में मांग की गई है कि उन संवैधानिक अधिकारियों को भत्ते, सुविधाएं और अन्य लाभ न दिए जाएं जो कथित तौर पर पद से हटाए जाने की कार्रवाई से बचने के लिए कार्यकाल के बीच में ही इस्तीफा दे देते हैं।भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने भारत सरकार को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर के लिए तय की।मुंबई निवासी याचिकाकर्ता प्रतीक वीरा ने वकील संग्रामसिंह आर. भोंसले के जरिए यह पीआईएल दायर की है। इसमें ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे अधिकारियों द्वारा तय कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा देने से जुड़े एक बड़े संवैधानिक मुद्दे को उठाया गया है।याचिका के अनुसार, जो संवैधानिक अधिकारी एक निश्चित कार्यकाल के लिए चुने या नियुक्त किए जाते हैं, कि पद से हटाए जाने या अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया से बचने के लिए बीच में ही इस्तीफा देना, ऊंचे पद से हटाने से जुड़े संवैधानिक सुरक्षा उपायों के मकसद को खत्म करता है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि इस्तीफे के बाद मिलने वाले भत्ते और फायदे संवैधानिक अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए प्रेरित करते हैं।

मैं इन युवाओं के साथ खड़ा हूं, बिहार छात्र आंदोलन के घायलों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिहार छात्र आंदोलन में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने युवाओं के साथ खड़े रहने और उनकी हर संभव मदद करने का आश्वसन भी दिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के उन छात्रों और युवाओं से मिला, जिन्होंने सिर्फ परीक्षा व्यवस्था में धांधली के खिलाफ आवाज उठाने पर भयंकर पुलिस बर्बरता झेली।उन्होंने कहा कि पुलिस की लाठियों, एके-47 और पिस्तौल से चली गोली ने कई छात्रों को घायल कर दिया। सेना में जाकर देश की सेवा करने की ख्वाहिश रखने वाले एक युवा का पैर एके-47 से गोली मारकर तोड़ दिया। साथ ही उनकी जिंदगी का सपना भी। राहुल गांधी ने कहा कि ये युवा सिर्फ निष्पक्ष अवसर, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और अपने अधिकार मांग रहे थे।

रेल मंत्री ने दिल्ली-पटना बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का किया ऐलान

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारत के बुनियादी ढांचे को एक नई दिशा देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के अगले बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की घोषणा की है। लगभग 1,170 किलोमीटर लंबे इस हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के शुरू होने से राजधानी दिल्ली से उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार के पटना तक का सफर मात्र 4.5 घंटे में तय किया जा सकेगा।

विभिन्न शहरों के लिए अनुमानित यात्रा समय

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत दिल्ली से आगरा की दूरी 58 मिनट, कानपुर की 1 घंटा 50 मिनट, लखनऊ की 2 घंटे 12 मिनट और वाराणसी की दूरी मात्र 3 घंटे 33 मिनट में पूरी होगी। इस ट्रेन की ऑपरेटिंग स्पीड 320 किमी प्रति घंटा होगी, जिससे उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक और आर्थिक केंद्रों के बीच आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा।

मुंबई-अहमदाबाद रूट के बाद यह देश का दूसरा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट होगा, जो व्यापार और पर्यटन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगा। इसके साथ ही सरकार ने ह्यसेमीकॉन 2.0 के तहत 1 लाख नए सेमीकंडक्टर इंजीनियर तैयार करने की घोषणा भी की है, जो देश के तकनीकी विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

बाढ़ निरोधक कार्यों को पूरी मुस्तैदी और तत्परता के साथ पूरा करें: उपमुख्यमंत्री

- उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री ने की कटाव निरोधक कार्यों की समीक्षा

प्रात : किरण

पटना। उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने गुरुवार को सिंचाई भवन स्थित कार्यालय कक्ष में वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में बाढ़ और कटाव से निपटने के लिए किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने सिंचाई भवन स्थित जल संसाधन विभाग के कंट्रोल कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पुनपुन एवं दरधा नदियों के जलस्तर में वृद्धि, भागलपुर के खरीक प्रखंड में स्थित काजीकोरैया-राघोपुर बांध और कटाव प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे कटाव निरोधक कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को कई अतिआवश्यक निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान उन्होंने राज्य के संवेदनशील एवं कटाव प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर चल रहे फ्लड फाइटिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पूरी तत्परता और मुस्तैदी के साथ कार्य कराया जाए। उन्होंने फ्लड फाइटिंग कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि संभावित क्षति को समय रहते नियंत्रित किया जा सके और प्रभावित क्षेत्रों में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो।उन्होंने विभाग के सचिव एवं अभियंताओं की पूरी टीम के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने टीम का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी क्षेत्र में चल रहे फ्लड फाइटिंग कार्यों पर लगातार नजर बनाए रखें और आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कंट्रोल कमांड सेंटर के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की नियमित निगरानी करने तथा स्थानीय स्तर से प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित संज्ञान लेने का भी निर्देश दिया।

पीएम मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ की बातचीत

स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन भारत-बेल्जियम की साझा प्राथमिकताएं: मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध परंपरागत क्षेत्र से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन दोनों देशों की साझा प्राथमिकताएं हैं। अगले पांच वर्षों में हम द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य और प्रशिक्षण सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है। हम अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी भी साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकिनाड़ा में हम दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक डेवलप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आज दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत के स्तर एक दूसरे के पूरक हैं।

संक्षिप्त खबरें

दानापुर दियारा के सभी गांवों का सड़क सम्पर्क टूटा

दानापुर। नगर के अंतर्गत गंगा का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र में नदी का पानी चारों तरफ फैल चुका है।दियारा में फिर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। सभी गांवों का सड़क सम्पर्क टूट चुका है। सड़कों पर पानी का बहाव होने लगा है। सभी खेत खलिहानों में पानी की धारा बह रही है। जलस्तर लगातार बढ़ने से नीचले इलाके के लोगों की परेशानी फिर बढ़ने लगी है। गुरुवार को नदी का जलस्तर बढ़ रहा है।दियारा वासियों ने बताया कि घर के पास नदी बह रही है। पानी का धारा तेज रहने से हमलोगों को घरों से बाहर निकलने में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व जिला पार्षद ओमप्रकाश राय, भाजपा नेता मुन्ना कुमार समेत अन्य लोगों ने सरकारी नाव चलाने की मांग किया है। कहा कि सड़क संपर्क टूट जाने से नाव ही आने जाने का एक सहारा है।जब तक गांव गांव नाव नहीं चलेगी, लोगों को गांव से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बताया कि दियारा क्षेत्र के पुरानीपानापुर,कासिमचक, हेतनपुर, गंगहारा,पतलापुर, मानस और अकिलपुर पंचायत के विभिन्न गांवों के पास पानी का बहाव हो रहा है। जलस्तर बढ़ने से निजी नाव कम चलने लगी है। जिससे परेशानी और बढ़ गई है। खेतों में लगी फसले पहले ही खराब हो चुकी थी।अब फिर पानी आ जाने से परेशानी बढ़ गई है।

सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने दानापुर दियारा क्षेत्र का दौरा किया

दानापुर। नगर के अंतर्गत सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने दियारा क्षेत्र का दौरा करने के बाद कहा कि दानापुर के दियारा में छः पंचायत के सभी गांव पानी से घीरे हुए हैं। सभी फसले नष्ट हो गई है।खाने के लाले पड़ सकते हैं। सरकार बाढ़ की स्थिति को देखते हुए दानापुर में बलदेव इंटर स्कूल में बाढ़ राहत शिविर बनाया गया है। जिसके संबंध में दियारा वासियों को अवगत करा दिया गया है। उन लोगों को आने के लिए नाव की भी व्यवस्था की गई है। दवाओं और इमरजेंसी सेवा का भी व्यवस्था है। बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी बाढ़ पीड़ितों की परेशानी दूर करने के लिए हर पल की खबर ले रहे हैं।वहीं एसडीएम वीरू पक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि दियारा में पानी के हालात को देखते हुए नावों की संख्या बढ़ाई गई है। नाविकों की निगरानी की जाएगी ताकि नाव का लाभ दियारा के लोग ले सके। दियारा में रहने वालो के लिए चना गुड़ का वितरण कराया जाएगा।जो शहर जाना चाहते हैं उनके लिए बलदेव इंटर स्कूल में पांच सौ लोगों को रहने और खाने पीने की व्यवस्था किया गया है। मवेशियों के चारा का भी व्यवस्था कराया जा रहा है।

एक लड़की की हत्या के मामले में तीन आरोपितों को आजीवन कारावास

दानापुर। नगर के अंतर्गत एडीजे सेवन संतोष कुमार गुप्ता ने जमीनी विवाद में एक लड़की की हत्या मामले में तीन आरोपितों को आजीवन कारावास और 25000 जुमार्ना की सजा सुनाए। जुमार्ना नहीं देने पर तीन महीने का अतिरिक्त सजा भुगतना पड़ेगा। एपीपी राम केश्वर प्रसाद ने बताया कि मनेर थाना कांड संख्या 533/14 सत्रवाद सं 744/15 में मनेर के नया टोला रामपुर में 19 वर्षीय पूजा कुमारी नामक एक लड़की की हत्या 23/12/14 को उस समय शाम को कर दी गई जब वह अपने घर के दरवाजे के पास पढ़ रही थी। तभी अशोक कुमार,पूजा देवी दोनों पड़ोसी आए और लड़की का दोनों हाथ पकड़ लिया। उसके बाद उमेश सिंह ने ईंट से धमारकर पूजा कुमारी का हत्या कर दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने अशोक सिंह व पूजा देवी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया था। जबकि उमेश मौके का फायदा उठाकर भाग निकला था। माननीय न्यायालय ने तीनों आरोपित को आजीवन कारावास और 25000 जुमार्ना की सजा सुनाए। जुमार्ना नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त कारावास।

छात्र-छात्राओं ने विद्यालय की मैदान में क्लासरूम बनाए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

दानापुर नगर के अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय मुबारकपुर के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय की मैदान में क्लासरूम बनाए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को विद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन करते हुए मैदान से अलग रूम बनाने की मांग की। बच्चों ने इस बाबत अनुमंडलाधिकारी को पत्र देने के भी बात कही। छात्र-छात्राओं नेबताया कि इस विद्यालय में बस एक छोटा मैदान है। जिसमें हम सभी खेलते हैं। इस मैदान में रूम बन रहा है। जब रूम बन जायेगा। तो हम कहाँ खेलगें। बच्चों ने बताया कि पहले से छः रूम बना हुआ है जो ठीक से नहीं बना। उसे ठीक करने की जरूरत है। बच्चों ने बताया कि प्रधानमंत्री का खेलो इण्डिया कार्यक्रम चल रहा है चल रहा है।

41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत एम्स पटना में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, ।नेत्रदान को बढ़ावा देने तथा आमजन में नेत्रदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से एम्स पटना के नेत्र रोग विभाग द्वारा दिनांक 3 सितंबर 2026 को ओपीडी प्रतीक्षालय में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 300 से अधिक मरीजों एवं उनके परिजनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत एक हृदयस्पर्शी वीडियो प्रस्तुति से हुई, जिसमें दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन की कठिनाइयों एवं चुनौतियों को दशार्या गया। इसके पश्चात डॉ. तारिता विश्वास, जूनियर रेजिडेंट, ने जागरूकता व्याख्यान दिया। उन्होंने कॉर्नियल अंधत्व के प्रमुख कारणों, नेत्रदान की आवश्यकता तथा देश एवं क्षेत्र में नेत्रदान की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान के समय परिवार द्वारा बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी बताया तथा स्वैच्छिक नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना के नेतृत्व में किया गया।प्रो. (डॉ.) अमित राज, विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग विभाग, ने नेत्रदान के लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक संख्या में नेत्रदान से डोनर कॉर्निया की उपलब्धता बढ़ाने तथा कॉर्नियल प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा अवधि कम करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने नेत्रदान से जुड़े विभिन्न भ्रमों एवं तथ्यों को स्पष्ट किया तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और नेत्रदान से संबंधित उनकी शंकाओं एवं चिंताओं का समाधान किया।41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 08 सितंबर 2026) के अंतर्गत एम्स पटना के नेत्र रोग विभाग द्वारा आमजन एवं विद्यार्थियों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने तथा स्वैच्छिक नेत्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में नेत्र रोग विभाग के डॉ. सोनी सिन्हा, अतिरिक्त प्राध्यापक; डॉ. भावेश चंद्र साहा, अतिरिक्त प्राध्यापक; डॉ. देव कांत, सह प्राध्यापक; डॉ. दिव्या केसरवानी, सह प्राध्यापक; तथा डॉ. अमित राज, सह प्राध्यापक, सहित रेजिडेंट्स, ऑप्टोमेट्रिस्ट, आई बैंक काउंसलर एवं अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अमित कुमार, सह प्राध्यापक, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस कार्यक्रम के माध्यम से एम्स पटना ने नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा समाज को स्वैच्छिक नेत्रदान के लिए प्रेरित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। नेत्रदान मृत्यु के बाद भी किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में दृष्टि, आशा और नई रोशनी प्रदान करने वाला एक महान मानवीय कार्य है।

दशहरा मेला में बिहार के उद्यमियों को सशक्त बनाने पर मंथन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 3 सितंबर 2026: बिहार के उद्यमियों, विशेषकर महिला उद्यमियों और गृहणियों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, नवाचार आधारित व्यवसाय और बाजार की संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बिहार महिला उद्योग संघ की ओर से दशहरा मेला में "बिहार के उद्यमियों का सशक्तीकरण : सरकारी सहयोग, वित्तीय सहायता, नव उद्यम के अवसर एवं घरेलू व्यवसाय" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ज्ञान भवन के प्रथम तल पर आयोजित इस संगोष्ठी में सरकारी विभागों, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों, उद्योग जगत और नव उद्यम क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ साधना झा ने किया और इस कार्यक्रम में एमएसएमई डीएफओ की श्रीमती स्वेता ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और सहायता की जानकारी देते हुए कहा कि छोटे उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ छोटे व्यवसाय भी बड़े उद्यम का रूप ले सकते हैं। बीआईए के अध्यक्ष रामलाल खेतान ने बिहार में उद्योग एवं व्यवसाय की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य में उद्यमियों के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन, रोजगार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत और नए उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने महिला सशक्तीकरण को आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ते हुए कहा कि महिलाओं और गृहणियों के हुनर को व्यवसायिक अवसरों से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि घर से शुरू होने वाले छोटे व्यवसायों को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो वे सफल उद्यम बन सकते हैं। अटल इनक्यूबेशन सेंटर के मुख्य संचालन अधिकारी प्रमोद कर्ण ने नव उद्यम और मार्गदर्शन की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि नए विचारों को सही मार्गदर्शन, परामर्श और संपर्क मिले तो युवा उद्यमी अपने विचारों को सफल व्यवसाय में बदल सकते हैं। उन्होंने नवाचार आधारित उद्यमों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा ने उद्योग, बाजार और व्यवसाय के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी उद्यम की सफलता के लिए बाजार की मांग को समझना और उसके अनुरूप उत्पाद एवं सेवाएं विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कौशल, नवाचार और बेहतर व्यवसाय योजना को उद्यमिता की सफलता का आधार बताया। एसबीआई की वीणा सिंह ने उद्यमियों के लिए बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता के विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि बेहतर व्यवसाय योजना और सही वित्तीय दस्तावेजों के साथ उद्यमी बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने वित्तीय अनुशासन को व्यवसाय की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताया। नाबार्ड के डीजीएम जितेंद्र कुमार ने ग्रामीण एवं महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित, खाद्य प्रसंस्करण और घरेलू व्यवसाय के विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। उद्योग विभाग के सहायक निदेशक प्रशांत कुमार ने उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और औद्योगिक अवसरों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नए उद्यमियों को योजनाओं की सही जानकारी लेकर उनका लाभ उठाना चाहिए। विधान परिषद सदस्य शशि यादव ने महिला उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को रोजगार तलाशने के साथ-साथ रोजगार देने वाली उद्यमी बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने महिला उद्यमियों को हर स्तर पर सहयोग देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम की संचालक प्रेर्णा प्रताप ने विभिन्न सत्रों एवं मुख्य परिचर्चा का संचालन किया। उन्होंने कहा कि "गृहिणी से उद्यमी तक– विचार से व्यवसाय तक" जैसी चचार्एं महिलाओं को अपने हुनर और विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के सवालों को विशेषज्ञों तक पहुंचाया।

नई दिशा परिवार के तत्त्वावधान में आयोजित समारोह में 31 गुरुओं का हुआ सम्मान

स्मरण किए गए महान शिक्षक और पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ.राधाकृष्णन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत अपनी महान ज्ञान-परंपरा के कारण ही विश्व-गुरु था। वह इसलिए था कि यह देश ज्ञान और आध्यात्मिक-चिंतन में शीर्ष पर था। विश्वविद्यालय की अवधारणा भारत की देन है। शिक्षक ही छात्र-छात्राओं को गढ़ते हैं और उन्हें समाज के मूल्यवान नागरिक बनाते हैं। नया समाज गढ़ने वाले ऐसे आदरणीय शिक्षकों का सम्मान, वस्तुतः भारत की महान परंपरा और संस्कृति का ही समादर है। चरित्रवान और गुणी शिक्षक ही, चरित्रवान और गुणवान नागरिक तैयार कर सकते हैं।

ये बातें गुरुवार को, पटनासिटी की सांस्कृतिक-संस्था "नई दिशा परिवार" के तत्त्वावधान में, महेंद्रू स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सभागार में आयोजित शिक्षक-सम्मान-समारोह का उद्घाटन करते हुए, बिहार के कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि यदि परमहंस रामकृष्ण न होते तो श्री नरेंद्र, स्वामी विवेकानन्द नहीं होते। चाणक्य न होते तो चंद्रगुप्त भी न होते। युवाओं की जिज्ञासाओं को शांत करने और उनके मार्ग-दर्शन का महान कर्तव्य शिक्षकों का ही है।

समारोह के मुख्य अतिथि और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०४७ तक जिस विश्व-गुरु भारत का स्वप्न देखा है, उसे शिक्षक ही पूरा कर सकते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्गार में साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान-परंपरा, "गुरु-ज्ञान" आधारित है। शिक्षा विशाल परिसरों में बने बड़े-बड़े भवन अथवा दीवारें या वातानुकूलित कक्षाएँ नहीं, योग्य और निष्ठावान आचार्यों से प्राप्त होती है। आज शैक्षणिक केंद्रों को पाँच-सितारा होटेल बनाने के उपक्रम हो रहे हैं, जहाँ व्यवसाय तो हो सकते हैं, संस्कार देने वाली शिक्षा नहीं मिल सकती। इसीलिए आज के विद्यार्थी "मनुष्य होने के स्थान पर धन-मशीन बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक होना, संसार में कुछ भी होने से बड़ा होना है। किसी देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री होने से भी बड़ा। क्योंकि इन्हें भी पैर छूकर प्रणाम केवल उनके परिजन अथवा वे करते हैं, जिन्हें उनसे किसी प्रकार के लाभ की आशा होती है। किंतु एक शिक्षक को पैर छूकर प्रणाम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी करते हैं। शिक्षकों को यह स्मरण रखना होगा कि वे देश के भविष्य-निमार्ता हैं।

पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो के सी सिन्हा, पटना की महापौर सीता साहू, सुप्रसिद्ध चिकित्सक डा दिवाकर तेजस्वी, शिव प्रसाद मोदी और कमल नयन श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत संस्था के संरक्षक राजेश वल्लभ यादव ने तथा मंच का संचालन संस्था के सचिव राजेश राज ने किया।इस अवसर पर बिहार के 31 शिक्षकों का सम्मान किया गया, जिनमें प्रो डा रमाकर झा (बिहार विशेष शिक्षा सेवा सम्मान), प्रो एन एस मौर्य,प्रो एस एस मिश्रा, प्रो कामिनी सिन्हा,उमेश सिंह, कुमार देवांशु, श्री अरविन्द, परितोष कुमार, मनोज कुमार, मिलिन्द महिपाल, रजनीश सिन्हा,उर्मिला कुमारी, विष्णु कुमार साह, आकाश जैन, मुकेश कुमार वर्मा, कुमार पंकज सिन्हा, गायत्री देवी, डा अंजलि शर्मा, डा अनुश्री बर्मन, दीपक कुमार, आदित्य कुमार, राकेश कुमार, प्रेम कुमार (सभी बिहार शिक्षा-रत्न सम्मान), डा मुख़्तार सिंह, डा सत्येंद्र शर्मा, प्रो सुधा सिन्हा, डा कुमार अभिनव, अजीत सिंह (सभी "बिहार गौरव" सम्मान), उज्ज्वल राज, युवराज राज, अमृता कुमारी (बिहार प्रतिभा सम्मान), गायिका मासूम सिंह (बिहार कला-रत्न सम्मान) के नाम सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व प्राध्यापक प्रो संतोष कुमार को लाइफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। समाज-सेवा के लिए डा प्रेम कुमार तथा अभिषेक श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया।

जन्माष्टमी पर कृष्णमय हुआ बिहटा पब्लिक स्कूल, राधा-कृष्ण के बाल रूप में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन

प्रातः किरण संवाददाता

बिहटा ।स्थानीय बिहटा पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी के पूर्व संध्या पर राधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्री-नर्सरी से कक्षा एक तक के नन्हे बच्चों ने राधा और कृष्ण के बाल स्वरूप में आकर्षक वेशभूषा धारण कर मनमोहक प्रस्तुति दी।

बच्चों के मनमोहक रूप और उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर कृष्णमय नजर आया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. उदय कुमार सिंह और निदेशिका डॉ. सोनी सिंह ने जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि विकसित होती है तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच मिलता है। कार्यक्रम के अंत में विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कक्षा नर्सरी की जानवी और अमरनाथ सागर, द्वितीय पुरस्कार यूकेजी की दीप्ति कुमारी और एलकेजी के आशीष, जबकि तृतीय पुरस्कार एलकेजी की सौम्या कुमारी और यूकेजी के आयुष कुमार को प्रदान किया गया।

125 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ लगातार जारी, स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए राजस्व प्रबंधन प्रणाली से बिलिंग व्यवस्था और बेहतर

■ जून-जुलाई की लंबित स्थिर शुल्क राशि अगस्त के बिल में समायोजित, उपभोक्ताओं को मोबाइल संदेश से दी गई जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः बिहार में घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 से प्रत्येक माह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है। विभाग के अनुसार, उपभोक्ताओं से अप्रैल 2020 से मीटर किराया नहीं लिया जा रहा है। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं का मासिक बिजली बिल संबंधित माह में हुई बिजली खपत और दर्ज अधिकतम भार के आधार पर अगले माह की एक से दो तारीख के बीच तैयार किया जाता है।

यदि किसी घरेलू उपभोक्ता की खपत 125 यूनिट से अधिक होती है, तो केवल अतिरिक्त यूनिट पर ही निर्धारित ऊर्जा शुल्क और उस पर विद्युत कर के साथ दर्ज अधिकतम भार के अनुसार स्थिर शुल्क देय होता है। यानी 125 यूनिट तक की बिजली मुफ्त रहती है।

200 यूनिट खपत पर 482 .52 रुपये देय

उदाहरण के तौर पर, किसी शहरी स्मार्ट मीटर घरेलू उपभोक्ता की मासिक खपत 200 यूनिट और दर्ज भार दो किलोवाट है। ऐसे में 125 यूनिट से अधिक 75 यूनिट के लिए ऊर्जा शुल्क 537.75 रुपये (757.17 रुपये) होगा। इस पर छह प्रतिशत विद्युत कर 32.27 रुपये तथा दो किलोवाट के लिए स्थिर शुल्क 160 रुपये देय होगा।

इस तरह कुल राशि 730.02 रुपये होती है। इसमें सरकार की ओर से 75 यूनिट पर 247.50 रुपये का अनुदान समायोजित होने के बाद उपभोक्ता को 482.52 रुपये का भुगतान करना होगा।

जून-जुलाई का स्थिर शुल्क अगस्त में समायोजित

बिजली बिलिंग व्यवस्था को बेहतर और एकीकृत करने के लिए बिहार में पहले इस्तेमाल हो रहे एनआईसी और एसएपी बिलिंग सॉफ्टवेयर के स्थान पर अब राजस्व प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) लागू किया गया है। नई प्रणाली लागू करने के दौरान कुछ तकनीकी समस्याएं सामने आईं, जिनका तेजी से समाधान किया जा रहा है।

इसी क्रम में जून और जुलाई 2026 में 125 यूनिट से अधिक मासिक खपत वाले कुछ शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के बिल में तकनीकी कारणों से स्थिर शुल्क की राशि का समायोजन नहीं हो सका था, किंतु इस दौरान किसी उपभोक्ता का विद्युत संबंध इस आधार पर विच्छेदित नहीं किया गया।

तकनीकी समस्या दूर होने के बाद जून-जुलाई की लंबित फिक्स्ड चार्ज

राशि का समायोजन अगस्त 2026 के बिजली बिल में एकमुश्त किया गया है। यह कटौती निर्धारित टैरिफ के अनुरूप है और इसमें कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली गई है।

राज्य में करीब 95 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें 9,48,652 उपभोक्ताओं के मामले में जून और जुलाई की लंबित स्थिर शुल्क राशि करीब 54.95 करोड़ रुपये थी। इस राशि का समायोजन अगस्त में उपभोक्ताओं के पूर्वदत्त (प्री-पेड) बैलेंस से किया गया है।अगस्त में की गई एकमुश्त कटौती की जानकारी उपभोक्ताओं को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर मोबाइल संदेश के माध्यम से भी दी जा रही है।

उपभोक्ताओं के बिजली बिल में की गई कटौती का अलग-अलग विवरण उपलब्ध रहता है।यदि किसी उपभोक्ता को बिल अथवा कटौती को लेकर कोई शिकायत हो तो वह टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

एक्सिस बैंक और स्कैपिया ने लांच किया को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक और प्रमुख यात्रा फिनटेक कंपनी स्कैपिया ने स्कैपिया एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड लांच किया। यह कार्ड भारत की उस नई पीढ़ी के यात्रियों के लिए तैयार गया है, जो हर खर्च को अपनी अगली यात्रा की दिशा में एक कदम मानते हैं। यह कार्ड भुगतान, रिवॉर्ड और यात्रा से जुड़ी सुविधा एक ही ऐप पर पेश करता है, जिससे ग्राहक स्कैपिया के जरिए अपने खर्चों पर नजर रख सकते हैं, यात्रा के लिए बुकिंग कर सकते हैं और रिवॉर्ड रिडीम कर सकते हैं। हर पात्र खर्च और यूपीआई लेन-देन पर रिवॉर्ड मिलते हैं, जिन्हें उड़ान, होटल में ठहरने, विशिष्ट अनुभवों, खरीदारी और अन्य चीजों के लिए रिडीम किया जा सकता है। मास्टरकार्ड और रुपे दोनों नेटवर्क पर उपलब्ध यह कार्ड सभी खर्चों के लिए टैप से टेकऑफ तक की आसान डिजिटल सुविधाएं पेश करता है।

अर्निका दीक्षित, ग्रुप हेड- काड्र्स, पेमेंट्स एंड वेल्थ मैनेजमेंट, एक्सिस बैंक ने कहा कि यह गठजोड़ ग्राहकों के लिए यात्रा को अधिक आसान और सहज बनाने पर केंद्रित है। इसके लिए ऐसे समाधान पेश जा रहे हैं जो उनकी यात्रा से जुड़ी भावनाओं, योजना और अनुभव के तरीकों से बेहतर तरीके से जुड़े हों, ताकि हर कदम पर अधिक सुविधा, लचीलापन और मूल्य मिल सके। यह भागीदारी बैंक की कार्ड और भुगतान के क्षेत्र में नेतृत्व की स्थिति और स्कैपिया के यात्रा आधारित

हिन्दी हमारी पहचान, संस्कृति और भारतीय जीवन-मूल्यों की संवाहक : शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी

■ आईआईटी पटना परिसर में हिन्दी पखवाड़ा-2026 का माननीय शिक्षा मंत्री ने किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 3 सितंबर 2026।

हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की पहचान, संस्कृति, संस्कार और आत्मीयता की अभिव्यक्ति है। हिन्दी के प्रति जागरूकता और इसके व्यापक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज "आईआईटी" पटना के बिहटा स्थित परिसर में हिन्दी पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी जी ने किया।

कार्यक्रम में "आईआईटी" पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह जी ने शिक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यभाषा समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रीतम कुमार जी ने हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान और जीवन-शैली का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारे स्व, संस्कार और संस्कृति को अभिव्यक्ति देती है तथा रिश्तों और सामाजिक व्यवहार के आत्मीय पक्ष को सहजता से सामने लाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने दैनिक जीवन में कम-से-कम 5 प्रतिशत समय हिन्दी के लिए अवश्य दें और हिन्दी में पढ़ने, लिखने तथा रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि यदि हमें ज्ञान का सागर बनना है तो हिन्दी का ज्ञान सभी के लिए आवश्यक है।

शिक्षा मंत्री ने हिन्दी हैं हम, वतन है हिन्दुस्तान हमारा का नारा दोहराते हुए कहा कि हिन्दी हिंदुस्तान की सबसे प्रिय भाषाओं में से एक है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति इसकी आत्मीयता है। उन्होंने कहा कि माँ शब्द हिन्दी में जिस भावनात्मक प्रभाव और अपनत्व के साथ व्यक्त होता है, उसकी अनुभूति अद्वितीय है। हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है और हिन्दी इस सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे ले जाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने आधुनिक भारत में हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति का उल्लेख करते हुए स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के "बहनों और भाइयों" जैसे आत्मीय संबोधन को भारतीय संस्कृति की विशेषता बताया। साथ ही, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में दिए गए ऐतिहासिक संबोधन का स्मरण करते हुए कहा कि हिन्दी ने वैश्विक मंच पर भी भारत की पहचान को मजबूती से स्थापित किया है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे हिन्दी को केवल एक विषय के रूप में न देखें, बल्कि इसे अपने दैनिक व्यवहार, अध्ययन और रचनात्मक अभिव्यक्ति का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि हिन्दी को समृद्ध करना केवल भाषा का संरक्षण नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के अंत में शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने हिन्दी में पठन, लेखन एवं रचनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा सभी विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा सूचना

सं० : 26–27–एचआरटी–एलआरएस–एलएचबी–रिफरब1, दिनांकः 02.09.2026

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम एवं स्थानः** सबारी डिब्बा मरम्मत कारखाना/हरनौत में ''एलएचबी कोचों का रिफरबिसिंग का कार्य'' (तीन वर्ष) हेतु निविदा, **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशिः** रू. 9,18,02,516.17 (रू. नौ करोड़ अठारह लाख दो हजार पॉच सौ सोलह एवं सतरह पैसे मात्र), **3. निविदा प्रपत्र की राशिः** शून्य।, **4. अग्रधन की राशिः** रू. 18,36,100.00/– (रू.अठारह लाख छतीस हजार एक सौ रूपये मात्र), **5. निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** निविदा ऑन लाइन **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओं द्वारा निर्धारित तिथि **22.09.2026** को 12:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 12:30 बजे निविदा खोली जायेगी।, **6. वेवसाईट का विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण इत्यादि देखा जा सकता है। :** निविदा सूचना, पात्रता मान दंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस के वेबसाइट CRIS website: **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है, एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिये मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत, नालंदा, बिहार–803110 के नोटिस बोर्ड में देखें। यदि जरूरी हुआ तो किसी भी बदलाव का शुद्धि–पत्र वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता
सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत

पीआर/0857/सीआरडब्लू–एचआरटी/सीआरडब्लू/टी/26–27/48

बेंगलुरु में बिहार महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुँचे सीएम सम्राट चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय मंच पर बिहार की समृद्ध संस्कृति को मिलेगी नई पहचान : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ बेंगलुरु पहुंचे। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद बिहारवासियों ने मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

बिहार से दूर रह रहे प्रवासी बिहारियों ने अपने नेताओं के प्रति स्नेह और अपनत्व व्यक्त किया। यहां पहुंचने पर भाजपा अध्यक्ष श्री श्री गौशाला पहुंचे और वहां गौ सेवा की। गायों को फल खिलाये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर मिले स्वागत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यहां बिहार के लोगों से मिले स्नेह, सम्मान और अपनत्व से वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि बिहार से दूर रहकर भी अपनी माटी, संस्कृति और संस्कारों से जुड़े आप सभी लोगों का यह स्नेह हृदय को छू गया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग देश के जिस भी हिस्से में रहते हैं, अपनी मेहनत, प्रतिभा और संस्कारों के माध्यम से बिहार का नाम रोशन कर रहे हैं। संजय सरावगी ने कहा कि अपने बेंगलुरु दौरे के क्रम में वह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ बिहार महोत्सव-2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के माध्यम से बिहार की समृद्ध लोक परंपराओं, कला, संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की संस्कृति उसकी सबसे बड़ी ताकत और पहचान है। लोकगीत, लोकनृत्य, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला और लोक परंपराएं बिहार की गौरवशाली विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। बिहार महोत्सव-2026 के माध्यम से देश के दूसरे हिस्सों में रहने वाले लोगों को बिहार की सांस्कृतिक समृद्धि से परिचित होने का अवसर मिलेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह महोत्सव बिहार के गौरव, उसकी विरासत और सांस्कृतिक विविधता को देश के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। साथ ही, यह प्रवासी बिहारियों को अपनी जड़ों, अपनी माटी और अपनी संस्कृति से जोड़ने का भी सशक्त अवसर है।

श्री कृष्णोत्सव समारोह में शामिल हुए नीतीश कुमार

भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने का दिया संदेश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना के वीरचंद पटेल पथ स्थित मिलर स्कूल के मैदान में युथ अलायंस फोर सोशल हारमोनी एंड एनवायरनमेंट के तत्वावधान में आयोजित भव्य श्री कृष्णोत्सव समारोह में नव बिहार के शिल्पकार माननीय पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने कार्यक्रम में शामिल हो दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने उपस्थित अतिथियों एवं आयोजकों को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की एवं भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया। साथ ही इस अवसर पर नीतीश कुमार के गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुये राधा-कृष्ण फैन्सी डेज्स प्रतियोगिता एवं दही-हांडी प्रतियोगिता में विजय होने वाले प्रतिभागियों के बीच पुरूस्कार वितरण किया गया। वहीं कार्यक्रम के निवेदक सायन कुणाल ने नेतागण के गरिमामयी उपस्थिति पर उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अभिभावक स्वरूप नीतीश कुमार के आगमण से समारोह की भव्यता और बढ़ गयी। साथ ही कार्यक्रम में सहभागिता करने तथा आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए हृदय से धन्यवाद एवं कृतज्ञता प्रकट की।

समारोह में उपस्थित लोगों ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन, उनके कर्म, सत्य, धर्म और लोक-कल्याण के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही, नई पीढ़ी को बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने तथा सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उक्त समारोह में जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री सह सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, मंत्री अशोक चैधरी एवं विधान पार्षद सह मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित लोजपा सांसद साम्भवी चैधरी भी उपस्थित थी।

गंगा के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति का लिया जायजा

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने पटना में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जेपी सेतु क्षेत्र से लेकर सिक्स लेन पुल तक पहुंचकर गंगा के जलस्तर, नदी के बहाव एवं आसपास के इलाकों की स्थिति का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा इस दौरान उनके साथ रहे। नीतीश कुमार ने गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण आसन्न संकट को देखते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों एवं नदी किनारे रहने वाले लोगों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नीतीश कुमार ने आमलोगों से अपील की कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार पूरी तरह तत्पर है और प्रशासन मुस्तैदी से अपना काम कर रहा है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई होगी और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुँचाई जाएगी।

जनप्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया जाएगा: मंत्री

- पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । राज्य के जनप्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों की योग्यता और आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण देना, मॉड्यूल में नई गतिविधियों को जोड़ना, भाषाई सरलता और ग्राफिक्स का समावेश करना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन करना शामिल है। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने इसके संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया है। वे गुरुवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों को बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्था द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, मॉड्यूल को सरल बनाने, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) के प्रभावी क्रियान्वयन और डिजिटल निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने लाइन डिपार्टमेंट से समन्वय और प्राप्त फीडबैक को भी प्रशिक्षण मॉड्यूल में शामिल करने का निर्देश दिया।

उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल कर किसान-केंद्रित बनाना है सरकार का लक्ष्यः विजय

- अब क्यूआर कोड से मिलेगी खाद, 19 जिलों में डिजिटल हुई उर्वरक बिक्री

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार सरकार के कृषि विभाग ने किसानों के हित में बड़ा कदम उठाया है। ह्यखेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ अभियान के तहत 1 सितंबर से राज्य के 19 जिलों में उर्वरक बिक्री व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है। विभाग का कहना है कि व्यवस्था पारदर्शी होने से किसानों को कालाबाजारी से राहत मिलेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर किसान को समय पर और उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक मिले। डिजिटल बिक्री व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और कालाबाजारी पर पूरी तरह रोक लगेगी। इससे उर्वरक की उपलब्धता से लेकर बिक्री तक, हर स्तर पर निगरानी आसान होगी और किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी। कृषि मंत्री ने बताया कि उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल और किसान-केंद्रित बनाने के लिए विभाग ने एफएसएएस (फर्टिलाइजर सेल्स एप्लीकेशन सिस्टम) के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की है। आईएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया गया है। जिन 19 जिलों में डिजिटल तरीके से उर्वरक बिक्री शुरू हुई है, उनमें पटना समेत सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मधुबनी, सारण, सीवान, गोपालगंज, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, अररिया और भागलपुर शामिल हैं।1 सितंबर से 19 जिलों में और 2 अक्टूबर से पूरे बिहार में डिजिटल उर्वरक बिक्री व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। इससे उर्वरक की उपलब्धता, भंडार, वितरण और बिक्री की बेहतर निगरानी संभव होगी।

शिक्षकों के एआई संवर्द्धन के लिए गूगल इंडिया के साथ होगा समझौता

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। शिक्षक दिवस पर पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में शिक्षकों के एआई संवर्द्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जाएगी। इस दौरान शिक्षकों को एआई के क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए गूगल इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की मौजूदगी में एससीईआरटी के निदेशक और गूगल के प्राधिकृत प्रतिनिधि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। इस समझौते के माध्यम से शिक्षकों के एआई संबंधी ज्ञान और कौशल को बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा।

विकास भवन स्थित सभागार में गुरुवार को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की मौजूदगी में हुई बैठक में समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में दोनों माननीय उप मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी करेंगे। इस दौरान हर जिले से चयनित एक-एक शिक्षक को राजकीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। समारोह को राज्य के अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने के लिए इसका सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय समेत राज्य के जिन माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब की सुविधा उपलब्ध है, वहां समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

बक्सर में छात्राओं के साथ घृणित कृत्य पर शिक्षा मंत्री हुए बेहद सख्त

पटना। बक्सर के डुमरांव प्रखंड की छात्राओं के साथ दो शिक्षकों द्वारा किए गए घृणित कृत्य पर शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि बच्चियों के साथ अमानवीय व्यवहार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बक्सर के एसपी को स्पष्ट निर्देश दिया है कि दोनों आरोपित शिक्षकों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए। उनके विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए। गिरफ्तारी

लालू प्रसाद, तेजस्वी सहित राजद नेताओं ने जन्माष्टमी की दी बधाई और शुभकामनाएं

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ,सांसद डॉ मीसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदानंद सिंह, उदय नारायण चौधरी,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ कांति सिंह, जयप्रकाश नारायण यादव,राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, सैयद फैसल अली, बीनू यादव, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, सुधाकर सिंह, संजय यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, राष्ट्रीय सचिव कार्तिकेय सिंह, राजद के वरिष्ठ नेता अशोक कुमार सिंह,डॉ तनवीर हसन, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, शिवचंद्र राम, मो इसराइल मंसूरी, सुरेश पासवान ,प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, शक्ति सिंह यादव, प्रदेश ,विधान पार्षद कारी मो सोहैब, नागेंद्र प्रसाद उर्फ रिंकू यादव,डॉ उर्मिला ठाकुर राजद नेता एजाज अहमद ने जन्माष्टमी की देशवासियों और और राज्य वासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर सभी के लिए सुख ,समृद्धि और शांति की कामना की है।

बिहार की आवाज बने संजय झा : नवल शर्मा

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो दिल्ली और पटना के बीच केवल राजनीति नहीं, बल्कि राज्य के हितों की मजबूत पैरवी करे। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने संगठन और संसद - दोनों स्तरों पर फरक्का जल संधि के सवाल को जिस मजबूती से उठाया है उसे बिहारवासी सदैव याद रखेंगे। नीतीश संवाद उनकी उसी जनप्रतिबद्ध राजनीति का विस्तार है। संजय झा ने हमेशा नीतीश कुमार की उस सोच को आगे बढ़ाया है, जिसमें सरकार जनता की बात सुनती है और जनता की आवाज को नीति का आधार बनाती है। फरक्का जलसंधि जैसे मुद्दे पर बिहार के लोगों की राय जानने का निर्णय लोकतांत्रिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

धूमधाम से मनेगी जन्माष्टमी, 24 घंटे होगा नाम संकीर्तन

पटना। गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी में इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने बताया कि जन्माष्टमी समारोह को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। समारोह का शुभारंभ प्रातः 8 बजे से होगा। प्रो. रणबीर नंदन ने बताया कि सुबह 8 बजे से लगातार 24 घंटे तक नाम संकीर्तन और जप का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि इस अखंड नाम संकीर्तन का संकल्प स्वयं प्रो. रणबीर नंदन लेंगे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के नाम का जाप और भजन-कीर्तन करेंगे।इस संबंध में प्रो नंदन ने बताया कि ने रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव विधि-विधान और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जन्म के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा, धर्म और सत्य के प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने भगवद्गीता के माध्यम से मानव जीवन को कर्म, कर्तव्य और धर्म का मार्ग दिखाया। श्रीकृष्ण का संदेश है कि मनुष्य को फल की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उनकी भक्ति मनुष्य के जीवन में शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

7.8 फीसद जीडीपी वृद्धि की पोल अर्थशास्त्रियों ने खोली : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव। रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि मोदी सरकार में देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। विकास के दावे को बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जा रहा है। देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.60फीसद है।जिसे बढ़ा कर सरकार 7.8फीसद बता रही है। देश के अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और वित्त सचिव ने सरकार के दावे की पोल खोल कर रख दिया है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि वृद्धि का मूल्यांकन केवल उत्पादन के आंकड़े से नहीं किया जाना चाहिए, यह भी देखना होगा कि इस वृद्धि से कितने रोजगार पैदा हो रहे हैं, मजदूरी कितनी बढ़ रही है ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी के विरोध में लोजपा (रामविलास) की आपात बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार प्रदेश कार्यालय में आज प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक की अध्यक्षता में आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के सभी विधायक, मंत्री एवं विधान परिषद सदस्यों की उपस्थिति रही।बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी को मिली जान से मारने की धमकी को लेकर गंभीरता से चर्चा की गई। उपस्थित सभी नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक नेतृत्व को इस प्रकार धमकी देना अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक विषय है। बैठक में नेताओं ने सरकार एवं प्रशासन से मांग की कि इस मामले को पूरी गंभीरता से लेते हुए धमकी देने वाले व्यक्ति/तत्वों की तत्काल पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। बैठक में उपस्थित पार्टी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जी के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। पार्टी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों में विश्वास करती है और किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी अथवा भय का वातावरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक ने कहा कि चिराग पासवान जी करोड़ों बिहारवासियों की आवाज हैं। उन्हें धमकी दिया जाना केवल एक व्यक्ति को धमकी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और बिहार की जनता की भावनाओं को चुनौती देने जैसा है।

बाढ़प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव को लेकर सरकार असंवेदनशील : तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में बाढ़ के हालातों पर चिंता जताई है, साथ कहा कि लोगों को बचाने के लिए सरकार को हर संभव उपाय करना चाहिए, सभी तरह के इंतजाम अभी से कर लेनी चाहिए, हालत काफी खराब नजर आ रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा किबिहार में कई नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गंगा, सोन, पुनपुन, गंडक, बुढी गंडक, बागमती, कोसी इत्यादि नदियों में बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के कारण लोगों में दहशत है। 15 से अधिक जिले बाढ़ की चपेट में है लेकिन एनडीए सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्यों की अभी तक कोई तैयारी नहीं की है। सरकार की ओर से आमजन की सुरक्षा और बाढ़ प्रभावितों को किसी प्रकार की कोई सुविधा प्रदान नहीं की गई है। दियारा क्षेत्रों के बाढ़ के कहर और कटाव से किसानों की मक्का और हरी सब्जियों की फसलें पानी में डूब गई है। घरों, सड़कों, स्कूलों और खेतों में पानी भर गया है। दियारा क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण ग्रामीणों को अंधेरे के साथ-साथ पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गांवों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क टूटने के कारण राशन और जरूरी सामान की कमी होने लगी है। हमारी सरकार से माँग है कि दियारा क्षेत्रों को अविलंब बाढ़ग्रस्त घोषित किया जाए। सरकार की तरफ से बाढ़ राहत शिविर, सामुदायिक किचन और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। राहत शिविर नहीं होने से लाइफ जैकेट, दवाएं और सांप-बिच्छू काटने जैसी आपात स्थितियों के लिए प्रशासन संचालित नावें और इमरजेंसी बोट की तत्काल व्यवस्था होनी चाहिए।

बिहार में लापता, गुमशुदा एवं अपहृत बच्चों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।राज्य में लापता, गुमशुदा एवं अपहृत बच्चों को तलाशने और बरामद करने के उद्देश्य से बिहार अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के कमजोर वर्ग प्रभाग ने व्यापक पहल शुरू की है। इसके तहत इस वर्ष 20 अगस्त से 10 सितंबर तक राज्यभर में विशेष अभियान ऑपरेशन तलाश चलाया जा रहा है। इसके तहत लापता, गुमशुदा एवं अपहृत बच्चों के हितों तथा इस संवेदनशील मुद्दे को ध्यान में रखते हुए इस अभियान का नाम ऑपरेशन तलाशह्व रखा गया है। इस पुलिस मुख्यालय के स्तर से जारी सूचना के मुताबिक, राज्य के पुलिस थानों की तरफ से 2 सितंबर तक ह्लमिशन वात्सल्य पोर्टलह्व पर कुल 2 हजार 254 लापता बच्चों के रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं। इस अवधि के दौरान कुल 3 हजार 359 बच्चों को तलाशा गया। जबकि पोर्टल पर 2 हजार 787 बच्चों का मिलान किया गया। इनमें लापता बच्चों के रूप में दर्ज 388 लड़के और 1 हजार 865 लड़कियां, बरामद किए गए 652 लड़के और 2 हजार 705 लड़कियां, तथा पोर्टल पर मिलान किए गए 483 लड़के और 2,303 लड़कियां शामिल हैं। मिशन वात्सल्य पोर्टल के माध्यम से अब तक कुल 6,857 बच्चों को तलाशा गया ह। जबकि 4,273 बच्चों का मिलान किया।जा चुका है।

महिलाओं के लिए रोजगार सृजन से परिवार होगा मजबूतः मंत्री

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग तथा जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने गुरूवार को शिवहर जिला का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले में ग्रामीण विकास, शिक्षा, और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन किया एवं लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि जीविका ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को कौशल, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।महिला स्वावलंबन और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार ने अदौरी पंचायत में ह्यजीविका दीदी का सिलाई घर (प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र)ह्न का उद्घाटन किया। श्री कुमार ने कहा कि इस केंद्र से जुड़ी जीविका दीदियों के द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए पोशाक का निर्माण किया जाएगा। इससे रोजगार के नए साधन सृजित होंगे। साथ ही पुरनहिया प्रखंड के 462 जीविका समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज के अंतर्गत कुल 5,85,44,500 रुपये का डमी चेक प्रदान किया गया। मंत्री ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े भूमिहीन लाभार्थियों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए रीना देवी, मिश्र साह, निशा कुमारी, सती देवी सहित 8-10 लाभार्थियों को ह्यबासगीत पर्चाह्न प्रदान किया। इसके अलावा रणधीर कुमार(पिता-सुरेंद्र सिंह), ध्रुपलाल ठाकुर(पिता- तपेश्वर ठाकुर) सहित 05 और लाभुकों को ह्यवी बी - जी राम जी जॉब कार्ड का वितरण किया गया। मंत्री ने पुरनहिया प्रखंड के पंचायत बसंत जगजीवन में नवनिर्मित श्री किशोर प्रभात पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन किया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने पुस्तकालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर मंत्री के स्वागत में उपस्थित विद्यालय की छात्राओं के साथ उन्होंने आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चियों से उनकी शिक्षा की स्थिति और राज्य सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं जागरूकता के संबंध में चर्चा की।

मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से प्रकाशित सेवा यात्रा संगिनी पुस्तक का हुआ विमोचन

नियमों की जटिलता आसान बनाएगी सेवा यात्रा संगिनी, सुनिश्चित होगा नैसर्गिक न्यायः मुख्य सचिव

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से प्रकाशित सेवा यात्रा संगिनी पुस्तक अनुशासनिक कार्रवाई संबंधी नियमों की जटिलता को आसान बनाएगी। साथ ही सरकारी सेवकों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई में नैसर्गिक न्याय सुनिश्चित होगा। मुख्य सचिव गुरुवार को मुख्य सचिवालय के सभागार में बिहार सरकार के सरकारी सेवकों के लिए प्रकाशित निदेशालय की सेवा यात्रा संगिनी पुस्तक का विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में नियम-पुस्तिकाओं और संबंधित धाराओं की समय पर उपलब्धता न होने से अक्सर बाधाएं आती हैं। निदेशालय और मुख्य रूप से निदेशालय के महानिदेशक-सह मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार सिंह का यह प्रयास सरकारी कर्मियों के ज्ञान और क्षमता वर्धन में बेहद मददगार सिद्ध होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि पुस्तक की सॉफ्ट कॉपी सभी विभागों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपनी आवश्यकतानुसार इसकी प्रतियां मुद्रित कराकर कर्मियों तक पहुंचा सकें। कार्यक्रम में महानिदेशक-सह मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार सिंह ने कहा कि मुख्य जांच आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद महसूस हुआ कि सरकारी सेवकों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाइयों में अक्सर गल्तियां होती हैं। पदाधिकारी और कर्मियों को प्रशिक्षण की बहुत आवश्यकता है। इस आवश्यता को ध्यान में रखते हुए निदेशालय ने निर्णय लिया कि बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील (सीसीए) नियमावली 2005 की सभी नियमावली को समेकित करते हुए विभागों को उपलब्ध कराया जाय। जीएडी की ओर से अभी तक संबंधित सात पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। उन्होंने कहा कि सेवा यात्रा संगिनी आठवीं पुस्तक है और इसे अनुशासनिक कार्रवाई और सेवा संबंधी नियमों की सुलभ समझ के उद्देश्य से तैयार किया गया है। श्री सिंह ने बताया कि कृषि, श्रम विभाग के, पुलिस विभाग के साथ दूसरे विभागों के पदाधिकारियों को अनुशासनिक कार्रवाई पर प्रशिक्षण दिया जा चुका है। राज्य में मास्टर ट्रेनर्स की तैनाती के लिए लगातार प्रशिक्षण चल रहा है। अनुशासनिक कार्रवाई के नियमों से पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने की दिशा में ही निदेशालय में श्री सतीश कुमार तिवारी, भगवान दास साहू और शालिग्राम पांडेय को स्थाई नियुक्ति दी गई है। कार्यक्रम में डीजीपी विनय कुमार ने मुख्य जांच आयुक्त और उनकी टीम के भगीरथ प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्रवाई के प्रारंभिक चरण से लेकर न्यायालय में जारी याचिकाओं के निपटारे तक सेवा यात्रा संगिनी पुस्तक मील का पत्थर साबित होगी। इससे पुलिस परिवार और प्रशासनिक अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने में सहूलियत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में निदेशालय की ओर से पुलिस के अधिकारियों को दी गई ट्रेनिंग से मामलों के संचालन और कार्रवाई में काफी सहूलियत मिल रही है। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो. सोहैल ने की और उन्होंने सेवा यात्रा संगिनी पुस्तक की विशेषता पर प्रकाश डाला।

बिहार की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पहुंचाना हम सभी का दायित्व : डॉ. प्रेम कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय आश्रम में आयोजित बिहार महोत्सव-2026 के उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी, माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी जी एवं माननीय मंत्री श्री जमा खान जी के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित बिहारवासियों एवं गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव, आत्मसम्मान और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करने का अवसर है। बिहार केवल एक भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, दर्शन और लोकतांत्रिक मूल्यों की पावन भूमि है। यह वही धरती है, जिसने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया तथा मानवता को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि बिहार का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गौरवशाली भी है। प्राचीन काल में पाटलिपुत्र विश्व की महानतम राजधानियों में शामिल रहा है। यही वह भूमि है, जहां महान सम्राट अशोक ने शासन किया और युद्ध के पश्चात शांति एवं मानवता का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार की धरती भगवान गौतम बुद्ध की ज्ञानस्थली है। यहीं से बौद्ध धर्म का संदेश विश्व के अनेक देशों तक पहुंचा। भगवान महावीर की तपोभूमि भी बिहार रही, जिन्होंने मानव समाज को अहिंसा, सत्य और करुणा का मार्ग दिखाया। उन्होंने बिहार की ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट को जन्म दिया, जिन्होंने विश्व को नई वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान की। चाणक्य की कूटनीति और अर्थशास्त्र आज भी शासन एवं प्रशासन के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत हैं। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविख्यात विश्वविद्यालय प्राचीन काल में ज्ञान के प्रमुख केंद्र रहे, जहां देश-विदेश से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बिहार को लोकतंत्र की जननी होने का गौरव भी प्राप्त है। वैशाली की पवित्र भूमि विश्व के प्राचीनतम गणराज्यों में से एक रही है। यह प्रत्येक बिहारी के लिए गर्व का विषय है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें हमारी इस पावन धरती में हजारों वर्ष पूर्व ही स्थापित हो चुकी थीं। उन्होंने कहा कि बिहार की पहचान केवल उसके गौरवशाली इतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जीवंत कला, संस्कृति, लोक परंपराएं और सामाजिक समरसता भी इसकी विशेष पहचान हैं। मधुबनी पेंटिंग ने बिहार की लोककला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। मैथिली, भोजपुरी, मगही, अंगिका और बज्जिका जैसी लोकभाषाएं बिहार की सांस्कृतिक विविधता एवं समृद्धि की प्रतीक हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक चेतना और प्रकृति के प्रति हमारी आस्था का अनुपम उदाहरण है। सूर्योपासना का यह महान पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्वच्छता, अनुशासन, समानता और प्रकृति के साथ मानव के आत्मीय संबंध का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि बिहार की लोकसंस्कृति में लोकगीतों की मधुरता, लोकनृत्यों की ऊर्जा और हमारी परंपराओं में सामाजिक एकता की अद्भुत शक्ति निहित है। भिखारी ठाकुर की लोकनाट्य परंपरा, महाकवि विद्यापति की रचनाएं, सोहर, कजरी, चैता और अन्य लोकगीत हमारी सांस्कृतिक विरासत को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज बिहार तेजी से विकास की नई यात्रा पर अग्रसर है। हमारा गौरवशाली अतीत हमें प्रेरणा देता है और वर्तमान एक विकसित एवं आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण के लिए संकल्पित करता है। हमारा दायित्व है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बिहार के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों, कला और संस्कृति से परिचित कराएं। आधुनिकता की दौड़ में हमें अपनी जड़ों और सांस्कृतिक मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार के पास गौरवशाली इतिहास, अपार प्रतिभा, समृद्ध संस्कृति और सबसे बढ़कर मेहनतकश एवं प्रतिभाशाली युवा शक्ति है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बिहार की यही युवा शक्ति राज्य को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। अंत में बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार महोत्सव-2026 के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं उपस्थित सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे बिहारवासियों को अपनी मिट्टी, संस्कृति और गौरवशाली विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

वीबी-जी रैम जी योजना के कार्यों की समीक्षा तालाब व रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) सभागार में उप विकास आयुक्त तुषार कुमार की अध्यक्षता में वीबी-जी रैम जी योजना के तहत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पंचायत स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन, कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। बैठक में ग्रामीण हाट, आंगनबाड़ी केंद्र और विद्यालयों से संबंधित निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। वहीं जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार, चेक डैम, सोखपिट और वर्षा जल संचयन के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। इन कार्यों की नियमित निगरानी एवं अनुश्रवण का निर्देश दिया गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, वीबी-जी रैम जी अशोक कुमार राय ने योजनाओं के नियमित अनुश्रवण और पंचायत स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना की भी समीक्षा की, जिसमें जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में सहायक अभियंता आलोक कुमार, वीबी-जी रैम जी के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के लिए इस्कॉन गया पूरी तरह तैयार

गया ।गया जी में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य दिवस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के भव्य आयोजन के लिए इस्कॉन गया पूरी तरह तैयार है।4 सितंबर 2026 को इस्कॉन गया में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े उत्साह, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है। इस्कॉन गया के मंदिर अध्यक्ष जगदीश श्याम दास* ने बताया कि जन्माष्टमी की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। भव्य पंडाल, फूलों एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजावट, विशेष झांकियों तथा भगवान श्रीकृष्ण के लिए विशेष पोशाक एवं श्रृंगार की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। गया धामवासियों को जन्माष्टमी महोत्सव में आमंत्रित करने के लिए भक्त एवं स्वयंसेवक लगातार घर-घर जाकर निमंत्रण दे रहे हैं। *एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था जन्माष्टमी के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए इस्कॉन गया द्वारा दर्शन, भीड़ प्रबंधन, स्वयंसेवक व्यवस्था, प्रसाद वितरण एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं का तिलक एवं इत्र से स्वागत किया जाएगा। पूरे दिन अखंड एवं मधुर हरिनाम संकीर्तन, श्रीकृष्ण कथा एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम चलते रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंदिर प्रशासन गंभीर रूप से चिंतित जगदीश श्याम दास ने कहा कि एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है।

न्यायमूर्ति हरिश्चंद्र मिश्रा के निधन पर दरभंगा के अधिवक्ताओं ने जताया शोक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दिल्ली के लोकायुक्त एवं झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश 67 वर्षीय न्यायमूर्ति हरिश्चंद्र मिश्रा का आकस्मिक निधन गुरुवार को दिल्ली स्थित उनके आवास पर हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही दरभंगा के अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को वकालतखाना भवन में दरभंगा जिला के लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित कर न्यायमूर्ति मिश्रा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। अधिवक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर अधिवक्ता अरुण कुमार चौधरी ने कहा कि न्यायमूर्ति हरिश्चंद्र मिश्रा मूल रूप से मधुबनी जिले के गनौली गांव के निवासी थे। उन्होंने न्यायिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के पद को भी सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति मिश्रा के परिवार की न्यायिक क्षेत्र में गौरवपूर्ण परंपरा रही है। उनके पिता भी पटना उच्च न्यायालय में वर्ष 1981 तक न्यायाधीश रहे थे। शोकसभा में अचलेन्द्रनाथ झा, हीरानंद मिश्रा, विवेक कुमार सिंह, कुमार उत्तम, मुरारीलाल केवट, प्रदीप यादव, किरण कुमारी, शिवम कुमार त्रिपाठी, अनीता आनंद, सनोज कुमार, संतोष कुमार सिन्हा, पंकज कुमार, कमल पाण्डेय, अनिल कुमार मिश्रा तथा अधिवक्ता लिपिक विनय कुमार झा समेत कई अधिवक्ताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की कार्रवाई शराब की 450 बोतलें बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के एफ समवाय कमला की नाका पार्टी ने 135 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के साथ शराब के परिवहन में प्रयुक्त दो मटरसाइकिलें भी जब्त की गईं। एसएसबी को मिली आसूचना के आधार पर 3 सितंबर को करीब 4:20 बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 270/15 से लगभग 50 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में छोटा अकोन्हा तालाब के पास निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान नेपाल की ओर से एक व्यक्ति को बोरी लेकर आते देखा गया। नाका पार्टी ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। बोरी की तलाशी लेने पर नेपाली देशी शराब की 450 बोतलें बरामद हुईं। प्रत्येक बोतल में 300 मिलीलीटर शराब थी, जिसकी कुल मात्रा 135 लीटर बताई गई। इसके बाद आसपास के क्षेत्र में तलाशी के दौरान दो मोटरसाइकिलें मिलीं, जिन पर एक-एक बोरी लदी हुई थी। दोनों बोरियों की जांच करने पर उनमें भी नेपाली देशी शराब बरामद हुई ।गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अमरेंद्र कुमार अमर (39), पुत्र बैजनाथ ठाकुर, निवासी मीनाबाजार थरेसी, डाकघर जगतपुर, थाना रहिका, जिला मधुबनी के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि शराब नेपाल के इनरवा स्थित प्रधान नामक शराब की दुकान से खरीदी गई थी और इसे मधुबनी में अपने घर पर बेचने के लिए लाया जा रहा था ।एसएसबी द्वारा 135 लीटर नेपाली देशी शराब एवं दोनों मोटरसाइकिलों को विधिवत जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति एवं जब्त सामान को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए देवधा थाना, जिला मधुबनी को सौंपा जा रहा है ।48वीं वाहिनी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब की तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए एसएसबी लगातार सतर्कता और आसूचना आधारित कार्रवाई कर रही है। सीमा क्षेत्र में तस्करी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव, बच्चों ने दिखाया मनमोहक दृश्य

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दिल्ली पब्लिक स्कूल, कादिराबाद, दरभंगा के प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा हर्षोल्लास के साथ विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के मनमोहक रूप में सजे नजर आए। उनकी आकर्षक वेशभूषा ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बांसुरी की मधुर धुन, भजन गायन एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यालय परिसर को फूलों, रंग-बिरंगे गुब्बारों और मोरपंख से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मटकी फोड़, भजन गायन और श्रीकृष्ण लीला पर आधारित लघु नाटिका कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और उनकी लीलाओं को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, प्रेम, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की सीख देता है। उनके विचार आज भी समाज और युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संत रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के तहत पंचायतों में शिविर का आयोजन

मनीगाछी (दरभंगा) ।सरकार के निदेर्शालोक में गुरु संत रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर कलश शोभा यात्रा के साथ ही शिविरों का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में बी डी ओ एवं राजनीतिक दलों के कार्यकताओं ने भाग लिया ।इस अवसर पर ब्रह्मपुर, उजान, जतुका पैकटोल, चनौर बाजितपुर एवं भण्डारिसम पंचायत में श्री गुरु संत रविदास विकास शिविर का आयोजन समरसता संकल्प अभियान के रूप में किया गया ।शिविर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, औपचारिक शिक्षा हेतु विद्यालय में दाखिला, आधार कार्ड, वास भूमि, सामाजिक सुरक्षा योजना, हर घर नल जल योजना, बिजली, स्वछता अभियान, ई श्रम कार्ड एवं कल्याण बोर्ड में निबंधन से संबंधित आवेदन लिए गए ।बी डी ओ संदीप कुमार ने बताया कि ब्रह्मपुर में 4, उजान में 5, चनौर में 6 , बाजितपुर में 4 एवं भण्डारिसम में लिए गए 3 प्रक्रियाधीन सभी आवेदनों को निष्पादन के लिए संबंधित विभाग को भेजा गया है।

बाली में मयंक झा ने जीता सीएफ कैनगो फाइट नाइट 40, बढ़ाया दरभंगा का गौरव

दरभंगा। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित प्रतिष्ठित सीएफ कैनगो फाइट नाइट 40 प्रतियोगिता में दरभंगा के रामबाग निवासी मयंक झा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल भारत, बल्कि बिहार और दरभंगा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। मयंक झा रामबाग निवासी अमरकांत झा एवं वंदना झा के पुत्र हैं। सीएफ कैनगो फाइट नाइट 40 में विश्व के विभिन्न देशों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कड़े मुकाबले के बीच मयंक ने अपनी अद्भुत खेल क्षमता, आत्मविश्वास और शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। मुकाबला जीतने के बाद मयंक झा ने स्टेज पर योग मुद्रा में अपनी जीत का जश्न मनाया। उनकी यह तस्वीर और अंदाज लोगों के बीच विशेष चर्चा का विषय बना। मयंक की सफलता की खबर मिलते ही उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के साथ-साथ पूरे रामबाग और दरभंगा में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी देश और बिहार का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। मयंक की उपलब्धि पर दरभंगा राज के प्रबंधक पावन कुमार दत्ता, राजू मंडल, सुनील राय, सुशील कुमार सिंह, मनीष गिरी, अरुण शर्मा सहित शहर के दर्जनों प्रतिष्ठित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

Govt. of Bihar

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, R.W.D.,
WORKS DIVISION, KISHANGANJ-2
Email:- ee.kishanganj2.rwd@gmail.com, Mob.-9296796271
Expression of Interest -Cum-Request for Quote for Empanelment of Supply Agencies
Short Notice No- RWD / FDR / Kishanganj-2 / 02 (2026-27)

Letter No:- 2062 / Kishanganj

Executive Engineer, RWD, Works Division, **Kishanganj-2** on behalf of The Honourable Governor of Bihar invites from eligible agencies/suppliers who are registered in any state/central department but he has to get registration in Rural Works Department, Govt. of Bihar before agreement for empanelment, to indicate their interest in supplying the below mentioned items required for emergent repair and restoration of rural roads affected by heavy rains/floods for RWD Works Division **Kishanganj-2.** The procurement will be carried out through two bid system (First envelope for technical and second envelope for financial bid).

Financial bid envelope

I. Material
II. LABOUR
III. TOOLS, PLANTS & MACHINERIES WITH DRIVER & FUEL

Further information can be obtained from Office of The Executive Engineer, RWD,Works Bettiah during Office hours i.e. **10:00 to 17:00** hours from **10.09.2026 to 14.09.2026** or on Mobile No. **9296796271**. This can also be viewed on website **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

Expression of interest-cum-request for quote must be delivered in an envelope comprising two separate envelope clearly written (Envelope 1 as a technical and envelope 2 as financial bid) to the address below (in person or by registered post) by dated **14.09.2026 by 3:00** PM in the **Office of The Executive Engineer**, RWD Works Division, **Kishanganj-2** Or office of The Superintending Engineer, RWD,Works Circle, **Kishanganj**. And Quotation Opening Dated **14.09.2026 by 03:30** PM. Envelop received after Last Date and time will not be entertained.

The quoted rate envelop will be opened only of those bidders who will meet the minimum criteria in the technical part.

All qualified bidders will be empanelled for the specific or for all material/ tools/plants/machineries on the basis of rate accepted by the qualified bidder.

All qualified bidders have to be entered into an agreement with concerned executive engineers with all terms and conditions with the security deposit in the form of fixed deposit receipt duly issued from any commercial scheduled bank, branch situated in Bihar amount of 1,00,000/- (Rupees One Lakh Only), must duly pledge in favour of Executive Engineer, RWD, Works Division, **Kishanganj-2**.

All materials, labour, tools, plants and machineries have to be supplied as per specification including all prevailing Government Taxes and direction of engineer in charge and all payments will be done as per financial rules and availability of Fund.

This EOI does not entail any commitment on the part of undersigned, either financial or otherwise.

Undersigned reserves the right to accept or reject any or all proposal without any information.

For further details please visit website **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

Executive Engineer
RWD, Works Division, Kishanganj-2

PR. No. 011200 (RWD) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

पशुपालन निदेशालय, बिहार सरकार द्वारा जनहित में जारी

बिहार सरकार

बिहार पशु प्रजनन विनियमन अधिनियम, 2025

बेहतर नस्ल ★ अधिक उत्पादन ★ सुरक्षित भविष्य

पशुपालकों एवं कृत्रिम गर्भाधान (AI) से जुड़े सभी व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

बिहार सरकार द्वारा ''बिहार पशु प्रजनन विनियमन अधिनियम, अगस्त 2025'' से लागू किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में गुणवत्तापूर्ण पशु प्रजनन सेवाएँ सुनिश्चित करना तथा पशुधन की नस्ल एवं उत्पादकता में सुधार करना है।

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

मुख्य प्रावधान

केवल पंजीकृत Artificial Insemination Technician (AIT) ही AI सेवा प्रदान करेंगे।

केवल प्रमाणित एवं अधिकृत सीमेन/ सेक्स–सॉर्टेड सीमेन का ही उपयोग एवं वितरण किया जाएगा।

सीमेन बैंक, AI सेवा प्रदाता, AI प्रशिक्षण संस्थान एवं IVF-ET प्रयोगशालाओं का पंजीकरण अनिवार्य होगा।

अपंजीकृत अथवा अवैध रूप से पशु प्रजनन संबंधी गतिविधियाँ करना दण्डनीय अपराध होगा।

पशुपालकों से अपील

- कृत्रिम गर्भाधान केवल अधिकृत तकनीशियन से ही कराएँ।
- AI कराने से पहले तकनीशियन का पंजीकरण/पहचान अवश्य देखें।
- अधिक दूध उत्पादन, स्वस्थ बछड़े तथा बेहतर नस्ल के लिए प्रमाणित सीमेन का ही उपयोग कराएँ।

AI तकनीशियन, निजी संस्थान एवं सीमेन विक्रेताओं हेतु

पंजीकरण

यदि आप कृत्रिम गर्भाधान सेवा, सीमेन वितरण, सीमेन बैंक, प्रशिक्षण संस्थान अथवा अन्य पशु प्रजनन गतिविधियों से जुड़े हैं, तो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक पंजीकरण एवं अनुज्ञप्ति प्राप्त करें।

नोट: अधिनियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना एवं अन्य दण्डात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें

अपने जिला के जिला पशुपालन पदाधिकारी

या

बिहार लाइवस्टॉक डेवलपमेंट एजेंसी, बिहार, पटना
ईमेल: pdblda.pat@gmail.com

PR No.- 011052 (Animal)D. 2026-27

सशक्त नस्ल – समृद्ध पशुपालक – विकसित बिहार

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार

स्वास्थ्य मंत्री ने किया एसकेएमसीएच में 12 बेड के अत्याधुनिक आईसीयू का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने गुरुवार को एसकेएमसीएच परिसर स्थित टाटा मेमोरियल होमी भाभा कैंसर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में नवनिर्मित 12 बेड के अत्याधुनिक आईसीयू और एक एचडीयू यूनिट का उद्घाटन किया। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टाटा मेमोरियल होमी भाभा कैंसर अस्पताल उत्तर बिहार का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर बनकर उभरा है। अब कैंसर के इलाज के लिए मरीजों को दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। देश के बड़े अस्पतालों में उपलब्ध विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं अब मुजफ्फरपुर में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गंभीर मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर में करीब 100 बेड का पैलिएटिव केयर यूनिट विकसित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए राज्य सरकार ने 112 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसका निर्माण कार्य जल्द पूरा करने की दिशा में काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को हर स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार का फोकस केवल कैंसर उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि रेफरल सिस्टम, सुपर स्पेशलिटी सेवाएं, ट्रॉमा सेंटर और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर भी है। मंत्री ने कहा कि जनता के लिए जो व्यवस्था बेहतर साबित हो सकती है, उसे धरातल पर उतारने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। मौके पर विभाग के सचिव, प्राचार्य डॉ. कुमारी, अधीक्षक डॉ. महेश प्रसाद समेत अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक और स्वास्थ्य विभाग के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मृत रैयतों की जमाबंदी उत्तराधिकारियों के नाम करें अपडेट : जय सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव श्री जय सिंह ने मृत रैयतों की जमाबंदी को पात्र उत्तराधिकारियों के नाम शीघ्र अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व कर्मचारी अपने-अपने हलका में प्रत्येक माह कम से कम पांच मृत जमाबंदी मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें। सचिव श्री जय सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में गया, नालंदा एवं शेखपुरा जिलों के सभी अंचल अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न लंबित सेवाओं के निष्पादन की विस्तार से समीक्षा की गई। मृत जमाबंदी मामलों के निष्पादन में लाएं तेजी बैठक में मृत जमाबंदी के मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। सचिव ने निर्देश दिया कि अभियान चलाकर मृत रैयतों की जमाबंदी को पात्र उत्तराधिकारियों के नाम अद्यतन किया जाए। इसके लिए सभी राजस्व कर्मचारियों को प्रत्येक माह अपने हलका में कम से कम पांच मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। त्रुटिपूर्ण जमाबंदी मामलों का त्वरित निष्पादन करें सचिव श्री सिंह ने त्रुटिपूर्ण जमाबंदी मामलों की पहचान कर अभियान चलाने तथा उनका नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना विभाग की प्राथमिकता है। मापी की निर्धारित तिथि पर हर हाल में हो कार्य राज्य में लंबित मापी मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर सचिव ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मापी की निर्धारित तिथि पर संबंधित रैयत की अनुपस्थिति किसी भी स्थिति में मापी कार्य को लंबित रखने का आधार नहीं बनेगी। उन्होंने निर्देश दिया कि मापी की निर्धारित तिथि की सूचना संबंधित रैयत को व्यक्तिगत रूप से तथा उपलब्ध मोबाइल नंबर के माध्यम से दी जाए। साथ ही संबंधित पंचायत क्षेत्र के पंचायत भवन एवं अंचल कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी सूचना चस्पा की जाए। निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद तय तिथि पर मापी का कार्य हर हाल में पूरा कराया जाए। गलत दस्तावेज देने वालों पर होगी कार्रवाई म्यूटेशन के मामलों में गलत दस्तावेज अथवा गलत तथ्य प्रस्तुत करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। दस्तावेजों की जांच को प्रभावी बनाने के लिए अमीनों को स्थल पर जाकर स्पॉट वेरिफिकेशन करने को कहा गया। अतिक्रमण वादों का आरसीएमएस के माध्यम से ऑनलाइन निष्पादन सचिव ने सभी अंचलों में लंबित अतिक्रमण वादों का संचालन राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली (RCMS) के माध्यम से पूर्णतः ऑनलाइन करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

जिला अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर। समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी कुमार गौरव की अध्यक्षता में जिला अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक, जिला विधि प्रशाखा के वरीय उप समाहर्ता एवं सभी अपर लोक अभियोजक उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अभियोजन कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रत्येक माह सजा सुनिश्चित करने, गंभीर एवं संवेदनशील मामलों का स्पीडी ट्रायल के माध्यम से त्वरित निष्पादन तथा गवाहों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पॉक्सो एवं नशा संबंधी मामलों में विशेष प्राथमिकता एवं गंभीरता के साथ कार्रवाई कर सजा दिलाने का निर्देश दिया। गवाहों के समय पर उपस्थित नहीं होने वाले मामलों की सूची तैयार कर वरीय पुलिस अधीक्षक को उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक मामले की केसवार समीक्षा करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में विधि प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी एवं अभियोजन पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाहन चेकिंग के दौरान पिस्टल व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार, चोरी की बाइक भी बरामद

मुजफ्फरपुर। सक्रिय पुलिसिंग के तहत बरूराज थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो युवकों को पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चार मोबाइल भी बरामद किए हैं। एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2 सितंबर 2026 को बरूराज थाना क्षेत्र के बरूराज मिडिल स्कूल के पास पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को जांच केलिए रोका गया। मोटरसाइकिल के वैध कागजात मांगने पर दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाशी ली, जिसमें एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चार मोबाइल बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सुमित कुमार, ग्राम नौतन, थाना संग्रामपुर, जिला मोतिहारी और चंदन कुमार, ग्राम रसुलपुर जुनैदा, थाना मोतीपुर, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद मोटरसाइकिल चोरी की है। मामले में बरूराज थाना कांड दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों आरोपितों के आपराधिक इतिहास का पता लगा रही है।

स्मैक-गांजा के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अहियापुर थाना पुलिस ने हरीसभा चौक और कोलुआ चौक पर छापेमारी कर स्मैक और गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी मोहिल्बुला अंसारी के अनुसार, कार्रवाई में करीब 6 ग्राम स्मैक और 840 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कोलुआ निवासी अनीता देवी और विनोद कुमार के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ कर पुलिस इनके आपराधिक इतिहास और मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के किसी अंतरराज्यीय गिरोह से संबंध होने की पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय विद्यालय बेला का 7 सितम्बर को होगा उद्घाटन, नए सत्र में शुरू होगी नियमित पढ़ाई

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित केंद्रीय विद्यालय, बेला इंडस्ट्रियल एरिया के शुभारंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं। नए केंद्रीय विद्यालय का भव्य उद्घाटन आगामी 7 सितंबर को प्रस्तावित है। उद्घाटन के साथ ही विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए नियमित कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। फिलहाल केंद्रीय विद्यालय का संचालन बेला स्थित बीबी कॉलेजिएट स्कूल परिसर के नवनिर्मित प्लस टू भवन में अस्थायी रूप से किया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार महतो ने बताया कि उद्घाटन समारोह से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 सितंबर को जिलाधिकारी स्तर पर बैठक होगी, जिसमें उद्घाटन समारोह की अंतिम रूपरेखा, प्रोटोकॉल और अन्य व्यवस्थाओं पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। छात्रों के पठन-पाठन को देखते हुए उद्घाटन के बाद सभी नामांकित विद्यार्थियों की कक्षाएं तत्काल शुरू करने की तैयारी है। केंद्रीय विद्यालय संगठन के मानकों के अनुरूप अस्थायी परिसर को भी सुविधाओं से लैस किया गया है। भवन की साफ-सफाई और रंग-रोगन के साथ पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया है। बच्चों के लिए सुरक्षित, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, उद्घाटन के साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां पूरी गति से संचालित की जाएंगी।

नगर पंचायत कार्यालय ढोली बाजार में रखने की मांग को लेकर धरना जारी

मुजफ्फरपुर। ढोली बाजार स्थित नगर पंचायत कार्यालय परिसर में गुरुवार को वार्ड संख्या 4 और 6 के लोगों ने लगातार तीसरे दिन धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर पंचायत कार्यालय को ढोली बाजार में ही यथावत रखने की मांग की। धरना दे रहे लोगों का कहना था कि कार्यालय को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय को ढोली बाजार में ही बनाए रखने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखने की बात कही। धरना-प्रदर्शन में पिंकी देवी, सुनीता देवी, प्रमिला देवी, रीता देवी, किरण देवी, विजय कुमार पासवान समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

तीन महीने बाद भी नहीं सुधरी बिजली व्यवस्था जर्जर तार-पोल से हादसे का खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मीनापुर प्रखंड के मझौलिया पंचायत स्थित मझुअर गांव के वार्ड नंबर सात में खराब बिजली व्यवस्था से ग्रामीण कई महीनों से परेशान हैं। जर्जर बिजली के तार और पोल को दुरुस्त कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने 13 जून 2026 को मझौलिया पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में विद्युत विभाग के अधिकारियों को लिखित आवेदन दिया था। ग्रामीणों का आरोप है कि आवेदन देने के करीब तीन महीने बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। सहयोग शिविर में दिए गए आवेदन के अनुसार, मझुअर गांव में कई जगह बिजली के तार जर्जर स्थिति में हैं। कई स्थानों पर तार काफी नीचे तक लटक रहे हैं। घरों के आसपास से गुजर रहे इन तारों के कारण ग्रामीणों के बीच दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर तार और बिजली के पोल कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। बारिश और तेज हवा के दौरान खतरा और बढ़ जाता है। मामले को लेकर मीनापुर विद्युत विभाग के जेई से फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद मीनापुर क्षेत्र के लाइनमैन राज कुमार से समस्या की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि जर्जर तार और पोल को दुरुस्त कराने के लिए एस्टीमेट बनाकर विभाग के हेडक्वार्टर भेज दिया गया है। अभी तक एलॉटमेंट नहीं आया है। एलॉटमेंट मिलने के बाद सामान उपलब्ध होगा और इसके बाद काम शुरू कराया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से लोगों की समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध समाधान के लिए सहयोग शिविर या जनता दरबार आयोजित किए जाते हैं। ऐसे में शिविर में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी महीनों तक समस्या का समाधान नहीं होना इन शिविरों की उपयोगिता पर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द जर्जर तार और पोल को दुरुस्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय विभाग को तत्काल सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

सात साल से फरार कुख्यात अपराधी बाबू सिंह गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने मुजफ्फरपुर जिले के कुख्यात एवं वांछित अपराधी आशुतोष कुमार उर्फ बाबू सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कटरा थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशुतोष कुमार उर्फ बाबू सिंह, पिता सुजीत सिंह, निवासी सिसवारा गांव, कटरा थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह वर्ष 2019 में औराई थाना क्षेत्र में हुई लूट, डकैती और गोलीबारी के एक गंभीर मामले में करीब सात वर्षों से फरार चल रहा था। मामला वर्ष 2019 का है। औराई थाना क्षेत्र के महेशा स्थान निवासी फिरोज अख्तर ने घटना को लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, फिरोज अख्तर आवश्यक कार्य से औराई ललिया चौक से भैरवस्थान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बिशनपुर और भैरवस्थान के बीच ट्रांसफार्मर के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने पीछे से टक्कर मारकर उन्हें गिरा दिया और पिस्तौल तान दी। विरोध करने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से गोली चला दी, जो फिरोज अख्तर के बाएं पैर में घुटने के नीचे लगी। इसके बाद अपराधी उनकी टीवीएस अपाचे बाइक, रियलमी मोबाइल और पर्स में रखे पांच हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए थे। एसटीएफ की प्रारंभिक पूछताछ और पुलिस रिकॉर्ड की जांच में आशुतोष कुमार उर्फ बाबू सिंह का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर के औराई और मोतीपुर थाना क्षेत्रों में हत्या के प्रयास, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट से जुड़े कुल तीन गंभीर मामले दर्ज हैं। कई वर्षों से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी को एसटीएफ की बड़ी सफलता माना जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी से पुलिस को राहत मिली है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

एके-47 बरामदगी मामले में भैरव त्रिपाठी की संपत्ति जब्ती की तैयारी

मुजफ्फरपुर। एके-47 राइफल बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के हत्थे चढ़े शातिर अपराधी भैरव त्रिपाठी उर्फ मास्टर की संपत्ति जब्त करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए विशेष टीम उसकी चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा जुटाने में लगी है। टीम ने अंचल और निबंधन कार्यालय से संपर्क कर संपत्तियों से संबंधित जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भैरव त्रिपाठी ने अपराध के जरिए जो संपत्ति अर्जित की है, उसका आकलन किया जा रहा है। संपत्तियों की जांच और पूरी रिपोर्ट तैयार होने के बाद नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। मामले की शुरूआती रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भी भेजे जाने की बात सामने आई है। हथियार तस्करी से जुड़े भैरव के सहयोगियों पर भी जांच एजेंसियों का शिकंजा कस रहा है। विशेष टीम उसके साथ जुड़े अन्य लोगों की गतिविधियों और उनकी संपत्तियों की भी जांच कर रही है। कुछ समय पहले भैरव त्रिपाठी को ब्रह्मपुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया था। एनआईए के अनुसार, उस पर नगालैंड से प्रतिबंधित हथियार बिहार लाने की साजिश में शामिल होने का आरोप है। पूरा मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा बताया जा रहा है। 7 मई 2024 को फकुली थाना पुलिस ने मुर्गटिया पुल के पास से एक एके-47 राइफल, लेंस और जिंदा कारतूस बरामद किए थे। उस समय मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। बाद में मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ली और हथियार तस्करी से जुड़े नेटवर्क की परतें खुलती गईं। जांच के दौरान एनआईए की ओर से अब तक तीन पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जाने की जानकारी है। पहली चार्जशीट विकास कुमार, सत्यम कुमार, देवमणि राय और अहमद अंसारी के खिलाफ दाखिल की गई। इसके बाद मंजूर खान और फिर कुंदन कुमार उर्फ कुंदन भगत के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। एनआईए और एसटीएफ की संयुक्त टीम सिंडिकेट से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, भैरव त्रिपाठी के खिलाफ एनआईए दिल्ली और बिहार के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट से जुड़े करीब आठ मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसके द्वारा शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक अपराधियों को अवैध हथियार उपलब्ध कराने की बात सामने आने की जानकारी दी गई है। फिलहाल जांच एजेंसियां भैरव की संपत्तियों के साथ-साथ उसके सहयोगियों के आर्थिक नेटवर्क और हथियार तस्करी से जुड़े पूरे सिंडिकेट की पड़ताल में जुटी हैं।

दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार, 88 अतिरिक्त फेरे लगाएगी

मुजफ्फरपुर। यात्रियों की लगातार बढ़ती मांग और सुविधा को देखते हुए पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल ने दरभंगा-नई दिल्लीझदरभंगा स्पेशल ट्रेन के परिचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन के फेरों में विस्तार से नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ दिल्ली से मिथिलांचल लौटने वाले प्रवासियों को भी राहत मिलेगी। त्योहारों के दौरान अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होने से यात्रियों को लंबी प्रतीक्षा सूची से राहत मिलने की उम्मीद है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार गाड़ी संख्या 02569 दरभंगाझनई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 4 सितंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक संचालित होगी। वहीं गाड़ी संख्या 02570 नई दिल्लीझदरभंगा स्पेशल ट्रेन 5 सितंबर 2026 से 1 दिसंबर 2026 तक चलेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन कुल 88 फेरे (ट्रिप) लगाएगी। ट्रेन का परिचालन पूर्व निर्धारित मार्ग, समय-सारणी, ठहराव और कोच संयोजन के अनुसार ही जारी रहेगा। रेल यात्रियों को ट्रेन के समय, परिचालन और आरक्षण की स्थिति की विस्तृत जानकारी एनटीईएस ऐप या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा यात्री रेलवे की हेल्पलाइन 139 पर फोन कर भी जानकारी ले सकते हैं। पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल के इस फैसले से दरभंगा और आसपास के मिथिलांचल क्षेत्र के यात्रियों को विशेष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है।

नेपाल की बाढ़ में बहकर भारत पहुंचा शव नेपाल प्रशासन को सौंपने की तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नेपाल के त्रिशूली नदी में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद गंडक नदी की तेज धारा में बहकर भारत पहुंचे एक शव को नेपाल प्रशासन को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंची। अस्पताल में सुरक्षित रखे गए शव को आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए वाल्मीकिनगर ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को नेपाल प्रशासन के हवाले किया जाएगा। आशंका जताई जा रही है कि यह शव नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान गंडक नदी की तेज धारा में बहकर भारत पहुंचा था। बाढ़ के दौरान वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बैराज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए थे। इसके बाद गंडक नदी का जलस्तर और बहाव काफी बढ़ गया था। तेज धारा के साथ बड़ी मात्रा में मलबा और शवों के भारत की ओर बहकर आने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद प्रशासन की ओर से नदी और आसपास के इलाकों में शवों की तलाश के लिए अभियान चलाया गया। बताया गया कि गंडक नदी में बहकर आए अधिकांश शव पनियहवा पुल के बाद उत्तर प्रदेश की सीमा में मिले। कुशीनगर जिले में अब तक 13 शव बरामद किए जाने की जानकारी है। इन शवों को पहचान और आवश्यक कार्रवाई के लिए गोरखपुर एम्स की मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। वहीं बिहार के बगहा क्षेत्र में अब तक एक शव बरामद हुआ है। शव मिलने के बाद उसे अनुमंडलीय अस्पताल बगहा में सुरक्षित रखा गया था। अब गृह मंत्रालय के निर्देश पर प्रशासन ने शव को नेपाल प्रशासन तक पहुंचाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। शवों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम ने भी गंडक नदी में अभियान चलाया। हालांकि नदी में तेज बहाव और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण कई शवों को सुरक्षित निकालने में सफलता नहीं मिल सकी। प्रशासन की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद भारत-नेपाल सीमा से जुड़े इलाकों में नदी के बढ़े जलस्तर, मलबे और शवों के पहुंचने से प्रशासन के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में बरामद शवों की पहचान, सुरक्षित संरक्षण और संबंधित प्रशासन को सौंपने की प्रक्रिया संवेदनशीलता के साथ पूरी की जा रही है।

विशेष आधार कार्ड शिविर में बच्चों और परिवारों को मिला दस्तावेजीकरण का लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बच्चों और परिवारों को आवश्यक पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुजफ्फरपुर स्थित पुलिस पाठशाला में आज से आधार कार्ड सुधार एवं नया आधार कार्ड बनवाने के लिए द्वितीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरपुर, अनुमंडल पदाधिकारी मुजफ्फरपुर पूर्वी एवं मुसहरी प्रखंड के बीडीओ तथा अनुमंडल कार्यालय पूर्वी के उच्चवर्गीय लिपिक आनंद कुमार के दिशा-निर्देश में आयोजित किया गया। शिविर में मुसहरी प्रखंड के आधार ऑपरेटर राजू कुमार ने लाभुकों के आधार कार्ड में आवश्यक अपडेट और सुधार का कार्य किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों और उनके परिवारों को जरूरी पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें शिक्षा, सरकारी योजनाओं और अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी न हो। इस पहल में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सलाहकार समिति, भारत सरकार की सदस्य नसीमा खातून के मार्गदर्शन एवं निरंतर योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया गया। उनके सहयोग से बच्चों के दस्तावेजीकरण और उनके अधिकारों तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष शिविर के आयोजन से जरूरतमंद परिवारों को आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध हुई है।

स्वास्थ्य सचिव ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

मुजफ्फरपुर। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने और अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल परिसर स्थित मॉडल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और डॉक्टरों को निर्देश दिया कि गंभीर मरीजों को बिना जरूरत दूसरे अस्पताल रेफर नहीं किया जाए। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर मरीजों को यहीं समुचित इलाज देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य सचिव ने मॉडल अस्पताल के ओपीडी, विभिन्न वार्ड, रेडियोलॉजी विभाग और 10 बेड के आईसीयू का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर इलाज, दवा और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों और कर्मियों में हड़कंप की स्थिति रही। मौके पर डीएम कुमार गौरव, डीडीसी, एसडीएम, नगर आयुक्त, सिविल सर्जन डॉ. सुब्रत सेन समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे।

सट्टेबाजी के अवैध गिरोह का खुलासा, 12 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने सट्टेबाजों के अवैध गिरोह का खुलासा करते हुए 12 सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में सट्टेबाजी और जुए से जुड़े उपकरण व अन्य सामान बरामद किए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा को लगातार सूचना मिल रही थी कि सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध सट्टेबाजी का धंधा संचालित हो रहा है। गुप्त सूचना को बेहद गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विशेष टीम ने भगवानपुर स्थित ठिकाने पर अचानक छापेमारी कर 12 सट्टेबाजों को रंगे हाथ दबोच लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा को लगातार सूचना मिल रही थी कि सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध सट्टेबाजी का धंधा संचालित हो रहा है। गुप्त सूचना को बेहद गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विशेष टीम ने भगवानपुर स्थित अड्डे पर छापेमारी कर 12 सट्टेबाजों को रंगे हाथ दबोच लिया।

पताही एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारी तेज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पताही एयरपोर्ट के बहुप्रतीक्षित शिलान्यास समारोह को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 7 सितंबर को मुख्यमंत्री के संभावित आगमन और शिलान्यास कार्यक्रम के मद्देनजर अधिकारियों ने मंगलवार को स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। मड़वन सीओ पुष्कल कुमार, सदर इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, करजा थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राम एकबाल प्रसाद और एयरपोर्ट अथॉरिटी के डीजीएम सुनील कुमार समेत कई अधिकारियों ने संयुक्त रूप से एयरपोर्ट परिसर, मुख्य द्वार और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वीआईपी आवागमन, आम लोगों की भीड़ और वाहनों के दबाव को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम स्थल के आसपास बैरिकेडिंग, सुरक्षा बलों की तैनाती और पार्किंग की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारियों ने एनएच-702 रेवा रोड, पकड़ी पकोहीं न्यू फोरलेन-77 ओवरब्रिज, बिहारी मार्केट और बहोरा सहित कई प्रमुख चौक-चौराहों का भी निरीक्षण किया। इन स्थानों पर जरूरत के अनुसार बैरियर लगाने और पुलिस बल की तैनाती की योजना बनाई गई है। मुजफ्फरपुर से रेवा जाने वाली सड़क-702 पर बने टर्निंग प्वाइंट और न्यू बाईपास से शहर की ओर आने वाली सर्विस रोड पर यातायात को सुचारू रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के ठहराव के लिए बड़े बस पार्किंग स्थल भी चिह्नित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों के शामिल होने की तैयारी है। इसके अलावा उत्तर बिहार के आधा दर्जन से अधिक जिलों से आम लोगों और जनप्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कार्यक्रम को लेकर एयरपोर्ट परिसर में विशाल वाटरप्रूफ पंडाल, मंच और बैरिकेडिंग का निर्माण कराया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चाक-चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के लगातार निरीक्षण से साफ है कि संभावित शिलान्यास समारोह को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

चंद्रधारी मिथिला महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने दिखाया दमखम

दरभंगा। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर चंद्रधारी मिथिला महाविद्यालय के परिसर एवं खेल मैदान में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य डॉ. मुश्ताक अहमद ने खिलाड़ियों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खेल गतिविधियों से नई ऊर्जा का संचार होता है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि बौद्धिक चेतना एवं व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोक भवन, बिहार एवं मिथिला विश्वविद्यालय के निर्देश पर आयोजित यह खेल उत्सव सकारात्मक परिणाम देने वाला है। खेल प्रभारी डॉ. विभेष कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व तथा डॉ. दिव्या शर्मा एवं डॉ. नीरज कुमार की देखरेख में आयोजित महिला कबड्डी प्रतियोगिता में काजल कुमारी, तान्या कुमारी, माही कुमारी, नेहा कुमारी, सफीना महफूज, संध्या कुमारी एवं कोमल कुमारी की टीम विजेता रही। खुशी कुमारी, शिवानी कुमारी, सना परवीन, मुस्कान कुमारी, सिद्धि कुमारी, वर्तिका कुमारी एवं अपि अपराजिता की टीम उपविजेता रही पुरुष कबड्डी में श्रवण कुमार, जयशंकर सुमन, राजीव कुमार यादव, प्रणय परमार, शुभरंजन कुमार यादव, अंकित प्रसाद गुप्ता एवं आयुष कुमार की टीम विजेता बनी। विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी विजेता एवं प्रतिभागियों को शनिवार को समारोह आयोजित कर पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. शशांक शुक्ला, डॉ. दीपक कुमार दास, डॉ. विजयसेन पांडेय, डॉ. अनुपम कुमार सिंह, डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक एवं डॉ. अखिलेश कुमार राठौर ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सम्पादकीय

पत्रकारों पर नया हमला

पश्चिम बंगाल के प्रमुख बंगाली समाचार पत्र आनंदबाजार पत्रिका इस समय भाजपा और शुभेन्दु अधिकारी सरकार के निशाने पर आ गया है। मंगलवार को अखबार के दफ्तर के बाहर भगवा रंग के कपड़े पहने कुछ गुंडों ने दीवार को भगवा रंग पोत दिया और यह सब जब हो रहा था तो कोलकाता पुलिस वहीं मौजूद थी। घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें यह गुंडागर्दी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। इस पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने लिखा है कि बंगाल अंधकार युग में चला गया है। वाकई जो माहौल इस समय बंगाल में बना दिया गया है, वह किसी अंधेरे से कम नहीं है। मई में चुनाव जीतने के बाद से भाजपा एकदम मदांध होकर व्यवहार कर रही है। टीएमसी नेताओं को तो लगातार निशाना बनाया ही जा रहा है, इसके अलावा हर उस आवाज को कुचलने की कोशिश हो रही है जो भाजपा सरकार के विरोध में उठे। 20 अगस्त को ही शुभेन्दु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी में लाल सलाम किशनजी के नारे दीवारों पर लिखे होने का विरोध करते हुए कहा कि नारों के साथ बहुत कुछ मिटा देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आजादी के नारे लगाने वाले तत्वों को ह्यघर के कचरे की तरह साफह्ल कर देना चाहिए। शुभेन्दु अधिकारी के बयान के बाद ही यूनिवर्सिटी की दीवारों पर रंगाई-पुताई होने लगी और प्रशासन ने कहा कि यह सफाई करने के लिए हो रहा है। जबकि माकपा और एसएफआई जैसे संगठनों का कहना है कि यह असहमति की आवाज दबाने की कोशिश है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह कोशिश केवल यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने तक पहुंच चुकी है। जादवपुर यूनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स यूनियन और एबीवीपी के बीच हुई झड़पों पर आनंद बाजार पत्रिका ने भगवा गुंडागर्दी शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इस शीर्षक पर आपत्ति जताते हुए अखबार के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को शास्त्री महाराज नामक व्यक्ति ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि ह्यभगवा गुंडागर्दीह्ल शब्द का इस्तेमाल जानबूझ कर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया। इसके आधार पर 28 अगस्त को पुलिस ने आनंदबाजार पत्रिका के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर में आनंदबाजार पत्रिका की संपादक ईशानी दत्ता रॉय, चीफ रिपोर्टर सोमा मुखर्जी और संपादकीय टीम के अन्य सदस्यों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में मांग की गई है कि पुलिस यह जांच करे कि विवादित शब्द का सुझाव किसने दिया, शीर्षक किसने मंजूर किया और संपादन प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से यह शब्द इस्तेमाल किया। इसके बाद भगवा कपड़े पहने कई लोग मंगलवार दोपहर आनंदबाजार पत्रिका के कार्यालय के बाहर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने ह्यआनंदबाजार पत्रिका हाय-हायह्ल और ह्यभगवा का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगाह्ल जैसे नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने अखबार दफ्तर की दीवारों पर भगवा रंग पोत दिया। हालांकि कुछ घंटों बाद अखबार प्रबंधन ने दीवारों को दोबारा सफेद रंग से रंगवा दिया। हालांकि पुलिस ने इस घटना को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। यह भी साफ नहीं है कि दीवारों पर रंग पोतने वाले लोगों के खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी आनंदबाजार पत्रिका से 24 घंटे के भीतर ह्यभगवा गुंडागर्दीह्ल शीर्षक के लिए माफी मांगने को कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि अखबार माफी नहीं मांगता तो भगवा पहनने वाले लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि अखबार ने माफी जारी नहीं की। इसके बाद कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ। एक ही घटना की ये सारी कड़ियां आपस में जिस तरह जुड़ रही हैं, उससे जाहिर है कि सत्ता के समर्थन के बिना अखबार के दफ्तर पर पहुंच कर गुंडागर्दी करने और पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर नहीं किया गया है। बहरहाल यह मामला बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट भी पहुंचा, जहां पत्रकारों की तरफ से उपस्थित हुए सीनियर एडवोकेट एस.एन. मुखर्जी ने अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि अखबार में भगवा गुंडागिरी शब्द के इस्तेमाल के बाद पत्रकारों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए और उन्हें तत्काल राहत की जरूरत है। लेकिन जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की अदालत ने मामले की तत्काल सुनवाई के लिए विशेष रूप से तारीख तय करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पहले एफआईआर रद्द करने की याचिका दाखिल की जाए।

बच्चों के लिए डिजिटल दुनिया कितनी सुरक्षित है?

राजु कुमार

बच्चों को सुरक्षित रखने का समाधान न तो उन्हें डिजिटल दुनिया से पूरी तरह दूर करने में है और न ही सारी जिम्मेदारी बच्चों और उनके माता-पिता पर डाल देने में। इंटरनेट अब शिक्षा, सूचना, रचनात्मकता और सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें सरकार स्पष्ट और प्रभावी नियम बनाए, तकनीकी कंपनियां अपने ऑनलाइन मंचों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी लें। भारत में बच्चों की दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है। पढ़ाई, मनोरंजन और दोस्तों से बातचीत से लेकर अपनी बात कहने तक इंटरनेट अब बच्चों के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुका है। लेकिन इंटरनेट पर बच्चों की बढ़ती मौजूदगी के साथ उनके सामने खतरे भी बढ़े हैं। साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, ब्लैकमेलिंग, तस्वीरों के दुरुपयोग, निजता के उल्लंघन और ऑनलाइन यौन शोषण जैसे अपराध बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के क्राई द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, 2017 से 2024 के बीच बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब 20 गुना बढ़ोतरी हुई है। इसी अवधि में बाल यौन शोषण सामग्री से जुड़े अपराधों में 157 गुना वृद्धि दर्ज की गई। यद्यपि 2023 के उच्चतम स्तर की तुलना में 2024 में बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब आठ प्रतिशत की कमी आई है। भारत में 18 साल से कम उम्र के करीब 11.3 करोड़ बच्चे इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और देश के कुल इंटरनेट उपयोगकताओं में उनकी हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत है। वहीं, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, 13 से 16 वर्ष की उम्र के 65.3 प्रतिशत बच्चों की मोबाइल तक पहुंच है, 37.8 प्रतिशत इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं और 21.3 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। महानगरों में 73.1 प्रतिशत बच्चों की मोबाइल तक पहुंच है और 49.3 प्रतिशत इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं, जबकि कम विकसित गांवों में ये आंकड़े क्रमशः 64.2 और 33.3 प्रतिशत हैं। ऑनलाइन अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच दुनिया के कई देशों ने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए ऑनलाइन मंचों की जिम्मेदारी तय करने के सख्त कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर 2025 से प्रमुख सोशल मीडिया मंचों के लिए 16 साल से कम उम्र के बच्चों को खाता बनाने या रखने से रोकने के लिए उचित कदम उठाना कानूनी जिम्मेदारी बन गया है। इसकी जिम्मेदारी बच्चे या माता-पिता के बजाय ऑनलाइन मंचों पर डाली गई है। ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम में ऑनलाइन सेवाओं के लिए बच्चों के सामने मौजूद जोखिमों का आकलन और उनसे बचाव के उपाय जरूरी किए गए हैं। नुकसानदेह सामग्री तक बच्चों की पहुंच रोकने के लिए उम्र सत्यापन के उपाय भी किए गए हैं। इसी तरह यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम में बच्चों की निजता और सुरक्षा के लिए ऑनलाइन मंचों की जवाबदेही तय की गई है, जिसमें बच्चों के खातों को सामान्य रूप से निजी रखने और हानिकारक सामग्री की सिफारिश करने वाली स्वचालित प्रणालियों पर नियंत्रण जैसे उपाय शामिल हैं। भारत में भी बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67बी बच्चों से जुड़ी यौन सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन या प्रसारण सहित कई गतिविधियों को दंडनीय बनाती है, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता नियम, 2021 ऑनलाइन मंचों पर कुछ जिम्मेदारियां डालते हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 में बच्चों के व्यक्तिगत डेटा की विशेष सुरक्षा के साथ उनकी ऑनलाइन गतिविधियों और व्यवहार की निगरानी तथा उन्हें लक्षित कर विज्ञापन दिखाने पर रोक का प्रावधान है।

डॉक्टरों की सुरक्षा से समझौता नहीं, अस्पतालों में हिंसा पर लगे निर्णायक लगाम

बीमारी, दुर्घटना या किसी गंभीर संकट की स्थिति में परिवार का सबसे पहला सहारा अस्पताल और डॉक्टर ही होते हैं। उस समय मरीज और उसके परिजन डॉक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह हर संभव प्रयास करके जीवन बचाएगा। ऐसे में उसी डॉक्टर के साथ अस्पताल के भीतर मारपीट, गाली-गलौज या धमकी की घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र की गरिमा और समाज के भरोसे पर चोट है। ठाणे के नगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी गंभीर सवाल को सामने रखती है। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा ट्रायल कोर्ट से दी गई जमानत पर रोक लगाने और मामले का स्वतः संज्ञान लेने के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे समेत आरोपियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट संकेत दिया कि अस्पताल में घुसकर डॉक्टरों पर हमला करने जैसी घटनाओं को सामान्य विवाद मानकर नहीं देखा जा सकता। पीठ ने इस बात को भी गंभीरता से लिया कि घटना में एक महिला डॉक्टर भी मौजूद थीं और मारपीट का वीडियो सामने आया था। न्यायालय का यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि अस्पताल हिंसा के लिए कोई खुला मैदान नहीं हो सकता और कानून के सामने राजनीतिक पहचान अथवा सामाजिक प्रभाव की कोई विशेष ढाल नहीं होनी चाहिए।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

देश में डॉक्टर को अक्सर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। यह केवल एक भावनात्मक उपमा नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है जिसके सहारे कोई व्यक्ति अपने जीवन और अपने परिवार के सदस्य का जीवन चिकित्सक के हाथों में सौंप देता है। बीमारी, दुर्घटना या किसी गंभीर संकट की स्थिति में परिवार का सबसे पहला सहारा अस्पताल और डॉक्टर ही होते हैं। उस समय मरीज और उसके परिजन डॉक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह हर संभव प्रयास करके जीवन बचाएगा। ऐसे में उसी डॉक्टर के साथ अस्पताल के भीतर मारपीट, गाली-गलौज या धमकी की घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र की गरिमा और समाज के भरोसे पर चोट है। ठाणे के नगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी गंभीर सवाल को सामने रखती है। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा ट्रायल कोर्ट से दी गई जमानत पर रोक लगाने और मामले का स्वतः संज्ञान लेने के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे समेत आरोपियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट संकेत दिया कि अस्पताल में घुसकर डॉक्टरों पर हमला करने जैसी घटनाओं को सामान्य विवाद मानकर नहीं देखा जा सकता। पीठ ने इस बात को भी गंभीरता से लिया कि घटना में एक महिला डॉक्टर भी मौजूद थीं और मारपीट का वीडियो सामने आया था। न्यायालय का यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि अस्पताल हिंसा के लिए कोई खुला मैदान नहीं हो सकता और कानून के सामने राजनीतिक पहचान अथवा सामाजिक प्रभाव की कोई विशेष ढाल नहीं होनी चाहिए। दरअसल, डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं हैं। यह उस सामाजिक मानसिकता का परिणाम भी हैं जिसमें कई बार मरीज की हालत बिगड़ने या उपचार में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर गुस्सा डॉक्टर के खिलाफ मोड़ दिया जाता है। परिवार का दुख और चिंता स्वाभाविक है। किसी अपने को गंभीर स्थिति में देखकर व्यक्ति विचलित हो सकता है। लेकिन भावनात्मक आक्रोश को हिंसा में बदलने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। बीमारी हमेशा डॉक्टर की गलती नहीं होती और हर चिकित्सा प्रक्रिया का परिणाम मरीज या उसके परिजनों की इच्छा के अनुरूप हो, यह भी संभव नहीं है। चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं और जटिलताओं के बीच काम करता है। इस वास्तविकता को समझे बिना डॉक्टर को हर असफलता का जिम्मेदार ठहराना खतरनाक प्रवृत्ति है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल जैसी जगह, जहां व्यक्ति सुरक्षा और उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचता है, वहां डॉक्टर स्वयं असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। यदि चिकित्सक को यह भय रहने लगे कि किसी मरीज के परिजन या भीड़ इलाज के परिणाम से नाराज होकर उस पर हमला कर सकती है, तो इसका सीधा असर चिकित्सा व्यवस्था पर पड़ेगा। डॉक्टर निर्णय लेने में हिचकेंगे, तनाव बढ़ेगा और कई बार कठिन परिस्थितियों में जरूरी चिकित्सकीय फैसले लेने का साहस भी प्रभावित हो सकता है। इसका नुकसान अंततः मरीज को ही होगा। इसलिए डॉक्टरों की सुरक्षा को किसी पेशेवर समूह की विशेष मांग समझना भूल होगी। यह सीधे-सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रश्न है। जिस देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की बात हो रही है, वहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अस्पतालों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील मामलों में प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, शिकायतों के लिए प्रभावी व्यवस्था और हिंसा की स्थिति में तत्काल कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष कानून के शासन से जुड़ा है। लोकतंत्र में कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधि होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को अस्पताल में जाकर डॉक्टर से दुर्व्यवहार या मारपीट करने का अधिकार मिल जाता है। यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि ही कानून को अपने प्रभाव की सीमा में समझने लगे तो आम नागरिक से कानून के सम्मान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? जनप्रतिनिधियों पर तो सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक जिम्मेदारी होती है, क्योंकि उनका आचरण समाज के लिए उदाहरण बनता है। यह भी जरूरी है कि राजनीतिक दल अपने कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के व्यवहार को लेकर स्पष्ट आचारसंहिता तय करें। अस्पताल में हिंसा करने वाला व्यक्ति किसी दल का समर्थक हो, पदाधिकारी हो या निर्वाचित प्रतिनिधि, उसके खिलाफ कार्रवाई केवल इसलिए कमजोर नहीं पड़नी चाहिए कि उसके पीछे राजनीतिक पहचान है। राजनीति का उद्देश्य समाज में व्यवस्था और विश्वास कायम करना है, न कि किसी व्यक्ति को कानून से बचाने का माध्यम बनना। डॉक्टरों के साथ होने वाली बदसलूकी का एक कारण अस्पतालों में संवाद की कमी भी है। गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज के परिजन स्वाभाविक रूप से कई सवाल पूछते हैं। उन्हें उपचार, बीमारी की गंभीरता, संभावित जोखिम और आगे की प्रक्रिया के बारे में पर्याप्त जानकारी न मिले तो बेचैनी और असंतोष बढ़ सकता है। अस्पताल प्रशासन को मरीजों और परिजनों के साथ संवाद की ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे शिकायतों को हिंसा का रूप लेने से पहले ही रोका जा सके। लेकिन संवाद की व्यवस्था का अर्थ यह कतई नहीं कि हिंसा को सहन किया जाए। शिकायत का अधिकार हर व्यक्ति को है, हिंसा का अधिकार किसी को नहीं। महिला डॉक्टर के साथ हुई मारपीट इस मामले को और गंभीर बनाती है। कार्यस्थल पर किसी महिला चिकित्सक को धमकाना या उसके साथ हिंसक व्यवहार करना सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

आरक्षण की राजनीति - सामाजिक न्याय की लड़ाई या सियासी नूराकुश्ती?

लेकिन इस चर्चा का बड़ा हिस्सा अक्सर वास्तविक सामाजिक न्याय से अधिक राजनीति के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। आरक्षण के सवाल पर आंदोलन हुए, सरकारें बदली, राजनीतिक समीकरण बने और बिगड़े तथा विभिन्न सामाजिक समूहों ने अपने हिस्से की राजनीतिक और सामाजिक हिस्सेदारी के लिए सड़कों पर संघर्ष किया। आरक्षण की इस यात्रा को समझने के लिए हमें संविधान लागू होने से बहुत पहले के भारत में लौटना होगा। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की मांग धीरे-धीरे राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनने लगी थी। 1882 में गठित हंटर आयोग के सामने ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारकों ने शिक्षा और सामाजिक अवसरों में वंचित वर्गों की हिस्सेदारी का प्रश्न उठाया। यही वह दौर था, जब सामाजिक बराबरी की लड़ाई ने संस्थागत स्वरूप लेना शुरू किया। महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का सबसे बड़ा माध्यम माना। उन्होंने उन वर्गों के लिए शिक्षा की वकालत की जिन्हें सदियों से उससे दूर रखा गया था। दक्षिण भारत में पेरियार ने सामाजिक समानता और जातिगत वर्चस्व के खिलाफ आंदोलन खड़ा किया। साहूजी महाराज ने अपने शासन में पिछड़े वर्गों के लिए अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।

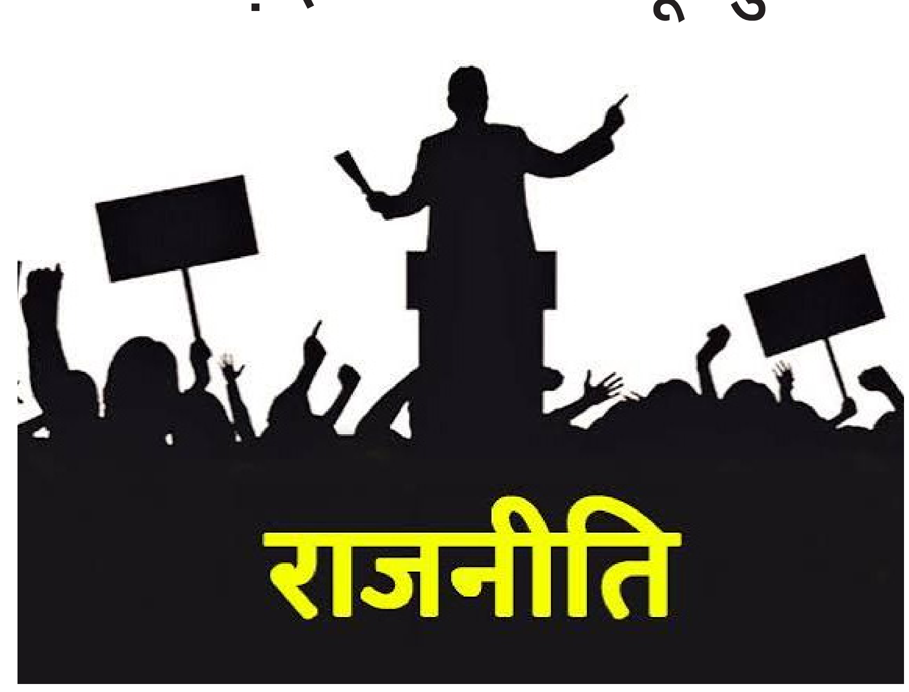

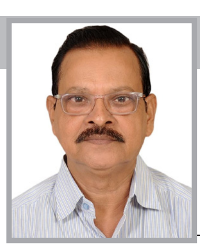

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारतीय लोकतंत्र में आरक्षण केवल एक संवैधानिक प्रावधान नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक शक्ति के बीच चलने वाली एक लंबी बहस का केंद्र रहा है। संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 के तहत मिले आरक्षण की व्यवस्था संविधान लागू होने के बाद से लगातार चर्चा में रही है। लेकिन इस चर्चा का बड़ा हिस्सा अक्सर वास्तविक सामाजिक न्याय से अधिक राजनीति के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। आरक्षण के सवाल पर आंदोलन हुए, सरकारें बदली, राजनीतिक समीकरण बने और बिगड़े तथा विभिन्न सामाजिक समूहों ने अपने हिस्से की राजनीतिक और सामाजिक हिस्सेदारी के लिए सड़कों पर संघर्ष किया। आरक्षण की इस यात्रा को समझने के लिए हमें संविधान लागू होने से बहुत पहले के भारत में लौटना होगा। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की मांग धीरे-धीरे राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनने लगी थी। 1882 में गठित हंटर आयोग के सामने ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारकों ने शिक्षा और सामाजिक अवसरों में वंचित वर्गों की हिस्सेदारी का प्रश्न उठाया। यही वह दौर था, जब सामाजिक बराबरी की लड़ाई ने संस्थागत स्वरूप लेना शुरू किया। महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का सबसे बड़ा माध्यम माना। उन्होंने उन वर्गों के लिए शिक्षा की वकालत की जिन्हें सदियों से उससे दूर रखा गया था। दक्षिण भारत में पेरियार ने सामाजिक समानता और जातिगत वर्चस्व के खिलाफ आंदोलन खड़ा किया। साहूजी महाराज ने अपने शासन में पिछड़े वर्गों के लिए अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। इन प्रयासों की परिणति डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में एक व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण के रूप में सामने आई। आंबेडकर के लिए आरक्षण किसी वर्ग को स्थायी विशेषाधिकार देना नहीं था, बल्कि ऐतिहासिक रूप से वंचित समाज को समान अवसर उपलब्ध कराने का एक माध्यम था। उनका मूल प्रश्न था, यदि सदियों से सामाजिक व्यवस्था ने किसी वर्ग को अवसरों से वंचित रखा है तो केवल कागज पर समानता घोषित कर देने से वास्तविक समानता कैसे स्थापित होगी? यही विचार संविधान में सामाजिक न्याय की व्यापक अवधारणा का आधार बना। 1932 का पूना पैक्ट आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। डॉ. आंबेडकर और महात्मा गांधी के बीच हुए समझौते ने अनुसूचित जातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवाल को नई दिशा दी। पूना पैक्ट को केवल गांधी और आंबेडकर के बीच मतभेद के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके केंद्र में यह सवाल था कि वंचित समाज को राजनीतिक शक्ति और प्रतिनिधित्व किस प्रकार दिया जाए। यही प्रश्न आगे चलकर स्वतंत्र भारत में आरक्षण व्यवस्था के व्यापक विमर्श का हिस्सा बना। 1950 में संविधान लागू हुआ और समानता के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों तथा अनुसूचित जाति-जनजातियों के हितों की रक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए। इसके बाद आरक्षण संविधान, न्यायपालिका और राजनीति, तीनों के बीच लगातार बहस का विषय बना रहा। आरक्षण का इतिहास केवल संसद और अदालतों का इतिहास नहीं है। यह सड़कों पर हुए आंदोलनों का भी इतिहास है। गुजरात में आरक्षण विरोधी आंदोलनों से लेकर मंडल आयोग के बाद देशव्यापी उथल-पुथल तक, आरक्षण ने भारतीय समाज की अंतर्विरोधी संरचना को कई बार सामने ला दिया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के फैसले ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने का निर्णय सामाजिक प्रतिनिधित्व की दृष्टि से ऐतिहासिक था, लेकिन इसके खिलाफ व्यापक विरोध भी हुआ। छात्र आंदोलनों से लेकर राजनीतिक संघर्ष तक, देश ने आरक्षण के प्रश्न को लेकर तीखा दौर देखा। मंडल के बाद भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय की राजनीति मजबूत हुई। कई राजनीतिक दलों का सामाजिक आधार ही पिछड़े, दलित और वंचित समूहों की राजनीतिक लामबंदी पर खड़ा हुआ। यहां से आरक्षण केवल प्रशासनिक नीति नहीं रहा, बल्कि चुनावी राजनीति का महत्वपूर्ण औजार भी बन गया। आरक्षण की राजनीति का सबसे दिलचस्प पक्ष यह है कि समय के साथ इसका स्वरूप बदलता गया। कभी आरक्षण के खिलाफ आंदोलन करने वाले समूह बाद में स्वयं आरक्षण की मांग लेकर सामने आए। 2006 में ह्ययूथ फॉर इक्वलिटीह्ल जैसे आंदोलनों ने आरक्षण व्यवस्था की आलोचना करते हुए मेरिट और समान अवसर का सवाल उठाया। दूसरी ओर पाटीदार, जाट, मराठा और गुर्जर जैसे प्रभावशाली सामाजिक समूहों ने अलग-अलग समय में आरक्षण की मांग को लेकर बड़े आंदोलन किए। यह बदलाव बताता है कि आरक्षण का प्रश्न केवल सामाजिक पिछड़ेपन तक सीमित नहीं है। सरकारी नौकरियों की सीमित संख्या, शिक्षा में प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अवसरों की कमी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की आकांक्षा ने इसे और जटिल बना दिया है। आज स्थिति यह है कि समाज का कोई भी बड़ा समूह स्वयं को अवसरों की दौड़ में पीछे महसूस करता है तो उसकी पहली राजनीतिक मांगों में आरक्षण प्रमुखता से सामने आता है। वर्तमान विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष ह्यआरक्षण के भीतर न्यायह्ल का प्रश्न है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग कोई एकरूप सामाजिक समूह नहीं हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : श्रीकृष्ण तत्त्व का अनुभव एवं भक्ति-भाव जागृत करने वाला पावन पर्व

पूर्णावतार माने जाने वाले भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था। उन्हें भगवान विष्णु का आठवाँ अवतार माना जाता है। इसी कारण प्रतिवर्ष भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 04 सितंबर को मनाई जा रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल से ही अपने असाधारण कार्यों द्वारा भक्तों के संकट दूर किए और धर्म की स्थापना का संदेश दिया। इसलिए भारत के मंदिरों तथा धार्मिक संस्थाओं में जन्माष्टमी का उत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। विभिन्न प्रांतों में इसे मनाने की परंपराएँ अलग-अलग हैं; फिर भी सभी भक्त इस पर्व को भक्ति-भाव से मनाते हैं। आइए, इस

पावन पर्व के आध्यात्मिक महत्त्व तथा उपासना की विधि को समझते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आध्यात्मिक महत्त्व जन्माष्टमी के दिन श्रीकृष्ण तत्त्व सामान्य दिनों की अपेक्षा अत्यधिक सक्रिय रहता है। इस दिन ह्यॐ नमो भगवते वासुदेवाय का नामजप तथा श्रीकृष्ण की भावपूर्ण उपासना करने से श्रीकृष्ण तत्त्व का अधिक लाभ प्राप्त होता है। जन्माष्टमी कैसे मनाएँ? इस दिन श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार उपवास रखते हैं। मध्यरात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसके पश्चात प्रसाद ग्रहण कर उपवास समाप्त किया जाता है। कुछ स्थानों पर अगले दिन दही-काला का प्रसाद ग्रहण कर उपवास पूर्ण करने की परंपरा है। श्रीकृष्ण पूजन का समय भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मध्यरात्रि में हुआ था। इसलिए पूजन की आवश्यक सामग्री एवं तैयारी पहले से कर लेनी चाहिए। जन्म के समय पालना सजाकर बालकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। श्रीकृष्ण पूजन की विधि १. मूर्ति अथवा चित्र का पूजन श्रीकृष्ण जन्म के पालना-गीत के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति अथवा चित्र का श्रद्धापूर्वक पूजन करें। २. भगवान श्रीकृष्ण की षोडशोपचार पूजा करें। ३. यदि षोडशोपचार पूजा संभव न हो, तो पंचोपचार पूजा करें। इसमें गंध, हल्दी- कुमकुम, पुष्प, धूप, दीप एवं नैवेद्य अर्पित करें। नैवेद्य में दही, पोहे और मक्खन अर्पित कर भगवान की आरती करें। पूजन में गोपीचंदन का गंध अनामिका उंगली से लगाएँ। हल्दी पहले और उसके पश्चात कुमकुम अंगूठे एवं अनामिका की चिमटी से चरणों पर अर्पित करें। इस प्रकार की मुद्रा अनाहत चक्र को जागृत कर भक्ति-भाव बढ़ाने में सहायक मानी जाती है। तुलसी अर्पित करने का महत्त्व तुलसी में श्रीकृष्ण तत्त्व प्रचुर मात्रा में माना जाता है। काली तुलसी श्रीकृष्ण के मारक तत्त्व तथा हरी तुलसी तारक तत्त्व की प्रतीक मानी जाती है। फूल अर्पित करना कृष्णकमल के पुष्प श्रीकृष्ण तत्त्व को अधिक आकर्षित करने वाले माने जाते हैं। इसलिए इन्हें 3 अथवा 3 के गुणक में, लंबगोल आकार में अर्पित करें। गंध एवं धूप तारक तत्त्व के लिए चंदन, केवड़ा, चंपा, चमेली, जाई तथा अंबर की सुगंधित धूप, जबकि मारक तत्त्व के लिए हिना एवं दरबार की सुगंधित धूप अर्पित करने की परंपरा है। मानस पूजा यदि किसी कारणवश प्रत्यक्ष पूजा करना संभव न हो, तो मन ही मन भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए सभी उपचार भावपूर्वक अर्पित करें। श्रद्धा और भक्ति से की गई मानस पूजा भी साधना का एक मार्ग है। पूजन के पश्चात नामजप करें ह्यॐ नमो भगवते वासुदेवायह्ल का अधिकाधिक नामजप करें। पूजा, आरती और भजन जैसी उपासना -पद्धतियों से देवता के तत्त्व का लाभ प्राप्त होता है; परंतु इनपर स्थल और काल की मर्यादा होती है। देवता के तत्त्व का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए निरंतर नामस्मरण आवश्यक है। ऐसी निरंतर साधना का सरल एवं प्रभावी माध्यम नामजप है। कलियुग में नामजप को सरल एवं श्रेष्ठ साधना माना गया है। हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।

संक्षिप्त खबरें

मध्य विद्यालय धनौरा में बच्चों द्वारा मटका फोर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

गरखा प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय धनौरा परिसर में बच्चों द्वारा दही मटका फोर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृष्ण जन्माष्टमी के पूर्व विद्यालय के वर्ग षष्ठ सप्तम एवं अष्टम के छात्रों द्वारा यह आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने पिरामिड बनाकर ऊपर बंधे रस्सी में मटका को फोरा। इसके साथ ही छात्राओं द्वारा राधे कृष्ण की झांकी एवं लोक गीत का भी आयोजन हुआ। विद्यालय के बच्चों ने पूरी उमंगता से दहीं हांडी एवं राधेकृष्ण की झांकी प्रस्तुत किया। भैया यशोदा तेरा कन्हैया,राधे क्यों न जले गीतों पर उपस्थित बच्चों को खूब मनोरंजन किया। दहीं हांडी कार्यक्रम में लक्ष्य, सन्नीसंदीप,आकाश मनु पियुष, विशाल, अनमोल रविकांत,अंश मुख्य रूप से सामिल हुए इसके साथ ही गीत एवं झांकी एवं गीत में मुख्य रूप से पिंकी,जुली, रागिनी,लिया,ज्योति,मधु, चंचल,वर्षा,अंशु सामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी अरूण कुमार, धर्मेंद्र सिंह राकेश कुमार सिंह, मृत्यंजय कुमार,देवेश उपाध्याय,सौरभ कुमार,शिवा चौहान, श्रुति सामिल रहें

आलोक ने रक्तदान कर जन्मदिन को बनाया यादगार

इसुआपुर । प्रखंड के नवादा गांव निवासी तथा इसुआपुर बाजार स्थित पावर हाउस ट्रेडर्स के प्रोपराइटर आलोक रंजन उर्फ मंटू सिंह ने गुरुवार को अपने जन्मदिन के मौके पर सदर अस्पताल, छपरा में रक्तदान कर अपने जन्मदिन को यादगार बनाया है। उन्होंने एक जरूरतमंद व्यक्ति के लिए रक्तदान कर मानवता की मिशाल पेश की है। मंटू सिंह ने कहा कि अपने जन्मदिन पर प्रत्येक वर्ष रक्तदान कर जरूरतमंद की मदद करना उन्हें आत्मीय सुकून देता है। यही उनके जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार भी है। उनके इस मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

डबरा नदी में डूबने से वृद्ध की हुई मौत मची चीख-पुकार

भेल्दी। डबरा नदी में डूबने से एक वृद्ध की मौत हो गई मृतक वकील सिंह (74) भेल्दी थाने के रज्जुपुर गांव का बताया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार भेल्दी थाने के रज्जुपुर गांव के वकील सिंह तीन दिन पहले से घर से गायब थे वे कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ थे।परिजनों ने काफी खोजबीन की मगर कोई अता-पता नहीं चला।बुधवार को लोगों ने देखा कि डबरा नदी में एक शव तैर रहा था।लोगो ने नदी में शव होने की सूचना भेल्दी पुलिस को दी।पुलिस ने मौके पर पहुंच नदी से वृद्ध के शव को निकालने के बाद शव की शिनाख्त वकील सिंह के रूप में की।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया।इधर वकील सिंह की मौत के बाद परिजनो में रून्दन-क्रन्दन मच गया।भाई कपिलदेव सिंह, भरत सिंह भतीजा शैलेश कुमार सिंह धनविजय सिंह बेसूध पड़े हुए हैं।

भेल्दी में एक ही रात तीन घरों से नगदी समेत लाखों की चोरी

भेल्दी। स्थानीय थाने के सरायबक्स बड़कुरवा, जाफरपुर गवन्द्री व सिरसा बल्ली गांव में एक ही रात चोरों ने तीन घरों से नगदी, जेवर, कपड़ा, गैस सिलेंडर व जमीन के कागजात समेत अन्य सामानों की चोरी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार भेल्दी थाने के जाफरपुर गवन्द्री गांव के हरेन्द्र सिंह के परिजन बुधवार की रात अपने घर में सोए हुए थे तभी चोरों ने कमरे में घुसकर पेटी को तोड़कर उसमें रखे 12 हजार रुपए, जेवर, कपड़ा, गैस सिलेंडर लेकर फरार हो गए।अहले सुबह गृह स्वामी ने देखा कि पेटी टूटा हुआ है और रूपए व अन्य सामान गायब है।परिजनों ने इसकी सूचना भेल्दी पुलिस को दी।चोरी की दूसरी घटना भेल्दी थाने सरायबक्स बड़कुरवा गांव में घटित हुई जहां चोरो ने सत्येंद्र राय के घर को निशाना बनाया।चोरों ने इनके घर से हजारो रूपए नगदी व जमीन के कागजात की चोरी कर ली।गृहस्वामी सत्येंद्र राय ने बताया कि चोर स्कॉर्पियो से चोरी करने के लिए आए थे।चोरी की तीसरी घटना भेल्दी थाने के सिरसा बल्ली गांव में हुई।गृह स्वामी हरेन्द्र राय ने बताया कि चोर उनके घर में घूसे।घट-घट की आवाज सुनकर उनके पुत्र रवि कुमार जग गए इसी बीच चोरों ने एक जिंस पैंट को लेकर फरार हो गए।

अपराध गोष्ठी में दिए गए दिशा-निर्देशों से थाना के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कराया गया अवगत

छपरा सदर। बुधवार को आयोजित अपराध गोष्ठी में वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन के क्रम में आज जिले के सभी थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना में बैठक आयोजित कर सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपराध गोष्ठी में दिए गए निर्देशों से अवगत कराया गया तथा उनके अक्षरशः अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के कसौटी पर खरे उतरे सारण के 37 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मिला राज्यस्तरीय प्रमाणीकरण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। जिले के 37 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (ठदअर) के तहत राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। अब इन सभी स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित कराने की तैयारी की जा रही है। इस प्रक्रिया के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सेवाओं, मरीजों के अधिकार, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, आवश्यक संसाधनों और उपचार की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का सीधा लाभ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिलने की उम्मीद है। अब गांव और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को घर के नजदीक ही अधिक व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। 12 स्वास्थ्य पैकेज की गुणवत्ता की होती है जांच डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के एनक्वास प्रमाणीकरण के दौरान वहां उपलब्ध 12 प्रकार के स्वास्थ्य पैकेज से जुड़ी सेवाओं और व्यवस्थाओं का निर्धारित चेकलिस्ट के आधार पर आकलन किया जाता है। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं और निर्धारित मानकों के अनुपालन की बिंदुवार जांच की जाती है। प्रत्येक मानक के आधार पर स्वास्थ्य संस्थान को अंक प्रदान किए जाते हैं। निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद ही संबंधित स्वास्थ्य केंद्र को प्रमाणीकरण प्रदान किया जाता है। कई स्तरों पर जांच के बाद मिलता है प्रमाण-पत्र एनक्वास प्रमाणीकरण की प्रक्रिया केवल भवन या उपकरणों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र की संपूर्ण कार्यप्रणाली का अलग-अलग बिंदुओं पर मूल्यांकन किया जाता है। इसमें सेवा प्रावधान, मरीजों के अधिकार, आवश्यक इनपुट, सहयोगी सेवाएं, नैदानिक देखभाल, संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्ता प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाता है। स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज और उपलब्ध व्यवस्थाओं का निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन होने के बाद स्कोर के आधार पर प्रमाणीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ती है। पहले राज्य स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र का प्रमाणीकरण किया जाता है। इसके बाद निर्धारित मानकों को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में हो रहा सुधार जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी रमेशचंद्र कुमार ने कहा कि एनक्वास प्रमाणीकरण का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उसमें लगातार सुधार करना है। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप अपनी व्यवस्थाओं और सेवाओं को बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सारण में 37 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण मिलना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे स्वास्थ्यकर्मियों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार काम करने की जिम्मेदारी और संस्थानों में बेहतर प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। गांव में घर के पास मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों को आवश्यक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध कराना है। ऐसे में इन केंद्रों का गुणवत्तापूर्ण होना बेहद महत्वपूर्ण है। एनक्वास के तहत प्रमाणीकरण से इन स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, मरीजों की सुविधा, उपचार प्रक्रिया, संक्रमण नियंत्रण और सेवा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसका परिणाम यह होगा कि ग्रामीण आबादी को छोटी-छोटी स्वास्थ्य जरूरतों के लिए दूर स्थित बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

एसएसपी ने सुनी जनता की समस्या

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर । गुरुवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

एकमा सीएचसी में पांच लैब टेक्निशियन तैनात, फिर भी रात में नहीं होती है जांच

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) एकमा में पांच लैब टेक्निशियन पदस्थापित होने के बावजूद मरीजों को 24 घंटे पैथोलॉजी जांच की सुविधा नहीं मिल पा रही है। खासकर रात के समय प्रसव के लिए पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए निजी लैब का सहारा लेना पड़ रहा है। इसके चलते मरीजों और उनके परिजनों को जांच के नाम पर 1200 से 1500 रुपये तक अतिरिक्त खर्च करने की मजबूरी सामने आ रही है। सीएचसी एकमा में वर्तमान में लैब टेक्निशियनों के रूप में सुनील कुमार गुप्ता, अर्चना कुमारी, राजीव रंजन, संजय कुमार और सुनील पासवान पदस्थापित हैं। इसके बावजूद रात्रि में लैब जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि वर्तमान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजन कुमार के पदस्थापन से पहले तत्कालीन सीएचसी प्रभारी डॉ. गंगासागर बिंद के कार्यकाल में तथा उनसे पहले मांझी सीएचसी प्रभारी सह एकमा सीएचसी के अतिरिक्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार के प्रभार के दौरान सीएचसी एकमा में 24 घंटे लैब जांच की सुविधा उपलब्ध थी। उस समय भी लैब टेक्निशियन व संख्या लगभग इतनी और यही थी। इसके बावजूद वर्तमान में 24 घंटे जांच की सुविधा बंद रहने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी रात के समय अस्पताल पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं को हो रही है। प्रसव के दौरान चिकित्सकीय सलाह पर विभिन्न प्रकार की जांच की आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल की लैब में जांच नहीं हो पाने की स्थिति में मरीजों को निजी लैब में भेजा जा रहा है। इससे उन्हें जांच के खर्च के अलावा रात में आने-जाने की परेशानी भी झेलनी पड़ती है। विडंबना यह है कि सीएचसी एकमा में 24 घंटे प्रसव की सुविधा उपलब्ध है और चिकित्सकों की तैनाती भी है, लेकिन आपात स्थिति में आवश्यक पैथोलॉजी जांच की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब अस्पताल में पांच लैब टेक्निशियन पदस्थापित हैं, तो फिर रात्रि में लैब सेवा संचालित क्यों नहीं की जा रही है? इस संबंध में 20 सूत्री अध्यक्ष सह एकमा प्रखंड जदयू अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने एकमा विधायक मनोरंजन कुमार सिंह धूमल और सीएचसी एकमा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ साजन कुमार के समक्ष पूरजोर तरीके से उठखया है। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले की जांच कराकर सीएचसी एकमा में पूर्व की तरह 24 घंटे लैब जांच की सुविधा बहाल कराने की मांग की है, ताकि रात में अस्पताल आने वाले मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक आर्थिक बोझ और परेशानी से राहत मिल सके। उधर, इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ साजन कुमार का कहना है कि कुछ लैब टेक्निशियनों से अलग-अलग केंद्रों पर उनसे सेवाएं ली जा रही हैं।

रोटरी क्लब छपरा में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। रोटरी क्लब छपरा के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य आयोजन स्थानीय ब्रज किशोर किंडरगार्डन स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। जन्माष्टमी चेयरमैन प्रिया हर्षवर्धन और उनकी पूरी टीम की तैयारियां सराहनीय रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पीहू, प्रणित, स्तुति, खुशी और अदिति आर्या की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एम. के. शरण सर ने [illegible] में राधिका नाचे रे गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया, तो वहीं प्रिया पुनीत ने भी अपनी मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष अमरेश मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष आशा शरण, पूर्व अध्यक्ष डॉ. पार्थ सारथी गौतम, रो अपर्णा मिश्रा, रो रंजीत आर्या और पूजा आर्या का विशेष सहयोग रहा। क्लब अध्यक्ष रो पुनीतेश्वर ने सचिव रो अभिषेक हर्षवर्धन को उनके निरंतर सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया। अंत में सभी अतिथियों के लिए भंडारे (महाप्रसाद) के रूप में शुद्ध खिचड़ी के भोज का आयोजन किया गया।

सारण एसएसपी के नेतृत्व में सारण पुलिस की अपराध गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर । सारण के समाहरणालय सभा-कक्ष (छपरा) अगस्त 2026 का अपराध गोष्ठी आयोजित किया गया, जिसमें सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक , पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रक्षित पुलिस उपाधीक्षक , यातायात पुलिस उपाधीक्षक, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, सभी थानाध्यक्ष एवं सभी शाखा प्रभारी तथा अभियोजन पदाधिकारी शामिल रहे। गोष्ठी में वरीय पुलिस अधीक्षक, द्वारा विधि-व्यवस्था, अनुसंधान की गुणवत्ता एवं कांडो के निष्पादन तथा सिटीजन सेंट्रिक पुलिसिंग के साथ-साथ विधि-व्यवस्था संधारण हेतु विभिन्न दिशा-निर्देश दिये गये, जिसमें से कुछ प्रमुख निदेशों में आगामी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक, निरोधात्मक कार्रवाई तथा संवेदनशील स्थानों का चिन्हित कर पुलिस पदाधिकारी/बल की प्रतिनियुक्ति एवं सतत भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी थानाध्यक्ष / अंचल पुलिस निरीक्षक/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने थाना क्षेत्र में गंभीर एवं संवेदनशील भूमि विवादों को चिह्नित करते हुए उनकी सूची तैयार कर अद्यतन स्थिति के साथ उपलब्ध करने हेतु निर्देशित किया गया है। सभी थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया है कि पूछताछ अथवा विधिसम्मत कार्रवाई हेतु थाना लाए गए किसी भी व्यक्ति के संबंध में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। धारा 170 बीवियों एस एस के तहत निरुद्ध व्यक्ति को नियमानुसार संबंधित एस डी एम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता न बरती जाए। सभी थानाध्यक्ष को वारंटी के खिलाफ एस ड्राइव चलाकर वारंट , सम्मन,कुर्की को निष्पादित करने करने हेतु निर्देशित किया गया है। सभी थानाध्यक्ष को भूमि विवाद से संबंधित रिपोर्ट प्राप्त होते ही मामले की गंभीरता एवं तथ्यों का अवलोकन करते हुए संबंधित अंचल अधिकारी से समन्वय स्थापित कर रिपोर्ट साझा करें तथा प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया हैं। वाहन चेकिंग एवं रात्रि गश्ती के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं बाईकर्स गैंग पर कड़ी निगरानी से चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया है। सभी थानाध्यक्ष द्वारा जिन आवेदनों में प्रारंभिक जाँच आवश्यक हो, उनकी जाँच हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया हैं। खनन संबंधी रेड हमेशा माइनिंग ऑफिसर के साथ की जाए। माइनिंग ऑफिसर उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में सीओ, बी डी ओ को लिखित सूचना देते हुए एस डी एम के समन्वय से पर्याप्त पुलिस बल के साथ रेड की कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया हैं। शादी की नीयत से अपहरण के किसी भी कांड में जिस व्यक्ति की संलिप्तता के संबंध में ठोस साक्ष्य मिलेगी, उसी की गिरफ्तारी की जाएगी। सभी थानाध्यक्ष को इनका अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया हैं।

इसुआपुर के महावीर मंदिर परिसर में अखंड अष्टयाम शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड मुख्यालय बाजार इसुआपुर स्थित महावीर मंदिर के प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर गुरुवार को अखंड अष्टयाम की शुरूआत हुई। पूर्व में सैकड़ों की संख्या में कुंवारी कन्याओं,महिलाओं तथा पुरुष सदस्यों ने बाबा लाल दास के मठिया परिसर स्थित कुएं से जलभरी की। वहां माथे पर कलश लिए गाजे-बाजे के साथ बाजार की परिक्रमा करते हए श्रद्धालु यज्ञ स्थल पहुंचे। जहां पंडित धीरज चतुवेर्दी,बच्चू पाण्डेय ,अमर चौबे व अन्य विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अष्टयाम की शुरूआत हुई। यजमान के रूप में मुन्ना कुमार साह एवं उनकी धर्मपत्नी मीरा देवी ने यज्ञ का संकल्प लिया। जलभरी जुलूस का नेतृत्व मुखिया प्रतिनिधि अजमल रहमानी, व्यवसायी अमरनाथ प्रसाद, बीडीसी मुकेश कुमार, महादेव साह, राजेश सिंह कुशवाहा, दिलीप चौरसिया, वैध उपेंद्र भक्त,नागेश्वर सिंह,ढ़ोलन सिंह, नितेश कुमार,बम प्रसाद, श्रीभगवान साह, मोहन सिंह कुशवाहा, विश्वेश्वर चौरसिया व अन्य ने किया। अष्टयाम समाप्ति के उपरांत शुक्रवार की रात दिलीप गिरी, गोपालगंज और सुदामा चौहान, सिवान के बीच दुगोला कीर्तन का मुकाबला होगा।

पटना हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला, बिना सहमति प्राध्यापकों की प्रतिनियुक्ति के आदेश निरस्त

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पटना उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा से संबंधित दो महत्वपूर्ण रिट याचिकाओं– उहखउ ठङ्क. 9715/2026, डॉ. रवि प्रकाश बबलू बनाम जय प्रकाश विश्वविद्यालय एवं अन्य तथा उहखउ ठङ्क. 9278/2026, प्रो. रबिन्द्र सिंह एवं अन्य बनाम जय प्रकाश विश्वविद्यालय एवं अन्य पर 1 सितंबर 2026 को आदेश पारित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसरों/एसोसिएट प्रोफेसरों को उनकी सहमति के बिना नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रतिनियुक्त करने की कार्रवाई को निरस्त कर दिया। मामले की पृष्ठभूमि राज्य सरकार द्वारा 633 दिनांक 30.04.2026 के माध्यम से ऐसे प्रखंडों में 211 नए राजकीय डिग्री कॉलेज स्थापित करने का निर्णय था, जहाँ पहले डिग्री कॉलेज उपलब्ध नहीं था। प्रत्येक कॉलेज में 32 शिक्षण एवं 12 गैर-शिक्षण पद सृजित किए गए थे। इसके संचालन के लिए सरकार ने विश्वविद्यालयों को तत्काल प्रभारी प्राचार्य उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में जय प्रकाश विश्वविद्यालय ने 12.05.2026 को शिक्षकों से प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रतिनियुक्ति के लिए विकल्प मांगा। इसके बाद तीन सदस्यीय समिति गठित की गई और 27.05.2026 को 28 प्रभारी प्राचार्यों की नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी की गई। बाद में प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार करते हुए 04.06.2026 को संशोधित अधिसूचना जारी की गई। सहमति को लेकर उठाया गया सवाल याचिकाकताओं की मुख्य आपत्ति यह थी कि वे जेपीयू के विभिन्न पीजी विभागों और अंगीभूत महाविद्यालयों में प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें उनकी इच्छा एवं सहमति के बिना नवस्थापित कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्य के रूप में भेजा गया। याचिकाकताओं ने रइ३४३ी 3.2.6 का हवाला देते हुए कहा कि यदि किसी कॉलेज में प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर उपलब्ध नहीं है, तो कुलपति विश्वविद्यालय के किसी प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर को प्राचार्य नियुक्त कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए संबंधित शिक्षक की सहमति प्राप्त करना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी लिया गया आधार :याचिकाकताओं की ओर से (1997) 8 SCC 372 तथा AIR 2006 रउ 2432 के निर्णयों का हवाला दिया गया। इन निर्णयों के आधार पर यह तर्क रखा गया कि कर्मचारी को उसकी सहमति के बिना ऐसी प्रतिनियुक्ति स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, जब तक वैधानिक नियम ऐसा अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान न करें। विश्वविद्यालय का तर्क विश्वविद्यालय की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकताओं द्वारा कुलपति एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन नहीं करना अनुशासनहीनता है। विश्वविद्यालय ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 की धारा 10(11) के तहत कुलपति की शक्तियों का भी उल्लेख किया तथा यह तर्क दिया कि शिक्षकों को उसी विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में भेजा गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट की प्रतिनियुक्ति की कानूनी स्थिति माननीय न्यायालय ने कहा कि प्रतिनियुक्ति सामान्यतः कर्मचारी को उसके मूल विभाग/कैडर से किसी अन्य विभाग या संस्था में अस्थायी रूप से भेजने की व्यवस्था है और इसमें कर्मचारी की सहमति महत्वपूर्ण तत्व है। न्यायालय ने रइ३४३ी 3.2.6 का विशेष रूप से परीक्षण करते हुए स्पष्ट किया कि संबंधित प्रोफेसर/ एसोसिएट प्रोफेसर की सहमति प्राप्त किए बिना इस प्रावधान के तहत उन्हें प्रभारी प्राचार्य के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि कुलपति को धारा 10(11) के तहत प्राप्त सामान्य शक्तियाँ अधिनियम एवं रइ३४३ी के स्पष्ट प्रावधानों को दरकिनार करने का अधिकार नहीं देतीं। नवस्थापित डिग्री कॉलेजों की वैधानिक स्थिति पर भी टिप्पणी फैसले में बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 की धारा 3(4) पर भी विचार किया गया।

वसुधा जीविका संकुल संघ की वार्षिक आमसभा आयोजित, वित्तीय वर्ष 2025-26 में संकुल संघ ने करीब 13 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा किया अर्जित

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा (सारण)। मशरक में वसुधा जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक आमसभा में संकुल संघ की वर्षभर की गतिविधियों, उपलब्धियों और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। आमसभा में आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा कर आजीविका गतिविधियों के विस्तार और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर सहमति बनी। संकुल संघ की अध्यक्ष बेबी देवी ने आमसभा में ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि वसुधा जीविका संकुल संघ से 909 स्वयं सहायता समूह जुड़े हैं, जिनमें करीब 11,517 जीविका दीदियां सक्रिय हैं। महिलाओं की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संकुल संघ की ओर से विभिन्न आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनमें आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए पोशाक की सिलाई तथा तिरंगा झंडे का निर्माण प्रमुख है। इन गतिविधियों से वित्तीय वर्ष 2025-26 में संकुल संघ ने करीब 13 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया। आमसभा को संबोधित करते हुए मशरख प्रखंड के प्रखंड परियोजना प्रबंधक संजीव कुमार ने जीविका दीदियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार हैं। समूहों के माध्यम से मिलने वाले ऋण का सदुपयोग कर महिलाओं को नए उद्यम और आजीविका गतिविधियां शुरू करनी चाहिए। प्रबंधक आईबीसीबी मुकेश कुमार ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की मजबूती उनके मूलभूत नियमों के प्रभावी अनुपालन पर निर्भर करती है। नियमित बैठक, बचत, समय पर ऋण की वापसी, आपसी सहयोग और वित्तीय पारदर्शिता समूह की सफलता के लिए जरूरी हैं। इन नियमों का निरंतर पालन समूहों को मजबूत और टिकाऊ बनाने के साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडर और बेहतर कार्य करने वाली जीविका दीदियों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष बेबी देवी ने आगामी वित्तीय वर्ष में आजीविका गतिविधियों का विस्तार करने, व्यवसाय को और मजबूत करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प व्यक्त किया। मंच संचालन सामुदायिक समन्वयक पूजा कुमारी ने किया, जबकि आयोजन की देखरेख क्षेत्रीय समन्वयक पुलस कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में जिला स्तर से प्रबंधक स्वास्थ्य विशाल कुमार, प्रबंधक संचार दीपक कुमार, प्रबंधक पशुधन मनोहर कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी माया यादव एवं प्रभाकर कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक के प्रबंधक, प्रखंड कार्यालय के कर्मी, जीविका के विभिन्न कैडर तथा बड़ी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लिया। आमसभा में महिलाओं ने संकुल संघ की उपलब्धियों और आजीविका गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इसकी जानकारी जीविका, सारण कार्यालय से दीपक कुमार ने दी है।

80 लीटर देसी शराब के साथ मोबाइल बाइक जब्त, धंधेबाज फरार

परसा। गुप्त सूचना के आधार पर परसा पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोहरा मठिया अंतर्गत चरमोहनी के समीप छापेमारी कर बैग में रखी बाइक पर लदी करीब 80 लीटर देसी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से शराब लदी बाइक व मोबाइल फोन को जब्त कर लिया. हालांकि, पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही शराब का धंधा करने वाला व्यक्ति मौका पाकर फरार हो गया.बताया जाता है कि परसा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कोहरा मठिया क्षेत्र से एक बाइक पर देसी शराब की खेप ले जाई जा रही है.सूचना के आधार पर पुलिस ने चरमोहनी के पास निगरानी बढ़ाते हुए छापेमारी की.पुलिस को देखते ही बाइक सवार शराब धंधेबाज बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया. इसके बाद पुलिस ने बाइक की जांच की तो उस पर लदी देसी शराब बरामद हुई.पुलिस ने शराब और बाइक मोबाइल फोन को जब्त कर थाना लाया. फरार धंधेबाज की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है.इस मामले में परसा थाना पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है.पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शराब के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई.पुलिस फरार शराब धंधेबाज की पहचान में जुटी है और जब्त बाइक के आधार पर भी उसके संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

दिघवारा मे बाढ़ का खतरा मंडराया,निचले इलाकों में फैला बाढ़ का पानी

प्रात: किरण संवाददाता

दिघवारा।सारण जिले के दिघवारा प्रखंड क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। नदी किनारे बसे गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। कई जगहों पर गंगा के पानी का दबाव काफी ज्यादा है। यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। बरुआ पंचायत के मलखाचक गांव में डॉ. अजीत सिंह के घर के पास गंगा किनारे तेज कटाव हो रहा है। इससे स्थानीय ग्रामीणों में डर है। ग्रामीण कटाव रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। बरुआ पंचायत के मिल्की और रामदासचक गांव के गंगा किनारे बसे कुछ घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। नगर पंचायत दिघवारा के भी कई वार्डों में बाढ़ का पानी फैल गया है। वार्ड संख्या-दो के बगही स्थित स्कूल परिसर में पानी घुस गया है। इससे पढ़ाई पर असर पड़ा है। आमी गांव के प्रसिद्ध अंबिका भवानी मंदिर के पास की कुछ दुकानों में भी बाढ़ का पानी आ गया है। गंगा पार दियारा क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर है। अकिलपुर पंचायत पूरी तरह बाढ़ की चपेट में है।पंचायत की सारी सड़के पूरी तरह डूबी हुई है।किसानों की लाखों की सब्जी तथा अन्य फसलें खराब हो गई।अकीलपुर थाना भी बाढ़ के पानी से घिर गया है।

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर तैयारियां पूरी, 4 से 9 सितंबर तक होंगे विविध कार्यक्रम

परसा। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसा परिसर में दिन शुक्रवार 4 से 9 सितंबर तक आयोजित होने वाले कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. कृष्ण पूजा समिति की ओर से छह दिवसीय महोत्सव के दौरान धार्मिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा.कार्यक्रम को लेकर समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है.इस संबंध में कृष्ण पूजा समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव की शुरूआत 4 सितंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ होगी.शोभायात्रा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर से निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है.शोभायात्रा के बाद विधि-विधान के साथ भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति का पूजन एवं स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.5 सितंबर को महोत्सव के तहत मटका फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भागवत कथा का भी आयोजन होगा। धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है.6 सितंबर को महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी.प्रतियोगिता में स्थानीय प्रतिभागियों के साथ आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभागियों के भी हिस्सा लेने की उम्मीद है. इसी क्रम में 7 सितंबर को महिला एवं पुरुष वर्ग के बीच कबड्डी मैच का आयोजन किया जाएगा.खेल प्रतियोगिता को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है.8 सितंबर को महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए दंगल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. दंगल में स्थानीय पहलवानों के साथ अन्य क्षेत्रों से आने वाले पहलवान भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे.महोत्सव के अंतिम दिन 9 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसके अलावा विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे. इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं आवश्यक परामर्श भी दिए

पटना शहर में पानी प्रवेश न करे इसलिए सभी सुरक्षात्मक उपाय पूरे करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गंगा नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के. शर्मा एवं नगर आयुक्त श्री यशपाल मीणा सहित वरीय अधिकारियों की टीम ने गुरुवार को दीघा घाट से लेकर बिंद टोली, एलसीटी घाट, गोसाईं टोला एवं पूरे पटना टाउन प्रोटेक्शन वाल क्षेत्र का निरीक्षण कर इन क्षेत्रों में जलस्तर का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पटना शहर में पानी प्रवेश न करे, इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय तुरंत पूरे किए जाएँ। उन्होंने पटना टाउन प्रोटेक्शन वॉल में बने सभी 108 रास्तों को बंद करने का निर्देश दिया। जल संसाधन विभाग, नगर निगम एवं संबंधित टीमों को आपसी समन्वय के साथ इस कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने को कहा गया। सलूईस गेटों के निरीक्षण के क्रम में कुछ स्थानों पर सीपेज पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सभी 13 सलूईस गेट के लीकेज को बंद करवाया तथा संबंधित अधिकारियों को इसकी लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जलस्तर में वृद्धि की स्थिति को देखते हुए सभी डीपीएस (ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन) को पूरी तरह क्रियाशील रखा जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर शहर से जल निकासी तत्काल की जा सके। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को 24 घंटे सतर्क एवं तैयार रहने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में :पाटलिपुत्र कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रों में जल प्रवेश न करें इसलिए भी सभी व्यवस्था कर लेने को कहा गया। सदाकत आश्रम के समीप नाला के माध्यम से शहर की ओर पानी आने की संभावित स्थिति को देखते हुए जल संसाधन विभाग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम को रातभर में नाला को बंद कर लेने का निदेश दिया जिलाधिकारी ने नगर निगम, जल संसाधन विभाग एवं बुडको के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी बाढ़ निरोधक एवं सुरक्षात्मक कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रातभर में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखने, पर्याप्त संसाधन एवं मानवबल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि शहर की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जलस्तर में वृद्धि की स्थिति में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। पुनपुन एवं चंडासी में भी लिया स्थिति का जायजा जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के शर्मा ने पुनपुन नदी पर निर्मित रामपुर लवाईज बैराज का निरीक्षण किया। संबंधित कार्यपालक अभियंता ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि क्षेत्र में जलस्तर में वृद्धि हुई है, लेकिन वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में एवं सामान्य है। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यपालक अभियंता को जिले के सभी तटबंधों की लगातार एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां भी तटबंधों में किसी प्रकार की क्षति, कटाव अथवा कमजोर स्थिति दिखाई दे, वहां तत्काल आवश्यक मरम्मती एवं बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य शुरू कराए जाएं।

विपक्षी दलों ने हमेशा किया अल्पसंख्यकों का राजनीतिक इस्तेमाल

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सह भाजपा नेता तुफैल कादरी जगदीशपुर पहुंचे, जहां स्थानीय कार्यकर्ताओं और लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। तुफैल कादरी ने राहुल गांधी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस तरह लोग बूढ़े होने पर अनाप-शनाप बातें बोलने लगते हैं, ठीक वैसी ही स्थिति राहुल गांधी की हो गई है। उनके बयानों से उनकी पार्टी के अंदर के लोग भी नाराज रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका कोई भी बयान न तो देशहित में होता है और न ही समाजहित में, बल्कि उनका एकमात्र उद्देश्य केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए सरकार के विकास कार्यों का विरोध करना रह गया है। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार देश विरोधी नीतियों पर काम कर रही है और देश की संस्कृति पर बार-बार हमले करती रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान पत्रकारों, बड़े-बड़े आलिमों, साधु-संतों और पीर-फकीरों पर हमले किए गए थे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं और गांधी परिवार को चाहिए कि वे देश के बच्चों को देशहित का पाठ पढ़ाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरी दुनिया में हो रही प्रशंसा से सीख लें, अन्यथा जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। इस दौरान उन्होंने भाजपा की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यकों को तुष्टीकरण की राजनीति से दूर रखकर सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। भाजपा सरकार में शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अल्पसंख्यक समुदाय तक पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर पूर्व में अल्पसंख्यकों को केवल राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

ज्ञान सरोवर अकादमी मे मनाया गया जन्माष्टमी का त्योहार

आरा -रामगढ़िया चिकटोली स्थित ज्ञान सरोवर अकादमी में स्कूली बच्चों के द्वारा आज कृष्ण के बाल रूप में बच्चों को दर्शाया गया स्कूली छात्राओं ने गोपियों और राधा का रूप धारण किया। नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, यशोदा का नंदलाला और भी विभिन्न गानों पर नृत्य कर स्कूल के वातावरण को कृष्ण मय बना दिया गया और विद्यालय के छात्रों ने रंगा रंग कार्यक्रम किए। छात्राओं अनामिका, प्रिया, आराध्या, आयात प्रवीण, निधि, अनुराधा आदि छात्रों ने भाग लिया। प्राचार्या रौशनी कुमारी, निर्देशक रवि भूषण कुमार विद्यालय इंचार्ज सिमरन कुमारी और विद्यालय टीचर्स काफिया कौशर, आलिया, रोजी और विद्यालय परिवार आंटी रेणु देवी थी।

रोहतास के डिहरी मे भव्य शोभायात्रा के साथ मनाया गया बाबा गणिनाथ महोत्सव

अखिल भारतीय हलवाई वैश्य समाज डेहरी डालमियानगर के तत्वावधान में गुरुवार को बाबा गणिनाथ महोत्सव-2026 धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। महोत्सव के अवसर पर बाबा गणिनाथ मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसका शुभारंभ बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। मंत्री स्वयं भी शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ, हाथी-घोड़े, बैंड-बाजे तथा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। विशेष रूप से राधा रानी के मनमोहक नृत्य ने श्रद्धालुओं और दर्शकों का मन मोह लिया। भक्ति गीतों और बैंड-बाजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते-नाचते हुए बाबा गणिनाथ के जयकारे लगाते रहे। शोभायात्रा बाबा गणिनाथ मंदिर से निकलकर डेहरी बाजार, कैनाल रोड, स्टेशन रोड एवं पाली रोड होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धा, उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा के मार्ग में स्थानीय लोगों एवं विभिन्न समाजों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और जलपान की व्यवस्था की गई। आयोजन ने सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश भी दिया।

रोहतास एसपी मिस्टर राज से मिला अभिनव कला संगम का प्रतिनिधि मंडल

प्रात : किरण संवाददाता

अभिनव कला संगम परिवार के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को रोहतास के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संस्था की ओर से संचालित सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ भविष्य में जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि अभिनव कला संगम परिवार पिछले कई वर्षों से कला, संस्कृति और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। संस्था की ओर से प्रत्येक वर्ष नाटक, नुक्कड़ नाटक समेत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से दहेज प्रथा, बाल विवाह, नशाखोरी और अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। संस्था के सदस्यों ने बताया कि कला एवं संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने के साथ सरकार की ओर से आमजन के हित में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य में प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहित एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों को और प्रभावी तरीके से संचालित करने की इच्छा जताई। संस्था के निदेशक संजय सिंह वाला ने पुलिस अधीक्षक राज को नवपदस्थापित होने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के आपसी सहयोग से जिले में सामाजिक जागरूकता, जनभागीदारी, सामाजिक सौहार्द एवं जनहित से जुड़े कार्यों को और मजबूती मिल सकती है। वहीं संस्था के सचिव नंदन कुमार ने अभिनव कला संगम द्वारा पिछले कई वर्षों में किए गए कार्यों से संबंधित फाइल, कार्यक्रमों के दस्तावेज और पुराने कार्यक्रमों के फोटोग्राफ पुलिस अधीक्षक को दिखाए। उन्होंने संस्था की ओर से आयोजित विभिन्न नाटकों, नुक्कड़ नाटकों एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों की जानकारी देते हुए संस्था के सामाजिक सरोकारों से एसपी को अवगत कराया। शिष्टाचार भेंट के दौरान निदेशक संजय सिंह वाला, अध्यक्ष संतोष सिंह, सचिव नंदन कुमार, संजय सिंह, कीर्तन श्रीवास्तव, कलाम हाशमी, राहुल सिंह, विजय चौरसिया, बंटी पटेल उर्फ राज पटेल एवं आलोक कुमार सिंह सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बड़हरा, को बाढ़ क्षेत्र घोषित करे सरकार-सांसद सुदामा प्रसाद !

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड के बाढ़ ग्रस्त पीपरपाती सहित, बबुरा, बिंदगांवा, बड़हरा, बिशुनपुर, बंधुछपरा सेमरा, के इलाकों का सांसद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में भाकपा-माले का टीम दौरा कर बाढ़ पीड़ितों के बीच जनसंवाद किया ! टीम में सांसद सुदामा प्रसाद के अलावे भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य व अगियांव के पूर्व विधायक शिवप्रकाश रंजन, राज्य कमेटी सदस्य संगीता सिंह, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, बड़हरा प्रखंड सचिव नंदजी राम, जिला कमेटी सदस्य विशाल कुमार शामिल थे ! बाढ़ पीड़ितों के बीच जनसंवाद करते हुए सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि गंगा का जलस्तर बढ़ने से गंगा के किनारे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं ! खासकर पीपरपाती में दर्जनों घर गंगा में विलिन हो गया ! भाकपा-माले ने बाढ़ को रोकने के लिए शाहपुर से कोईलवर तक पक्का ठोकर का स्थायी बांध का निर्माण करने, बड़हरा, शाहपुर सहित कोईलवर के बाढ़ क्षेत्र इलाकों को बाढ़ ग्रस्त घोषित करने, बाढ़ पीड़ितों के लिए तत्काल राहत शिविर चलाने, मेडिकल टीम का 24 घंटा चलाने व एम्बुलेंस की व्यवस्था करने, बाढ़ से घिरे इलाकों नाव की व्यवस्था करने, पशुओं के लिए की चारा-दाना की व्यवस्था, बच्चों के लिए पोषाहार सहित दुध की व्यवस्था करने, जलावन के रुप में फ्री गैस की व्यवस्था करने, बांध कर बसे लोगों के लिए टेंट एवं बिजली, पेयजल की व्यवस्था करने, बाढ़ पीड़ितों के लिए तीन माह का राशन की व्यवस्था करने बाढ़ करके दौरान डुबने से हुए मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने मांग की है ! यह जानकारी भाकपा-माले जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पत्रकारों को दी !

बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़े पवन सिंह, राहत कार्य तेज करने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

आरा/भोजपुर। भोजपुर जिले के पीपरपाती, आरा सहित अलग-अलग बाढ़ प्रभावित इलाकों से सामने आ रही तस्वीरों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बाढ़ और कटान के कारण कई परिवारों के सामने घर-बार बचाने और सुरक्षित स्थान तक पहुंचने की चुनौती खड़ी हो गई है। इसी बीच बिहार विधान परिषद सदस्य पवन सिंह ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए बाढ़ पीड़ितों के प्रति संवेदना जताते हुए हर संभव मदद और सहयोग का भरोसा दिलाया है। पवन सिंह ने अपने संदेश में कहा कि पीपरपाती, आरा सहित भोजपुर के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से आ रही तस्वीरों और लोगों की तकलीफों को देखकर उनका मन बेहद दुखी है। उन्होंने कहा कि कहीं लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर चुका है, तो कहीं परिवार अपने ही घरों में फंसे हुए हैं। वहीं, बाढ़ और कटान के कारण कई परिवारों के सामने अपने घर और जमीन को बचाने का संकट भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने वर्षों की मेहनत से अपना घर और संसार बसाया है, आज वही सब कुछ संकट में है। ऐसे समय में केवल चिंता जताने के बजाय लोगों की मदद के लिए आगे आना जरूरी है। पवन सिंह ने कहा कि वह पीपरपाती और आरा सहित सभी बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं और जल्द ही प्रभावित इलाकों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को करीब से देखने तथा हर संभव सेवा-सहयोग करने का प्रयास करेंगे। अपने फेसबुक संदेश में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री *सम्राट चौधरी* से भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर तेज करने की अपील की। उन्होंने जरूरतमंद परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने की मांग की। पवन सिंह ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त संख्या में नाव और अन्य संसाधनों की व्यवस्था करने तथा कटान प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल ठोस बचाव उपाय किए जाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कोई भी परिवार खुद को अकेला महसूस न करे। आपका दर्द हमारा दर्द है, आपकी चिंता हमारी चिंता है कहते हुए उन्होंने प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। उन्होंने ईश्वर से सभी बाढ़ पीड़ित परिवारों की सुरक्षा और जल्द सामान्य स्थिति लौटने की प्रार्थना भी की।

पटना में एमपी बिड़ला का बड़ा आयोजन: वॉटर रिपेलेंट रक्षक सीमेंट का डीलर्स ट्रेनिंग वर्कशॉप संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के एक प्रतिष्ठित स्थानीय होटल में टढ बिड़ला ग्रुप द्वारा बहुचर्चित वॉटर रिपेलेंट रक्षक सीमेंट के लिए एक भव्य डीलर्स ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में साउथ बिहार क्षेत्र के प्रमुख डीलर्स, सीएफए (CFA) और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कंपनी का विजनः रीजनल सेल्स हेड श्री अंजनी आनंद ने उपस्थित डीलर्स को कंपनी की भविष्य की नीतियों, बाजार रणनीतियों और विजन से विस्तार से अवगत कराया। तकनीकी विशेषताएंः टेक्निकल हेड (साउथ) श्री संजय खंडूरी ने रक्षक सीमेंट के वॉटर रिपेलेंट (सीलन-रोधी) गुणों और इसकी बेहतरीन तकनीकी क्षमता के बारे में सभी को जागरूक किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में कंपनी के मार्केटिंग हेड (बिहार) श्री राजेश तिवारी, अकाउंट हेड श्री कमलाकांत साहू, और ब्रांच हेड्स श्री चंद्रभूषण एवं श्री विकास गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों का सहदय धन्यवाद किया। वर्कशॉप के आयोजन से उपस्थित डीलर्स और सीएफए बेहद उत्साहित नजर आए। उन्होंने इस ट्रेनिंग को काफी उपयोगी बताया और कंपनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के तकनीकी वर्कशॉप आयोजित करने की मांग की।

छात्रहित में 16 मांगों को लेकर मुखर हुआ छात्र राष्ट्रीय लोक मोर्चा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में एक सितंबर को आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम के बाद छात्र राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने विद्यार्थियों की समस्याओं के आधार पर 16 प्रमुख मांगें उठाईं। संगठन ने छात्र संघ चुनाव नियमित कराने, बीएड में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड लागू करने और जीरो माइल स्थित शिक्षा विभाग का सरकारीकरण करने की मांग की। विश्वविद्यालय में शुद्ध पेयजल, बैंक शाखा, पुराने परिसर में जलजमाव का स्थायी समाधान तथा स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन चिकित्सक व दवाओं की व्यवस्था की मांग की गई। पीजी में सीटें बढ़ाने, शोधरत छात्रों को छात्रवृत्ति देने और 211 नवसृजित डिग्री कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति शीघ्र करने की मांग भी शामिल है। संगठन ने नेट-जेआरएफ में भोजपुरी को शामिल करने, ळफए-4.0 में भोजपुरी की रिक्तियां बढ़ाने, पर्याप्त छात्रावास उपलब्ध कराने और अवैध रूप से रह रहे लोगों को हटाकर पात्र विद्यार्थियों को आवास देने की मांग की। 7.5 CGPA की बाध्यता खत्म करने, लाइब्रेरी की सुविधाएं बढ़ाने तथा दिव्यांग विद्यार्थियों को नियमानुसार सुविधाएं देने की भी मांग की गई। आउटसोर्सिंग के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को निर्धारित पूरा वेतन समय पर देने की मांग करते हुए संगठन ने कहा कि छात्र एवं कर्मियों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार के समक्ष लगातार आवाज उठाई जाएगी।

वीकेएसयू पीजी प्रवेश परीक्षा की नई तिथि जारी, अब 8 सितंबर को होगी परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के स्नातकोत्तर (पीजी) सत्र 2026-28 में एमए, एमएससी और एमकॉम में नामांकन के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की नई तिथि जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय की ओर से 3 सितंबर को जारी आवश्यक सूचना के अनुसार अब पीजी प्रवेश परीक्षा 8 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। इससे पहले परीक्षा 27 अगस्त को प्रस्तावित थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर ही पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आयोजित की जाएगी। ऐसे में परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र या समय में किसी बदलाव की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें नया एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। परीक्षा के लिए पहले जारी किया गया एडमिट कार्ड ही मान्य रहेगा। परीक्षार्थियों को अपने एडमिट कार्ड के साथ मूल पहचान पत्र, जैसे आधार कार्ड या वोटर आईडी, परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से ले जाना होगा। विश्वविद्यालय ने सभी परीक्षार्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने और परीक्षा में शामिल होने की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। परीक्षा एवं प्रवेश से संबंधित किसी भी अन्य अपडेट के लिए अभ्यर्थियों को समर्थ पोर्टल और विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट देखते रहने को कहा गया है। पीजी प्रवेश परीक्षा की तिथि दोबारा निर्धारित होने से एमए, एमएससी और एमकॉम में नामांकन की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिली है। अब अभ्यर्थी 8 सितंबर को निर्धारित केंद्र और समय पर पूर्व में जारी एडमिट कार्ड के साथ परीक्षा में शामिल होंगे।

हर एनएसएस इकाई में 100 स्वयंसेवकों का होगा पंजीकरण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में गुरुवार को अंगीभूत एवं संबद्ध डिग्री कॉलेजों के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। अध्यक्षता कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुवेर्दी ने की। बैठक में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के बिहार-झारखंड क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. विनय कुमार भी मौजूद रहे। संचालन एनएसएस समन्वयक डॉ. साधना रावत ने किया। बैठक में एनएसएस की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाने से जुड़े करीब एक दर्जन एजेंडों पर चर्चा हुई। ट८ इँ१३ पोर्टल पर अधिक से अधिक स्वयंसेवकों का पंजीकरण कराने तथा प्रत्येक एनएसएस इकाई में 100 स्वयंसेवकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। स्वयंसेवकों को एनएसएस से जोड़ने के लिए प्रत्येक इकाई में बैच, डायरी या टी-शर्ट की व्यवस्था पर भी विचार किया गया। कॉलेजों में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने, उपलब्ध फंड के पारदर्शी एवं समुचित उपयोग और झंडा दिवस से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम पदाधिकारियों से पूर्व में आयोजित गतिविधियों की रिपोर्ट और तस्वीरें जमा कराने को कहा गया। साथ ही रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और पौधारोपण जैसे सामाजिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का निर्देश दिया गया। कुलपति ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में सेवा और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने इकाइयों को सक्रिय, व्यवस्थित और परिणामपरक बनाने पर जोर दिया।

आरा-छपरा फोरलेन पर महाजाम, पैदल चलना भी मुश्किल

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। छपरा और भोजपुर को जोड़ने वाली कोईलवर-डोरीगंज फोरलेन सड़क पर गुरुवार को भीषण जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। कोईलवर से लेकर डोरीगंज तक वाहनों की लंबी कतार लगी रही। स्थिति ऐसी रही कि सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। सुबह से धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे वाहनों के पहिये दोपहर तक लगभग थम गए। यात्री बस, ऑटो, कार और बाइक सवार घंटों जाम में फंसे रहे। जाम की गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बड़हरा और कोईलवर प्रखंड के सोन-गंगा के दोआब में बसे बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने जा रहे भोजपुर जिलाधिकारी भी कोईलवर-बबुरा फोरलेन पर हरहंगी टोला के समीप जाम में फंस गए। काफी मशक्कत के बाद भी रास्ता नहीं खुलने पर उन्हें ग्रामीण सड़क का सहारा लेकर मार्ग बदलना पड़ा और वापस आरा लौटना पड़ा। चार-पांच लेन में ओवरटेकिंग से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था स्थानीय लोगों के अनुसार, जाम की प्रमुख वजह छपरा की ओर से आने वाले बालू लदे खाली ट्रकों की बेतरतीब ओवरटेकिंग है। डोरीगंज पुल पार करने के बाद बबुरा बाजार के आसपास कई खाली ट्रक एक-दूसरे को ओवरटेक करते हुए चार से पांच लेन तक फैल जाते हैं। इससे कोईलवर की ओर आने वाली लेन भी प्रभावित होती है। दोनों ओर से वाहनों के फंसने के बाद धीरे-धीरे जाम महाजाम में बदल जाता है। कई जगह सड़क काटे जाने से वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक दूसरी बड़ी समस्या सड़क निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क के कई हिस्सों को काट दिए जाने की है। हरहंगी टोला से कोल्हरामपुर बाजार के बीच आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर सड़क काटकर उसमें मलबा भर दिया गया है। इससे सड़क ऊबड़-खाबड़ हो गई है और बालू लदे भारी वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो रही है। वाहनों की धीमी गति भी जाम का बड़ा कारण बन रही है। 12 किलोमीटर की दूरी में लग रहे डेढ़ से दो घंटे जाम का आलम यह है कि कोईलवर से बबुरा की करीब 12 किलोमीटर दूरी बाइक से तय करने में डेढ़ से दो घंटे लग रहे हैं। बस और अन्य सवारी वाहनों को इससे भी अधिक समय लग रहा है। बबुरा, मखदुमपुर, फुहां, राजापुर, मानिकपुर, दौलतपुर और जमालपुर समेत आसपास के गांवों के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए घंटों पहले घर से निकलना पड़ रहा है। इसके बावजूद कई यात्रियों की ट्रेन छूट जा रही है। बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाने में भी परेशानीलगातार जाम से आम लोगों के साथ बाढ़ प्रभावित परिवारों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। राहत सामग्री, स्वास्थ्य सुविधा और अन्य जरूरी सेवाएं प्रभावित इलाकों तक समय पर पहुंचाने में बाधा आ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ओवरटेकिंग पर नियंत्रण, यातायात व्यवस्था दुरुस्त कराने और सड़क निर्माण एजेंसी द्वारा काटे गए हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

बड़हरा बाढ़ प्रभावित पंचायतों में घरों में पानी घुसना शुरू

बड़हरा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच बड़हरा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित पंचायतों में अब पानी घरों तक पहुंचना शुरू हो गया है। कई इलाकों में सड़क, खेत और निचले हिस्से पहले ही जलमग्न हो चुके हैं। पानी का स्तर लगातार बढ़ने से ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है। प्रभावित परिवार अपने जरूरी सामान और पशुओं को लेकर सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार, जिस तरह से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है और पानी का बहाव तेज हो रहा है, उससे वर्ष 2016 जैसी बाढ़ की स्थिति की आशंका सताने लगी है। लोग अपने घरों से अनाज, कपड़े, बर्तन, जरूरी दस्तावेज और अन्य सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। पशुपालक भी अपने मवेशियों को लेकर ऊंचे स्थानों की तलाश कर रहे हैं, ताकि बाढ़ के पानी से पशुओं को बचाया जा सके। बाढ़ का असर किसानों पर भी पड़ने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ का पानी एक तरफ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और कुछ हानिकारक कीट-जंतुओं को नष्ट करने में मददगार हो सकता है, लेकिन लंबे समय तक खेतों में पानी जमा रहने से मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। खेतों में पानी भरने से किसानों की मेहनत और फसल दोनों प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती परेशानी को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से राहत एवं बचाव व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है। प्रभावित पंचायतों में मेडिकल कैंप, सामुदायिक किचेन, तिरपाल, पेयजल, आवश्यक सामग्री तथा पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने की जरूरत बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि आपात स्थिति में आवागमन और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए पर्याप्त संख्या में बड़ी और छोटी नावों की व्यवस्था भी जरूरी है। लोगों ने भोजपुर जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति को देखते हुए आवश्यक तैयारियां तेज करने की मांग की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में ग्रामीणों और पशुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके।

बड़हरा को बाढ़ आपदा क्षेत्र घोषित कर पीड़ितों को राहत राशि देने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड में बाढ़ और गंगा के कटाव से उत्पन्न गंभीर स्थिति को लेकर राजद नेताओं ने प्रशासन से अविलंब राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की मांग की है।

राजद के प्रदेश महासचिव मनोज सिंह ने कहा कि पूरा बड़हरा बाढ़ से प्रभावित है। पीपरपाती समेत कई गांवों में लगातार कटाव हो रहा है और कई गांवों का संपर्क मार्ग बाधित हो चुका है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से अपेक्षित राहत व्यवस्था नहीं की जा रही है। उन्होंने बड़हरा को अविलंब बाढ़ आपदा क्षेत्र घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि यदि शीघ्र ठोस व्यवस्था नहीं हुई तो राजद आंदोलन करेगा। वहीं, राजद नेता रघुपति यादव ने नेकनामटोला, केशोपुर, गुंडी, पैगा, धुरूपटोला, बभनगांवा, सरैया, पिपरपाती, बलुआ, केवटिया और मनीराय के टोला समेत दर्जनों बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ितों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने राहत सामग्री, नाव, मेडिकल टीम, भोजन, तिरपाल, पेयजल और मवेशियों के लिए चारा उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही बाढ़ राहत सूची से वंचित लोगों का नाम जोड़कर प्रत्येक पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये सहायता राशि देने की मांग की। इधर, बखोरापुर निवासी अधिवक्ता सह पूर्व सरपंच शत्रुघ्न सिंह ने भोजपुर जिलाधिकारी से मिलकर आवेदन सौंपा। उन्होंने नेकनामटोला, बखोरापुर, सबलपुर, हाजीपुर, पैगा, महुदही, नथमलपुर, ज्ञानपुर, सिमरिया, फरहदा, एकौना और सिरिसिया समेत दर्जनों गांवों को बाढ़ प्रभावित चिन्हित कर पीड़ित किसानों व मजदूरों को आपदा राहत राशि एवं सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण मवेशियों के चारे का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

पितृपक्ष मेले में सुदृढ़ व्यवस्था व सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम: गर्ग

नए जीएम डिम्पी गर्ग ने पहली बार गया जंक्शन की तैयारियों और विकास कार्यों की समीक्षा की

प्रात: किरण संवाददाता

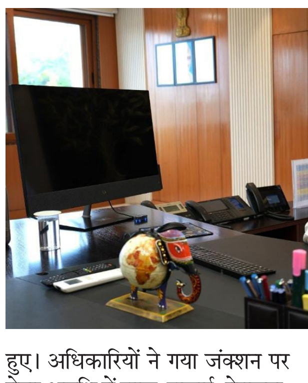

गया जी। हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए गया जी मे आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में पिंडदानी रेल मार्ग से गया पहुंचेंगे। संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गया जंक्शन पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के साथ सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर व्यापक चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के ब्रांच अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने गया जंक्शन पर मेला अवधि में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यात्री सहायता केंद्र, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी जीएम को दी। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों के परिचालन तथा अतिरिक्त व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक होगा पितृपक्ष मेला पूर्व मध्य रेलवे के नए जीएम डिम्पी गर्ग ने एक सितंबर को पदभार ग्रहण किया है। पदभार संभालने के बाद गया जंक्शन की व्यवस्थाओं और यहां चल रहे विकास कार्यों को लेकर यह उनकी पहली महत्वपूर्ण समीक्षा रही। गया जंक्शन पर अमृत भारत स्टेशन योजना सहित कई विकास कार्य चल रहे हैं। ऐसे में पितृपक्ष मेले की तैयारियों के साथ विकास योजनाओं की प्रगति की भी जानकारी ली गई। इस वर्ष गयाजी में पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होगा। मेले के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और पिंडदानियों की संख्या बढ़ने से गया जंक्शन पर सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक भीड़ रहने की संभावना है। रेलवे की ओर से सुगम आवागमन, ट्रेनों की जानकारी, यात्री सहायता, सुरक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक से एक दिन पहले डीआरएम उदय सिंह मीना ने ब्रांच अधिकारियों के साथ गया जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पिंडदानियों और यात्रियों की सुविधा के लिए की जाने वाली तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीसीएम राजीव रंजन, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर, सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक (प्रशासन) आरआर सिन्हा, मुख्य रिजर्वेशन सुपरवाइजर मसूद आलम, टिकट पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में अधिकारियों को जनता का सेवा पुरी जिम्मेदारी से करने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। मंत्री, कृषि विभाग सह प्रभारी मंत्री, गया जिला विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आज जिला परिषद सभागार, गया में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई है। इस दौरान विधायकगण एवं जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सम्मानित सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों एवं उठाए गए जनहित के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। इस बैठक में जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने बताया कि गया जिले में 01 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक 252 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं जुलाई माह में 171 मिलीमीटर तथा जून माह में 34 मिलीमीटर वर्षा हुई है। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सामग्रियों का दर निर्धारण कर लिया गया है। जिले में पर्याप्त संख्या में पॉलिथीन शीट उपलब्ध हैं। बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक रसोई एवं राहत शिविर के लिए स्थलों का पूर्व से चिन्हांकन कर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने जिले के जर्जर अस्पताल भवनों की मरम्मत का कार्य तेजी से कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी मरीजों का नियमित एवं सुरक्षित उपचार सुनिश्चित किया जाए। जिले के सभी अस्पतालों में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। प्रभारी मंत्री ने मगध मेडिकल अस्पताल में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने और भर्ती मरीजों को पौष्टिक भोजन एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने मगध मेडिकल परिसर में अस्पताल से निकलने वाले कचरे के निस्तारण के लिए संचालित कचरा फैक्ट्री से आसपास के लोगों को हो रही परेशानी को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी को इसकी समीक्षा कर कचरा फैक्ट्री को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। मगध मेडिकल परिसर में अवैध रूप से खड़ी रहने वाली निजी एंबुलेंस के संबंध में भी प्रभारी मंत्री ने कड़ा निर्देश दिया गया है। उन्होंने अधीक्षक, मगध मेडिकल को तत्काल निजी एंबुलेंस को अस्पताल परिसर में प्रवेश से रोकने तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन को अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क पर भी निजी एंबुलेंस के अनाधिकृत रूप से खड़े रहने पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया है। 20 सूत्री के सम्मानित सदस्य द्वारा बोधगया के डंगरा एपीएचसी एवं मोराटाल एपीएचसी में चिकित्सकों की अनुपस्थिति का मामला उठाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सेवा संकल्प अभियान का जिला कार्यशाला का आयोजन

औरंगाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान का जिला कार्यशाला का आयोजन जिला अध्यक्ष विजेंद्र सिंह चंद्रवंशी के अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार ने किया। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तकचलने वाली सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पीएम के ऐतिहासिक कार्यों को औरंगाबाद जिले सहित प्रखंड, मंडल, पंचायत बूथ स्तर सहित हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन को भाजपा महज एक समारोह तक नहीं सीमित नहीं रखना चाहती है। भाजपा द्वारा 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक सेवा सकल अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के दरमियान किए गए ऐतिहासिक कार्य को औरंगाबाद जिला सहित बिहार के हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। सेवा सकल अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 12 वर्ष से लगातार एक कार्यकर्ता के रूप में 140 करोड लोगों की सेवा भाव से अनवरत सेवा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने किसी से कभी कोई भेदभाव नहीं की' नरेंद्र मोदी ने कल्याणकारी योजनाओं को माध्यम से देश के हर घर में दस्तक दी है ऐसा कोई घर अछूता नहीं है, जहां किसी कल्याणकारी योजना के माध्यम से रोशनी नहीं पहुंची हो। प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना ने कहां की देश की आजादी के बाद देशवासियों को पहली बार महसूस हुआ कि देश की सत्ता पर बैठने वाले व्यक्ति हमारे बीच का हमारे लिए काम करने वाले और हम सबों का ख्याल रखने वाले हैं। औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह जी ने कहा की नरेंद्र मोदी जी का अब तक का कालखंड बेमिसाल रहा है। उन्होंने देश की जनता की खातिर जो काम किया है वह अपने आप में एक रिकॉर्ड है इसलिए सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यकाल को जन-जन तक पहुंचना तथा सेवा कार्यों को बढ़ावा देना है।

चिकित्सा के द्वार कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

औरंगाबाद। ओबरा प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओबरा मे गुरुवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर बिक्रम कुमार सिंह के अध्यक्षता मे स्वास्थ्य कर्मियों को इलाज एवम उपचार चिकित्सा आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर स्टाफ नर्स एवम एएनएम को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख रूप से कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर स्टाफ नर्स एवम एएनएम उपस्थित रहे। इस दौरान गैर संचारी रोग एवम मधुमेह उच्य रक्तचाप स्तन एवम हृदय रोग सहित अन्य रोगों से सम्बन्धित तथा प्रखंड क्षेत्र मे डोर टू डोर जाकर आशा कर्मी एएनएम के द्वारा रोग का पहचान एवम अन्य रोगों से ग्रसित वैसे मरीजों को इलाज तथा जांच स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र तथा जरूरत के अनुसार उच्य स्वास्थ्य केंद्र मे रेफर किए जाएंगे । वैसे मरीजों को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवम उप स्वास्थ्य केंद्र मे कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर एवम सीएचसी के माध्यम से बल्ड प्रेशर शुगर मोह का कैंसर का जांच कराना सुनिश्चित की गई है। उपस्थित प्रशिक्षण कर्मियों को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर बिक्रम सिंह ने कहा कि,प्रशिक्षण मे जो बताई गई। उसे अपने जरूरी समझते हुए कार्यों का निष्पादन करे। स्वास्थ्य प्रबंधक विकास शंकर ने बताया कि बल्ड प्रेशर शुगर मोह कैंसर का लक्ष्य निर्धारित की गई ।उसके तहत अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए निष्पादन करे।

विजय यादव की 17वीं शहादत दिवस भव्य तरीके से मनाई गई

अरवल। जिले के वलिदाद में शहीद विजय यादव की 17वीं शहादत दिवस धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. सुरेंद्र प्रसाद यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अरवल विधायक मनोज शर्मा, दिल्ली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर धर्मेंद्र कुमार, अरवल के पूर्व विधायक रविंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव, बसपा के वरिष्ठ नेता अशोक शर्मा सहित सभी राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल हुए। इस दौरान वलिदाद बाजार स्थित खभैनी मोड़ के समीप स्थापित शहीद विजय यादव की प्रतिमा पर सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव एवं विधायक मनोज शर्मा ने माल्यार्पण कर नमन किया। अरवल रेल आंदोलन के सूत्रधार एवं अरवल विकास मंच के अध्यक्ष मनोज सिंह यादव ने सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव को भारत के संविधान की पुस्तक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और मनोज सिंह यादव ने संविधान बचाने के लिए आग्रह किया। शहादत दिवस के मौके पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को सांसद ने बुके और मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं वायरल गर्ल सलोनी कुमारी ने अपने संगीत के माध्यम से छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए कलम ही सबसे बड़ा हथियार है। इस मौके पर सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने खभैनी रोड का नाम शहीद विजय यादव पथ करने का आश्वासन दिया, वहीं विधायक मनोज शर्मा ने शहीद विजय यादव के नाम पर खेल स्टेडियम या पार्क बनवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं और प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शहीद विजय यादव के सुपुत्र चंद्रमौली कुमार द्वारा मेडल, बुक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस शहादत दिवस समारोह की अध्यक्षता रेल आंदोलन के सूत्रधार सह अरवल विकास मंच के अध्यक्ष मनोज सिंह यादव ने की।

गुरुओं के हुनर को सलाम, राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित शिक्षकों को टीचर्स ऑफ बिहार ने दी बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और समर्पण की मिसाल कायम करने वाले बिहार के राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को टीचर्स ऑफ बिहार परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूची में राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। टीचर्स ऑफ बिहार ने कहा कि यह सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि विद्यालय, विद्यार्थियों और समाज के प्रति शिक्षकों की प्रतिबद्धता, मेहनत और उल्लेखनीय योगदान की पहचान है। चयनित शिक्षकों के नवाचारपूर्ण प्रयासों ने न केवल विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया है, बल्कि राज्य के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देने का कार्य किया है। टीचर्स ऑफ बिहार के के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई.शिवेन्द्र प्रकाश सुमन ने कहा कि जब शिक्षक का सम्मान बढ़ता है, तब शिक्षा का सम्मान बढ़ता है। ऐसे सम्मान शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने सभी चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां आने वाले समय में हजारों शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगी। टीचर्स ऑफ बिहार परिवार ने सभी सम्मानित होने वाले शिक्षकों को पुनः शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों की यह यात्रा निरंतर जारी रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि-राजकीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होना शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। ये शिक्षक अपने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। उनका चयन पूरे शिक्षक समाज के लिए गर्व का विषय है ।शिक्षकों का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं होता, बल्कि यह संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के सम्मान का प्रतीक है। ऐसे सम्मान शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। हमें विश्वास है कि सम्मानित होने वाले सभी शिक्षक भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट कार्यों से बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया ने हर्षोल्लास के साथ मनाया तीज मिलन उत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा 2 सितंबर को बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक उमंग के साथ तीज मिलन उत्सव का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्सव को रंगारंग प्रस्तुतियों एवं मनोरंजक गतिविधियों से यादगार बना दिया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की प्रेसिडेंट आभा सिंह द्वारा सभी सदस्यों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ किया गया है। इसके पश्चात स्वर्णा तिवारी ने श्रीकृष्ण प्रेम पर आधारित गीत पर अपनी सुंदर नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शानदार शुरूआत की है। इसके बाद क्लब की अन्य सदस्यों ने भी आकर्षक नृत्य एवं मनोरंजक नाट्य प्रस्तुतियां पेश कर सभी का भरपूर मनोरंजन किया है। इनमें सबसे पहले पीडीसी गीता अग्रवाल, पीपी त्रिप्ती गुप्ता, पीपी सीमा भदानी एवं पीपी विम्मी लोहानी ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई है। इनके साथ आशा, श्वेता, पूजा पहवा , लीना, शालिनी, समीक्षा, स्मिता, रुचि, तृप्ति, राखी और अनामिका सहित अन्य सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया है। तीज मिलन उत्सव के दौरान मनोरंजक गेम्स का भी आयोजन किया गया, जिन्हें प्रियंका मोर ने बहुत ही रोचक ढंग से संचालित किया है। खेलों में विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही हाउजी का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया है। रंगारंग कार्यक्रमों, नृत्य, नाटक, खेल, हाउजी तथा स्वादिष्ट खान-पान के बीच पूरा वातावरण खुशी और उल्लास से भर गया। सभी सदस्यों ने मिलकर तीज के इस पारंपरिक पर्व को आपसी प्रेम, मित्रता और सौहार्द के साथ मनाया गया है।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में भक्तिमय माहौल में मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। शहर के नैली रोड, खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया है। जन्माष्टमी को लेकर पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी सजावट और धार्मिक वातावरण ने समारोह की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। नन्हे-मुन्ने बच्चे बाल गोपाल श्रीकृष्ण एवं श्रीजी राधा रानी की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। बच्चों का आकर्षक रूप और मनमोहक प्रस्तुतियां समारोह का मुख्य आकर्षण रहीं। राधा-कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पूनम सिन्हा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, सत्य, कर्म, त्याग और धर्म का संदेश देता है। जन्माष्टमी के माध्यम से बच्चों को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यालय के सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी पर बनी रहे और सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि आए। पूरा कार्यक्रम विद्यालय की उपप्राचार्य श्रीमती राखी कुमारी की कुशल देखरेख एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव और उल्लास का वातावरण बना रहा। नन्हे-मुन्नों की कृष्ण-राधा की वेशभूषा ने पूरे आयोजन को विशेष रूप से यादगार बना दिया है।

ढीबर में ग्राम रक्षा दल का 120 प्रतिभागी ले रहे प्रशिक्षण, अनुशासन व शारीरिक फिटनेस के साथ कर्तव्यों की दी जा रही जानकारी

टनकुपा। प्रखंड स्थित ढीबर खेल मैदान में ग्राम रक्षा दल का 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी है। प्रशिक्षण में टनकुपा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 120 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम रक्षा दल के सदस्यों के कर्तव्य एवं दायित्वों की जानकारी देने के साथ शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और विभिन्न परिस्थितियों में जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। टनकुपा प्रखंड ग्राम रक्षा दल के अध्यक्ष राधे यादव ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग कर सकेंगे। जरूरत पड़ने पर दलबल के रूप में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए उन्हें तैयार किया जा रहा है। प्रशिक्षक सुजीत कुमार ने कहा कि ग्राम रक्षा दल ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा और जनसेवा की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए सदस्यों को अपने दायित्वों के प्रति गंभीर रहना जरूरी है। प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें व्यावहारिक जानकारी देने के साथ विभिन्न परिस्थितियों में संयम और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का अनुभव दिया जा रहा है। जिला सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण से प्रतिभागियों की शारीरिक क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही इससे उन्हें भविष्य में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है। प्रशिक्षण में शामिल सदस्यों ने कहा कि लंबे समय बाद इस तरह का प्रशिक्षण आयोजित होने से उन्हें नई जानकारी और अनुभव मिल रहा है। उन्होंने सरकार से ग्राम रक्षा दल के सदस्यों के लिए समुचित व्यवस्था करने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की।

कृषि मंत्री ने नव निर्मित कृषि बाजार समिति प्रांगण का किया निरीक्षण, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

90 करोड़ से अधिक की लागत से बनी है बाजार समिति

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री बिहार-सह-प्रभारी मंत्री, गया जिला ने आज दिनांक 03.09.2026 को चन्दौती स्थित बाजार समिति परिसर का निरीक्षण कर तैयार संरचनाओं और सुविधाओं की जानकारी प्राप्त किया है। साथ ही परिसर में अवस्थित संयुक्त कृषि भवन में कृषि विभाग के विभिन्न संभागों के कार्यालयों का औचक्क निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर उनके साथ शशांक शुभंकर, जिला पदाधिकारी गया एवं श अखिलेश कुमार सिंह, अपर सचिव, कृषि विभाग- सह- निदेशक, कृषि विपणन, बिहार पटना उपस्थित थे। कृषि मंत्री ने 90 करोड़ 02 लाख 46 हजार रुपये की लागत से तैयार कृषि विपणन बाजार समिति के प्रशासनिक भवन, विभिन्न क्षमता के गोदाम, दुकान एवं विपणन सेड का निरीक्षण किया है। इस अवसर पर उन्होने दुकानों के आवंटन को पारदर्शी तरीके से करने का निर्देश दिया गया है। दुकानों के आवंटन के बाद किसानों और व्यापारियों के लिये कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन संबंधी उत्पादों की खरीद-बिक्री को सरलता से किया जा सकेगा। मंत्री ने निदेश दिया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से उत्पादित कृषि उत्पादों के लिये अलग से दुकानों को चिन्हित किया जाय जिससे इसकी खेती से जुडे.किसानों का मनोबल बढ़ सके और उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त गैर रासायनिक खाद्य पदार्थ मिल सके। इसके बाद माननीय कृषि मंत्री बाजार समिति परिसर में अवस्थित संयुक्त कृषि भवन पहुंचे और पौधा संरक्षण, आत्मा, जिला कृषि कार्यालय, मिट्टी जांच प्रयोगशाला, जिला उद्यान कार्यालय, भूमि संरक्षण कार्यालय का औचक्क निरीक्षण किया। उन्होने निदेश दिया कि भवन को साफ सुथरा रखने में सभी पदाधिकारी अपना सहयोग दें। मंत्री के भ्रमण के अवसर पर संजीव कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, बिजेश कुमार, जिला कृषि विपणन पदाधिकारी, विकास कुमार, सहायक निदेशक (शष्य) प्रक्षेत्र, ई॰ दीपक कुमार, उप निदेशक, कृषि अभियंत्रण, तबस्सुम परवीन, जिला उद्यान पदाधिकारी, अनिल कुमार, सहायक निदेशक, रसायन, मिट्टी जांच प्रयोगशाला, रॉकी रावत, सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, नीरज कुमार वर्मा, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, शिवम कुमार, सहायक निदेशक, बीज विश्लेषण आदि उपस्थित थे।

लंबित ई-चालानों के त्वरित निपटारे के लिए जिला परिवहन कार्यालय में विशेष काउंटर स्थापित

पात्र वाहन मालिकों को जुमार्ने की राशि में 50 प्रतिशत तक की छूट का मिलेगा लाभ

प्रात: किरण संवाददाता

गया। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के मद्देनजर गया जिला परिवहन विभाग द्वारा लंबित यातायात ई-चालानों के निपटारे की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अधिक से अधिक पुराने मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय, गया में 01 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है। बिहार परिवहन विभाग द्वारा लागू एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना के तहत पात्र वाहन मालिकों को बड़ी राहत दी जा रही है। योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2026 तक के ऐसे ई-चालान, जो 90 दिन या उससे अधिक समय से लंबित हैं, उनमें जुमार्ने की राशि पर 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है। इससे पुराने लंबित चालानों का निपटारा कराने वाले वाहन मालिकों को आर्थिक राहत मिलेगी। जिला परिवहन कार्यालय में बनाए गए विशेष काउंटर पर वाहन मालिक अपने लंबित ई-चालान की स्थिति की जांच करवा सकते हैं तथा पात्र होने की स्थिति में निपटान योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। संभावित भीड़ को देखते हुए वाहन मालिकों को पहले से अपने चालान का सत्यापन कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे कार्यालय आने के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट एवं संबंधित ई-चालान की प्रति साथ लेकर आएं। समय रहते सत्यापन करा लेने से राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अनावश्यक भीड़ से बचा जा सकेगा तथा लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। परिवहन विभाग का उद्देश्य पुराने यातायात मामलों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करने के साथ-साथ पात्र वाहन मालिकों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित चालानों का निपटारा सुनिश्चित करने के लिए जिला परिवहन कार्यालय द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

सड़क हादसे में युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी गंभीर रूप से घायल, समर्थकों में गहरी शोक की लहर

मानपुर (गया): जनकपुर मानपुर पुलिस कॉलोनी निवासी और शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी स्वर्गीय बादल सिन्हा के पुत्र सह विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया के ट्रस्टी एवं युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी (आकाश उर्फ एपी) गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे हनुमान मंदिर के निकट एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए ! प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह अपनी स्प्लेंडर बाइक से जा रहे थे, तभी रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रही एक डिस्कवर बाइक ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी ! इस भीषण टक्कर में वे बुरी जख्मी हो गए ! घटना के तुरंत बाद उनके समर्थकों ने उन्हें आनन-फानन में पिलग्रिम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनके फटे हुए पैर में टांके लगाए ! प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया, जहां एक्स-रे रिपोर्ट में उनके हाथ में फ्रैक्चर होने तथा दाहिने हाथ की दो उंगलियों का मांस निकलने की पुष्टि हुई है ! इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करने वालों में जिला परिषद सदस्य डॉ. पिंकी कुमारी, जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के करीबी, अतरी के जरी पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष संगीता देवी, समाजसेवी अमन कुमार, विशाल यादव और सोनम कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हैं !

शिक्षा शास्त्र विभाग, गया कॉलेज में इंडक्शन मीट का आयोजन

गया। गया कॉलेज, गया के शिक्षा शास्त्र विभाग में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम गया कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ है। इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा कुल गीत की प्रस्तुति से हुआ है। दीप प्रज्वलन के उपरांत आगत अतिथि का पुष्प गुछ एवं अंग वस्त्र प्रदान कर विभाग अध्यक्ष ने अभिनंदन किया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम, महाविद्यालय की व्यवस्था, अनुशासन तथा उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं से परिचित कराना था। साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण एवं विभागीय गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर गया कॉलेज के शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय धीरज ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते हैं। शिक्षा जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने तथा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया है। बर्सर डॉक्टर मारकंडे पांडे ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए विभाग की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने तथा विभागीय गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया है। इंडक्शन मीट में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ द्वितीय वर्ष के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे हैं। वरिष्ठ विद्यार्थियों की उपस्थिति से नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विभाग की गतिविधियों, शैक्षणिक वातावरण एवं महाविद्यालयी जीवन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर विभागीय गतिविधियों एवं शैक्षणिक व्यवस्था के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की है। इस कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक निकहत परवीन, अजय शर्मा एवं विदुषी कुमारी उपस्थित रहे। शिक्षकेत्तर कर्मियों में मुजाहिद इमाम अहमद, अश्विनी कुमार, संगीता राय, ताजवर नाज, साबिर अली तथा विकास कुमार ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में मंच संचालन डॉक्टर रानी नीना प्रियदर्शनी और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर मोहम्मद सदरे आलम ने किया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर मेला-सह-सोलर लोन मेला का सफल आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक विद्युत उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ने के उद्देश्य से नगर निगम सभागार, बेतिया में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बेतिया के तत्वावधान में सोलर मेला-सह-सोलर लोन मेला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ तरनजोत सिंह, जिला पदाधिकारी, पश्चिम चंपारण द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर काजले वैभव नितिन, उप विकास आयुक्त, पश्चिम चंपारण तथा गरिमा देवी सिकारिया, महापौर, नगर निगम, बेतिया सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। विद्युत विभाग की ओर से कार्यक्रम में मदन कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बेतियाआलोक अमताशु, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बगहा, सहायक विद्युत अभियंता, मधुबनी, बेतिया, मझौलिया, चनपटिया, नरकटियागंज, बगहा, रामनगर एवं सिकटा सहित संबंधित क्षेत्रों के सभी कनीय विद्युत अभियंता एवं विभागीय कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के उद्देश्य, लाभ एवं विभिन्न प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। आम नागरिकों एवं विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया तथा बताया गया कि इस योजना के माध्यम से उपभोक्ता बिजली बिल में कमी के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मेले में उपस्थित नागरिकों को सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने की प्रक्रिया, योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, आवेदन की प्रक्रिया तथा सोलर लोन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। विभिन्न सोलर

वेंडरों एवं संबंधित संस्थानों द्वारा भी उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन किया गया। इस आयोजित मेले में जिला पदाधिकारी द्वारा बैंक को निर्देशित करते हुए कई उपभोक्ता को तत्काल लोन प्रदान करने की कार्रवाई पूर्ण कराई गई। कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों ने योजना के प्रति विशेष उत्साह दिखाया तथा बड़ी संख्या में लोगों द्वारा अपने आवासीय परिसरों में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराने हेतु आवेदन एवं पंजीकरण कराया गया। उपस्थित अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिकाधिक लाभ उठाएं और सौर ऊर्जा को अपनाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने वाली एक महत्वपूर्ण एवं जनकल्याणकारी पहल है। जिले में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य है। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आएगी तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोलर मेला-सह-सोलर लोन मेला के माध्यम से आम नागरिकों को योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया, सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना तथा ऋण एवं अनुदान से संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इच्छुक उपभोक्ताओं को आवेदन एवं पंजीकरण की प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिकाधिक लाभ उठाएं, अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करें तथा सौर ऊर्जा को अपनाकर ऊर्जा की बचत, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें। मेले के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों द्वारा सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना हेतु आवेदन एवं पंजीकरण कराया गया। योजना के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विद्युत विभाग द्वारा अधिकाधिक आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ना तथा उन्हें स्वच्छ, सस्ती एवं टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूक करना था। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बेतिया द्वारा भविष्य में भी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं उपभोक्ताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। इस मेले में से अधिक आवेदन किया गया। आवेदन बढ़ाने हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है।

बाढ़ में जान गंवाने वाले नेपाल पुलिसकर्मियों के परिवार को 10 लाख देने का निर्णय

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशीझ्शिझुली नदी में आई भीषण बाढ़ में जान गंवाने वाले नेपाल पुलिस के जवानों के परिवारों को नेपाल पुलिस ने 10-10 लाख रुपये राहत देने का निर्णय लिया है। यह निर्णय नेपाल पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिरीक्षक दानबहादुर कार्की की अध्यक्षता में हुई पुलिस समन्वय समिति की बैठक में लिया गया। नेपाल पुलिस के अनुसार, बाढ़ में अब तक तीन पुलिसकर्मियों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि 25 पुलिसकर्मी अभी भी लापता हैं। मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को राहत राशि के साथ उनके बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग किया जाएगा। मृतक पुलिसकर्मियों के बच्चों को नेपाल पुलिस आवासीय विद्यालय में शुल्क माफी के साथ पढ़ाई की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में लापता पुलिसकर्मियों की तलाश तेज करने, उनके परिवारों से समन्वय के लिए विशेष टीम लगाने और मृतक पुलिसकर्मियों द्वारा नेपाल पुलिस कल्याण कोष से लिए गए विशेष ऋण को माफ करने का भी फैसला लिया गया। परिवार के इच्छुक एक सदस्य को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार में सहयोग करने की भी योजना बनाई गई है।अगर चाहें तो मैं इसे में बना सकता हूं बगहा/वाल्मीकिनगर के अखबार के लिए 150 शब्दों की और ज्यादा प्रभावी कॉपी है।

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षा के मद्देनजर दुकानदारों को खिड़की-दरवाजा बंद करने का निर्देश

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित गोल चौक के समीप शिक्षक प्रशिक्षण महा विद्यालय ने संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बाउंड्री से सटे दुकानदारों को पत्र जारी किया है। पत्र के माध्यम से दुकानदारों को दुकानों के पीछे महाविद्यालय परिसर की ओर खुलने वाली खिड़की और दरवाजे को बंद करने के साथ-साथ पानी की निकासी को भी बंद करने का निर्देश दिया गया है। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी पत्र में सुरक्षा के मद्देनजर इन सभी व्यवस्थाओं को हटाने अथवा बंद करने के लिए दुकानदारों को एक सप्ताह का समय दिया गया है। पत्र में निर्धारित अवधि के भीतर निर्देश का अनुपालन करने को कहा गया है। बताया गया है कि महाविद्यालय की बाउंड्री से सटी दुकानों के पीछे से खिड़की, दरवाजा और पानी की निकासी की व्यवस्था होने के कारण संस्थान की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी। इसी को देखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने दुकानदारों को पत्र जारी कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

चोरी के आरोप में युवक पकड़ा पिटाई का वीडियो वायरल

बगहा। वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के कोटड़ा गांव में बीती रात चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो युवक गुड्डू सिंह के घर में घुसे और इंडक्शन चूल्हा, लहसुन समेत अन्य सामान लेकर भागने का प्रयास कर रहे थे। बताया जाता है कि सुबह के समय घर के लोगों को आवाज सुनाई दी। जागने पर उन्होंने दोनों युवकों को सामान लेकर जाते देखा। इसके बाद शोर मचाने पर आसपास के लोग भी जुट गए और एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए युवक की पहचान वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के रामपुरवा निवासी शाहदुल अंसारी के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ में कुछ लोगों द्वारा पकड़े गए युवक की पिटाई किए जाने की बात सामने आई है। घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोग आरोपी को पुलिस के हवाले करने की बात कहते नजर आ रहे हैं। घटना के संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि और कार्रवाई की विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, फरार दूसरे युवक की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों और व्यवसायियों में चिंता बढ़ी है।

सिसवा में पानी टंकी के पास पुलिस ने 45 लीटर नेपाली शराब के साथ धंधेबाज को किया गिरफ्तार

मैनाटांड़। भंगहा थाना क्षेत्र के सिसवा गांव के समीप पानी टंकी के पास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 45 लीटर नेपाली शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान सिसवा गांव निवासी प्रभु माझी के रूप में हुई है। भंगहा थानाध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति शराब की खेप लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम ने पानी टंकी के समीप पहुंचकर संदिग्ध अवस्था में जा रहे एक व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान बोरी में छिपाकर रखी गई 45 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब को जब्त करते हुए प्रभु माझी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दिव्य प्रेम, ज्ञान और कर्तव्य परायणता के प्रतीक प्रभु श्रीकृष्ण का मनेगा जन्मोत्सव: गरिमा

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। नगर के लाल बाजार में अवस्थित प्रभु श्रीकृष्ण के गोपीनाथ पंचायत मंदिर को धूमधाम से सजाया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण और माता सीता की दिव्य मूर्तियों को विधिवत साफ सफाई के बाद नया रंग रोगन चढ़ाया गया है। मंदिर के अध्यक्ष और स्थानीय नगर पार्षद रोहित कुमार सिकारिया ने बताया कि इस भव्य मंदिर का कोना कोना की सजावट को फाइनल टच दिया जा रहा है। हमारे सनातन धर्म में प्रभु श्रीकृष्ण को दिव्य प्रेम, ज्ञान और कर्तव्य परायणता के पर्याय माना गया है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आधारित जन्माष्टमी का यह पर्व आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह

पर्व धर्म के शाश्वत मूल्यों को उजागर करते हुए अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है और हमें इस मार्ग पर जीवन जीने के महत्व का एहसास देता है। लाल बाजार के गोपीनाथ पंचायत मंदिर में प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी प्रभु श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की आज रात्रिकालीन मुख्य पूजा पारंपरिक तौर पर नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया एवं रोहित सिकारिया द्वारा की जायेगी। प्रसाद वितरण की भी उत्तम व्यवस्था है।

गंडक बराज से युवक ने लगाई छलांग, नेपाल रेस्क्यू टीम ने युवक की बचाई जान

प्रात: किरण संवाददाता

वाल्मीकिनगर। गंडक बराज के 35 नंबर फाटक के पास दिन के 12 बजे बुधवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब लक्ष्मीपुर निवासी 25 वर्षीय दीपक चौधरी अचानक गंडक बराज से गंडक नदी के तेज धार मे छलांग लगा दी। युवक को कुदते देख आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तत्काल रेस्क्यू टीम को सूचना दी।

बतादें की नेपाल में आई त्रासदी को देखते हुए गंडक बराज पर नेपाल पुलिस और नेपाल एपीएफ की आपदा रेस्क्यू टीम पहले से तैनात थी। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

इसके बाद उसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक कूदने से पहले कुछ देर तक बराज के आसपास घूमता रहा, जिसके बाद अचानक वह गंडक बराज से छलांग लगा दी।

घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा।

बताया जा रहा है कि युवक घरेलू कारणों से परेशान था। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

सड़क दुर्घटना में दोनों पैर टूटे, मंदिर सेवादार के इलाज के लिए वाल्मीकि सेवा दल ने मांगा आर्थिक सहयोग

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर के लव-कुश घाट स्थित मंदिर में रहने वाले एक सेवादार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनके दोनों पैर टूट गए हैं। वर्तमान में उनका इलाज बगहा स्थित आयुष्मान ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वाल्मीकि सेवा दल ने समाजसेवियों और आम लोगों से आर्थिक सहयोग की अपील की है। वाल्मीकि सेवा दल की ओर से बताया गया कि दुर्घटना के बाद इलाज के दौरान अब तक दो यूनिट रक्त चढ़ाया जा चुका है, जबकि दो यूनिट रक्त की और आवश्यकता है। इलाज में करीब 1.5 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें से समाज के सहयोग से करीब 80 हजार रुपये अस्पताल में जमा किए जा चुके हैं, लेकिन इलाज जारी रखने के लिए अभी और राशि की जरूरत है। सेवा दल ने लोगों से अपील की है कि वे अस्पताल पहुंचकर घायल भगत जी की वास्तविक स्थिति की जानकारी लें और अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग करें। संगठन का कहना है कि लोगों का छोटा-सा सहयोग भी घायल के इलाज में बड़ी मदद साबित हो सकता है। वाल्मीकि सेवा दल ने समाजसेवी बंधुओं और बहनों से मानवता के नाते आगे आकर सहयोग करने की अपील की है।

विश्वामित्र मार्केट में 9.33 लाख से बन रहे सार्वजनिक शौचालय के निर्माण का महापौर ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता की पहरेदारी की अपील: गरिमा

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि बेतिया नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र स्थित विश्वामित्र मार्केट में दुकानदारों और खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को जल्द ही सार्वजनिक शौचालय जैसी जरूरी सुविधा उपलब्ध होगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि वार्ड 15 के विश्वामित्र मार्केट के समीप में 9 लाख 33 हजार की लागत से निमार्णाधीन सार्वजनिक शौचालय का महापौर ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र के मध्य में स्थित मीना बाजार और विश्वामित्र मार्केट में प्रतिदिन बड़ी संख्या में दुकानदार, खरीदार और आम नागरिक पहुंचते हैं। ऐसे में यहां सार्वजनिक जन प्रसाधन की सुविधा का निर्माण लंबे समय से महसूस की जा रही एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करेगा। विशेषकर बाजार आने वाली महिलाओं के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्थानीय दुकानदारों और युवाओं से गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य की देखरेख में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए गुणवत्ता की पहरेदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक उपयोग की इस महत्वपूर्ण योजना का निर्माण बेहतर गुणवत्ता के साथ होना चाहिए, ताकि इसका लाभ लोगों को लंबे समय तक मिल सके। उन्होंने स्थानीय लोगों से निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखने तथा किसी प्रकार की कमी नजर आने पर नगर निगम को तत्काल जानकारी देने का अनुरोध किया। महापौर ने कहा कि विकास योजनाएं केवल सरकारी राशि से तैयार होने वाले ढांचे नहीं, बल्कि जनसुविधा की स्थायी संपत्ति हैं। इसलिए इनके निर्माण में प्रशासन के साथ आम नागरिकों की निगरानी भी जरूरी है।

पंचायत के उप मुखिया व वार्ड सदस्य को गोली लगने से सनसनी, मुखिया पति पर आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। पुलिस जिला बगहा के भैरोगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसगांव मंझरिया पंचायत में बुधवार को गोलीबारी की घटना से सनसनी फैल गई। घटना में पंचायत के उप मुखिया अशोक दास समेत एक वार्ड सदस्य को गोली लगने की सूचना है। घटना के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना को लेकर पंचायत की मुखिया मुन्ना दास के पति पर दोनों को गोली मारने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि, आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पंचायत के कार्यों को लेकर चल रहा था विवाद जानकारी के अनुसार, बांसगांव मंझरिया पंचायत में मुखिया और उप मुखिया के बीच पंचायत के विभिन्न कार्यों एवं सरकारी योजनाओं को लेकर लंबे समय से विवाद और आरोप-प्रत्यारोप चल रहा था। कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच विरोध की स्थिति बनी हुई थी। इसी विवाद को घटना का संभावित कारण बताया जा रहा है। पुलिस ने शुरू की जांच घटना की सूचना मिलते ही भैरोगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल की स्थिति का जायजा लेने के साथ घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ की। गोलीबारी के बाद पंचायत क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। बगहा एसडीपीओ निहार भूषण ने बताया कि उप मुखिया और एक वार्ड सदस्य को गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई है। मामले में मुखिया पति पर गोली चलाने का आरोप लगाया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

गंडकी प्रदेश में सातवीं बार मंत्रिपरिषद विस्तार, फणिन्द्र देवकोटा बने ऊर्जा मंत्री

बगहा। गंडकी प्रदेश के मुख्यमंत्री सुरेन्द्रराज पाण्डे ने मंत्रिपरिषद का विस्तार करते हुए नेपाल समाजवादी पार्टी के सांसद फणिन्द्र देवकोटा को ऊर्जा, जलस्रोत तथा खानेपानी मंत्री नियुक्त किया है। देवकोटा ने बुधवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। मंत्रिपरिषद विस्तार के साथ मुख्यमंत्री पाण्डे ने मंत्रालयों के दायित्व में भी बदलाव किया है। इससे पहले ऊर्जा, जलस्रोत तथा खानेपानी मंत्रालय संभाल रहे नन्दप्रसाद न्यौपाने को भौतिक पूवार्धार विकास तथा यातायात व्यवस्था मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। बताया गया है कि केंद्र में एमाले और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के गठबंधन के बाद गंडकी प्रदेश सरकार में शामिल एमाले के चार मंत्रियों ने 10 भदौ को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद प्रदेश सरकार में मंत्री पद रिक्त थे। मुख्यमंत्री पाण्डे ने सरकार को पूर्णता देने के लिए यह विस्तार किया है। गौरतलब है कि यह मुख्यमंत्री पाण्डे द्वारा किया गया सातवां मंत्रिपरिषद विस्तार है। फणिन्द्र देवकोटा इससे पहले भी गंडकी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई से सुदृढ़ होगी कचरा प्रबंधन व्यवस्था: जिला पदाधिकारी

बेतिया। जिला पदाधिकारी, तरनजोत सिंह ने मझौलिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज सेनुवरिया में नवनिर्मित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई (वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट) का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर प मुखिया ज्योति श्रीवास्तव अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उद्घाटन के उपरांत जिला पदाधिकारी ने अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया तथा इसके संचालन, कचरा संग्रहण एवं अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को इकाई का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के लिए ठोस एवं तरल अपशिष्ट का उचित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के माध्यम से पंचायत में उत्पन्न कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण एवं निस्तारण किया जा सकेगा। इससे न केवल पंचायत को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी, बल्कि कचरे से उपयोगी संसाधनों को अलग कर उनका बेहतर उपयोग भी संभव होगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। पंचायत के प्रत्येक घर से कचरे का नियमित संग्रहण, कचरे को निर्धारित स्थान पर देना तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के प्रभावी संचालन से कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुदृढ़ होगी और सेनुवरिया पंचायत को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ पंचायत के रूप में विकसित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने गांव एवं पंचायत को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का नियमित संचालन सुनिश्चित करते हुए कचरा संग्रहण एवं प्रसंस्करण की पूरी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए, ताकि सरकार की स्वच्छता संबंधी योजनाओं का वास्तविक लाभ ग्रामीणों को मिल सके।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नरकटियागंज-गोरखपुर रेलखंड पर बगहा और वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन के बीच पटखौली में रेलवे डाला संख्या 53 के समीप ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पटखौली थाना की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सक डॉ. तारिक नदीम ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी।पुलिस ने युवक के पास मिले दस्तावेज और रेल टिकट के आधार पर उसकी पहचान प्रमोद कुमार साह, निवासी कटिहार जिला के रूप में की है। उसके पास मिले टिकट के अनुसार वह कटिहार से अंबाला कैंट की यात्रा कर रहा था। टिकट पर यात्रा की तिथि 2 सितंबर 2026 दर्ज है।प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक ट्रेन से गिरकर पटखौली के पास रेलवे ट्रैक के समीप घायल हुआ था। हालांकि, वह किस ट्रेन से गिरा और घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पटखौली पुलिस ने परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि युवक किस ट्रेन से यात्रा कर रहा था और वह ट्रेन से कैसे गिरा। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

वेतन को लेकर बगहा नगर परिषद के सफाई कर्मियों की फिर हड़ताल, 25 वार्डों में सफाई ठप

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। दैनिक मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर बगहा नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने एक माह बाद फिर हड़ताल शुरू कर दी है। गुरुवार को बगहा-1 और बगहा-2 क्षेत्र के सभी 25 वार्डों में सफाई कार्य पूरी तरह बंद रहा। सफाई कर्मियों के हड़ताल पर जाने से शहर में कचरा उठाव और सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है। सफाई कर्मियों का कहना है कि पिछले माह हड़ताल के दौरान नगर परिषद की ओर से दैनिक मजदूरी 400 रुपये करने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद कर्मियों ने हड़ताल समाप्त कर काम शुरू कर दिया था। अब 400 रुपये के बजाय 350 रुपये दैनिक मजदूरी देने की बात कही जा रही है, जिससे कर्मियों में नाराजगी है। सफाई कर्मी डीपलाल ने बताया कि पहले उन्हें 350 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलती थी। पिछले माह हड़ताल के दौरान 400 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन मिलने के बाद सभी कर्मियों ने काम शुरू किया था। उन्होंने कहा कि जब तक 400 रुपये दैनिक मजदूरी देने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक सफाई कार्य शुरू नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले माह दैनिक मजदूरी बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर सफाई कर्मियों ने करीब आठ दिनों तक हड़ताल की थी। उस दौरान शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी और 20 टन से अधिक कचरा जमा हो गया था। हड़ताल समाप्त होने के बाद नगर प्रशासन ने विशेष अभियान चलाकर कचरे का उठाव कराया था।

अपराध नियंत्रण व जनजागरूकता को लेकर विद्यालय में पुलिस ने किया जागरूक

मैनाटांड़। लक्ष्मीपुर मर्जादवा प्लस टू उच्च विद्यालय लक्ष्मीपुर मर्जादवा में गुरुवार को पुरुषोत्तमपुर पुलिस की ओर से अपराध नियंत्रण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को विभिन्न प्रकार के अपराधों से बचाव, सतर्कता तथा आपात स्थिति में पुलिस से सहायता लेने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष कमलेश भगत ने कहा कि आम लोगों की सजगता और पुलिस के साथ सहयोग से अपराध पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम, हत्या, लूट समेत अन्य आपराधिक घटनाओं की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने बताया कि दुर्घटना, अगलगी, रास्ता भटकने अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में 112 पर कॉल कर पुलिस की सहायता ली जा सकती है। वहीं, साइबर अपराध से बचाव को लेकर छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से जागरूक किया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते से संबंधित जानकारी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय विवरण साझा नहीं करना चाहिए। साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिला उत्पीड़न, बाल श्रम एवं मानव तस्करी जैसी घटनाओं की सूचना पुलिस को देने की अपील भी की गई। पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी अपराध एवं साइबर ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

त्रिशूली कटान से पृथ्वी राजमार्ग बाधित, काठमांडू-हेटौंडा के लिए वैकल्पिक रूट तय

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। त्रिशूली नदी में आई बाढ़ और कटान के कारण धादिङ के कृष्णभीर क्षेत्र में पृथ्वी राजमार्ग क्षतिग्रस्त होने से काठमांडूझहेटौंडा आवागमन प्रभावित हो गया है। इसके बाद स्थानीय प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों के संचालन के लिए वैकल्पिक मार्ग और नई यातायात व्यवस्था लागू की है। नई व्यवस्था के अनुसार काठमांडू से हेटौंडा जाने वाले छोटे वाहन फर्पिङझ फाखेलझकुलेखानीझभीमफेदी मार्ग से जाएंगे। वहीं हेटौंडा से काठमांडू आने वाले छोटे वाहनों के लिए भीमफेदीझ कुलेखानीझसिस्नेरीझदक्षिणकाली मार्ग निर्धारित किया गया है। बड़े एवं मालवाहक वाहनों के लिए काठमांडू से हेटौंडा जाने का मार्ग चापागाउँझ भट्टेडाँडाझठिङ्गन और हेटौंडा से

काठमांडू आने का मार्ग भैंसेझपालुङझ टिस्टुङझनौबिसे निर्धारित किया गया है। ठिङ्गन मार्ग से जाने वाले वाहनों को शाम छह बजे तक ठिङ्गन चेकपोस्ट पार करना होगा। प्रशासन ने त्रिखण्डी के पास बेलिब्रिज की कमजोर भारवहन क्षमता को देखते हुए ईंधन टैंकर और भारी मालवाहक वाहनों को पुल से नहीं गुजरने की अपील की है। ऐसे वाहनों को पुल के पास बनाए गए डायवर्सन का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। पृथ्वी राजमार्ग के कृष्णभीर में त्रिशूली नदी की कटान से सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके चलते वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है और काठमांडूझहेटौंडा यात्रा में सामान्य से अधिक समय लग रहा है।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, महिला समेत 11 घायल

बगहा। भैरोगंज थाना क्षेत्र के मंझरिया गांव में बुधवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना में एक महिला समेत दोनों पक्षों के करीब 11 लोग घायल हो गए। सूचना पर 112 की टीम और भैरोगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को बगहा अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। विवादित जमीन को लेकर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई, जिसके बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। प्रथम पक्ष से बृजकिशोर चौबे, सत्यानंद चौबे, अनिल चौबे और रिंडू उर्फ चैतन्य चौबे घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से रेखा देवी, बैद्यनाथ पटेल, निक्षत्र पटेल, देवनाथ चौधरी, नितेश पटेल, धर्मेंद्र पटेल और सत्येंद्र पटेल घायल बताए गए हैं।दोनों पक्षों के आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। जमीन के वास्तविक स्वामित्व और दस्तावेजों की स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केवट ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और थाना की तीन गाड़ियों से घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। फिलहाल सभी का इलाज चल रहा है। किसी भी पक्ष की ओर से थाने में आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेडियेशन फॉर नेशन के सफलता को ले हुई बैठक

बेतिया।मेडिएशन 3.0 के सफलता हेतु प्राधिकार के सचिव धीरेंद्र कुमार पांडे ने विधिक संघ के अधिवक्ता गण के साथ बैठक की। सचिव ने कहा कि आप सभी अपने पक्षकारों को मध्यस्थता के माध्यम से उनके वादों को सुलह करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत में भी पक्षकारों के सुलहनीय वादों का आपसी सहमति के आधार पर निपटारा किया जा सकता है। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा सभी विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित कर पक्षकारों को उनके वादों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह कराने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके। सचिव ने जोर देकर कहा कि इस लोक अदालत में 90 दिन से पुराने ट्रैफिक चलान के मामलों का भी 50 प्रतिशत छूट राशि के लाभ देखकर उनके चालान मामलों का भी निष्पादन किया जाएगा। अतः आप सभी अपने स्तर से भी अपने पक्षकारों में इसके प्रति जागरूकता फैलावें ताकि इस नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

नशे में धुत चालक का कहर: तेज रफ्तार विक्टा ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक समेत चार घायल

धरहरा (मुंगेर) धरहरा थाना क्षेत्र के जसीडीह-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर बुधवार को शराब के नशे में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। नशे में धुत विक्टा चालक ने सामने से आ रहे ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा सड़क किनारे पलट गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जसीडीह निवासी राजीव उर्फ रजिया मंडल गोविंदपुर से जसीडीह की ओर विक्टा लेकर तेज रफ्तार में जा रहा था। वह नशे में पूरी तरह धुत था। जसीडीह गांव से करीब सौ मीटर पहले ही विपरीत दिशा से धरहरा की ओर से गोविंदपुर जा रहे ई-रिक्शा में उसने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक छोटू सिंह और उसमें सवार यात्री काजल देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। काजल देवी दर्द से जमीन पर ही पड़ी रहीं। उन्होंने बताया कि उनकी कमर और पैर में गंभीर चोट आई है और वह उठ भी नहीं पा रही हैं। दो अन्य घायल यात्री भी इस हादसे में जख्मी हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही धरहरा थाना पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल धरहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां काजल देवी और चालक छोटू सिंह का इलाज चल रहा है। दो अन्य घायल निजी क्लीनिक में इलाज करा रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि हादसे के बाद विक्टा चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने विक्टा वाहन को जब्त कर लिया है। घायलों के आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बंद घरों से चोरों ने उड़ाया जेवर सहित लाखों का सामान

मुंगेर। नया रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौवागढ़ी निवासी श्रवण साह के बंद घर से अज्ञात चोरों ने जेवर सहित लाखों रुपये के सामान की चोरी कर ली।पीड़ित श्रवण कुमार ने बताया कि वे लोग घर से बाहर गए हुए थे और घर में ताला लगा हुआ था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर जेवरात, पांच गैस सिलेंडर, फ्रिज, कूलर, बर्तन सहित लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद उन्होंने इसकी लिखित शिकायत नया रामनगर थाना में दी है।

वहीं नया रामनगर थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि आवेदक द्वारा अज्ञात चोरों के विरुद्ध आवेदन दिया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिशु विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। नगर स्थित सुभाष चंद्र कादंबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, झील पथ के प्रांगण में गुरुवार, 3 सितंबर को जन्माष्टमी के पूर्व अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के वंदना सभा स्थल पर प्रातःकाल किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यालय के भैया-बहनों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के मनमोहक स्वरूप में सजकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा श्रीकृष्ण, राधा एवं गोपियों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम के दौरान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित माखन चोरी का मनमोहक दृश्य, राधा-कृष्ण की गोपियों के साथ रासलीला तथा श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन की भावपूर्ण झांकियां प्रस्तुत की गईं। बच्चों की शानदार प्रस्तुति देखकर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी बाल लीलाओं और मित्रता के महत्व को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य कुमोद, निरंजन , सावन विनय करण, अजीत, अनामिका, मेनका मनीषा, रानी, अमृता एवं गीता सहित विद्यालय के सेवक-सेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिहार वानिकी कॉलेज मुंगेर में दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

मुंगेर। बिहार वानिकी कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, मुंगेर में बी.एससी. (ऑनर्स) फॉरेस्ट्री सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी छात्रों के लिए आयोजित 15 दिवसीय इंडक्शन-कम-फाउंडेशन प्रोग्राम दीक्षारंभ का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम 20 अगस्त से 3 सितंबर तक चला। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार पासवान ने की। इस दौरान छात्रों को पाठ्यक्रम, शैक्षणिक व्यवस्था, कैंपस भ्रमण, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व विकास को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षकों के साथ परिचयात्मक सत्र में छात्रों का संकोच दूर कर उन्हें नए माहौल से जोड़ा गया।

पंचायत चुनाव परिसीमन कार्य को ले कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के त्रुटिरहित एवं समयबद्ध परिसीमन की तैयारी तेज हो गई है। इसे लेकर गुरुवार को दारौंदा प्रखंड सभागार में विभिन्न विभागों से प्रतिनियुक्त कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण बीडीओ सिम्पी कुमारी एवं पंचायती राज पदाधिकारी कुमार कार्तिकेय के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से वीडियो एवं तकनीकी जानकारी देकर कर्मियों को मोबाइल एप पर परिसीमन से संबंधित कार्य करने की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना 2011 के आधार पर तैयार एन्यूमरेशन ब्लॉक के अनुसार संबंधित राजस्व गांवों की चौहद्दी का विवरण मोबाइल एप पर दर्ज किया जाएगा।

परिसीमन कार्य के तहत प्रत्येक क्षेत्र के नौ महत्वपूर्ण दिशा बिंदुओं की भी प्रविष्टि की जाएगी। इनमें उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम तथा केंद्र बिंदु शामिल हैं। इन सभी बिंदुओं के अक्षांश एवं देशांतर भी एप के माध्यम से दर्ज किए जाएंगे।कार्य के लिए शिक्षकों, पंचायत कार्यपालक सहायकों, ग्रामीण आवास सहायकों, कृषि समन्वयकों, पंचायत सचिवों समेत अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रतिनियुक्त टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर सूचनाओं का सत्यापन करेंगी। अधिकारियों ने कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में त्रुटिरहित तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।प्रशिक्षण में पंचायत सचिव प्रफुल्ल कुमार कर्ण, धर्मेंद्र मांझी, कुमार विभव, अशोक कुमार यादव, वेद प्रकाश सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर प्रसारित जिला अटेंडेंट रिक्वायरमेंट 2026 का विज्ञापन फर्जी एवं भ्रामक है :जिला प्रशासन

■ इस तरह का फर्जी एवं भ्रामक विज्ञापन प्रसारित करने वाले पर होगा मुकदमा

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर ।सोशल मीडिया एवं विभिन्न माध्यमों से मुंगेर जिला में मुंगेर जिला अटेंडेंस रिक्वायरमेंट 2026 के नाम से एक विज्ञापन प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें अटेंडेंट के 31 पदों पर नियुक्ति, वेतनमान, आयु सीमा, ऑफलाइन आवेदन तथा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 सितम्बर 2026 आदि का उल्लेख किया गया है। जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है कि उक्त विज्ञापन फर्जी एवं भ्रामक है। मुंगेर जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार के किसी भर्ती विज्ञापन का प्रकाशन नहीं किया गया है। अतः आमजन एवं नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी उक्त विज्ञापन के आधार पर किसी प्रकार का आवेदन न करें और न ही किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई राशि अथवा अपने व्यक्तिगत दस्तावेज उपलब्ध कराएं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी नियुक्ति/भर्ती से संबंधित अधिकृत विज्ञापन केवल सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्धारित आधिकारिक माध्यमों एवं जिला प्रशासन के आधिकारिक वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाते हैं।

किसी भी भर्ती संबंधी सूचना पर विश्वास करने से पहले अभ्यर्थी उसकी आधिकारिक स्रोत से सत्यता की जांच अवश्य करें। वायरल विज्ञापन में ऑफिस ऑफ द डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मुंगेर जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्मेंट आदि का उल्लेख करते हुए सरकारी प्रारूप एवं प्रतीकों का प्रयोग किया गया है, जिससे आम लोगों को भ्रमित किया जा सकता है।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील किया है कि सरकारी पदों पर नियुक्ति के नाम पर किसी भी व्यक्ति द्वारा पैसे की मांग किए जाने पर सतर्क रहें और ऐसे किसी भी फर्जी विज्ञापन/प्रस्ताव के झांसे में न आएं। जिला प्रशासन, मुंगेर ने आमजन से विशेष रूप से आग्रह किया है कि इस फर्जी विज्ञापन को आगे प्रसारित न करें, ताकि अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को ठगी एवं भ्रम से बचाया जा सके।

अधर में लटका है एक प्रखंड से दूसरे प्रखंड के बीच ग्रामीण सड़क का निर्माण

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर 3 सितंबर) । तारापुर प्रखंड के अंतर्गत पड़ने वाले खैरा डोरांय से चानकेन जलाशय तक जाने वाली सड़क निर्माण को लेकर खड़गपुर के मुढेडी दोनों ही गांव के ग्रामीणों का सपना अधर में लटक कर पूरा नहीं हो सका है। गौरतलब है कि खैरा गांव से चानकेन जलाशय के रास्ते मुढ़ेडी गांव की दूरी करीब 4 किलोमीटर के आसपास ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है। इस कच्ची सड़क के रास्ते लोगों का फिलहाल साइकिल एवं मोटरसाइकिल से आना-जाना भी होता है। खासकर बरसात के समय में पैदल जलाशय तक पहुंचने के लिए दोनों ही गांव के किसानों एवं मजदूरों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ता है। पक्की सड़क का निर्माण होने से खैरा डोरांय गांव ही नहीं बल्कि लौना , भगलपुरा, महमदपुर, पियारपुर , देवगांव, सांढ़ी , मकवा, एवं मुश्कीपुर के ग्रामीणों का मुंगेर मुख्यालय आने जाने का सुगम रास्ता साबित होगा । बताया जा रहा है कि नए सड़क का निर्माण होने से किसानों, मजदूरों, कारोबारियों ,एवं व्यापारियों का रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे । खैरा गांव के जन वितरण प्रणाली के विक्रेता देवेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व मुखिया प्रियम देवी, महेश सिंह इत्यादि ने बताया कि लगभग 20 वर्षों से लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवारों से ग्रामीणों द्वारा इस सड़क के निर्माण कराने की अपनी मांग रखते आ रहे हैं । उस वक्त उनके द्वारा भरोसा जताने की बात कह कर निकल जाते हैं । आगे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर आए हर रोज सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो जा रही है। इस नए सड़क के बनने से क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में भी कमी आएगी। वर्षों पूर्व सड़क निर्माण को लेकर पूर्व विधायक रही स्वर्गीय नीता चौधरी एवं पूर्व विधायक रहे स्वर्गीय डॉक्टर मेवालाल चौधरी ने भी ग्रामीणों को भरोसा दिलाया था । ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव के दौरान खैरा गांव पहुंचने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी सड़क निर्माण कराने को लेकर उनका ध्यान आकृष्ट कराया था।

धरहरा के औड़ाबगीचा में मरीज बेहाल, स्वास्थ्य कर्मी नदारद – चिकित्सा व्यवस्था भगवान भरोसे

प्रात: किरण संवाददाता

ारहरा (मुंगेर)। धरहरा प्रखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र औड़ाबगीचा की चिकित्सा व्यवस्था बुधवार को पूरी तरह भगवान भरोसे दिखी। जिस वक्त जिले में बाढ़ को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं, उसी वक्त यह स्वास्थ्य केंद्र बिना प्रभारी के चलता मिला। बुधवार को दोपहर में किए गए निरीक्षण के दौरान केंद्र पर मरीजों की सेवा और दवा वितरण सहित सभी स्वास्थ्य सुविधाओं की जिम्मेदारी मात्र एक एएनएम रूबी कुमारी के भरोसे थी। केंद्र की प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अर्चना कुमारी ड्यूटी से अनुपस्थित मिलीं। मौके पर मौजूद एएनएम रूबी कुमारी ने बताया कि सीएचओ छुट्टी पर हैं। लेकिन बाढ़ की आपात स्थिति में छुट्टी का यह तर्क सवालों के घेरे में है। विभागीय आदेश के बाद भी सीएचओ की अनुपस्थिति ने स्वास्थ्य महकमे की लापरवाही को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ के कारण क्षेत्र में वायरल बुखार, दस्त, उल्टी और चर्म रोग के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में उप स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकों का न होना ग्रामीणों के जीवन से खिलवाड़ है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से केंद्र पर नियमित चिकित्सकों की तैनाती की मांग की है।इस संबंध में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि यदि सीएचओ अर्चना कुमारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाई गई हैं तो उनसे स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। स्पष्टीकरण असंतोषजनक मिलने पर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पांचवीं के छात्र के पैर पर गिरी जर्जर खिड़की, पिता ने स्कूल प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

■ 75 हजार की रखरखाव राशि, मध्याह्न भोजन और गैस के उपयोग पर भी उठे सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)।धरहरा। प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय धरहरा में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। कक्षा की जर्जर खिड़की गिरने से पांचवीं कक्षा का छात्र विश्वजीत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। खिड़की सीधे उसके दाहिने पैर पर गिरी, जिससे पैर के अंगूठे में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों की मदद से घायल छात्र को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरहरा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना नहीं देने का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा घटना की जानकारी मिलते ही छात्र के पिता नवल चौधरी परिजनों के साथ विद्यालय पहुंचे और जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद विद्यालय प्रशासन ने उन्हें तत्काल सूचना नहीं दी। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर वे स्कूल पहुंचे। पिता का आरोप है कि जिस खिड़की के गिरने से बच्चा घायल हुआ, वह लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी। कई बार शिकायत के बावजूद उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। 75 हजार की रखरखाव राशि के उपयोग पर सवाल विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव राजा कुमार ने कहा कि बैठकों में लगातार विद्यालय की जर्जर व्यवस्था का मुद्दा उठाया जाता है, लेकिन प्रधानाध्यापक द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। उन्होंने विद्यालय को प्राप्त लगभग 75 हजार रुपये की रखरखाव राशि के उपयोग पर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने बताया कि केवल एक ही नहीं, बल्कि पहली और दूसरी कक्षा की खिड़कियों की स्थिति भी काफी जर्जर है। समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कोई और बड़ा हादसा हो सकता है।

इस घटना के बहाने विद्यालय के मध्याह्न भोजन की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अभिभावकों का आरोप है कि सरकार द्वारा गैस सिलेंडर पर भोजन बनाने का निर्देश है, इसके बावजूद विद्यालय में कई बार लकड़ी जलाकर खाना बनाया जाता है। छात्र रितिक कुमार, अनिशा कुमारी सहित अन्य बच्चों ने बताया कि भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं है, इसलिए अधिकांश बच्चे घर से टिफिन लेकर आते हैं। अभिभावकों ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, संचालन और बच्चों की उपस्थिति से संबंधित रिपोर्टिंग की भी जांच की मांग की है।

एसएसबी कैंप हटते ही चोरों ने अधिवक्ता के चेंबर को रात में बनाया निशाना, पांच कुर्सियां चोरी

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। अनुमंडल कार्यालय के समीप अधिवक्ता देवेंद्र यादव के चेंबर में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने चेंबर की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखी पांच कुर्सियां चोरी कर लीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों और अधिवक्ताओं में चिंता का माहौल है।बताया जाता है कि हवेली खड़गपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर में एसएसबी का कैंप था। करीब चार से पांच दिन पहले एसएसबी कैंप को यहां से हटा दिया गया। कैंप हटने के बाद सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने का फायदा चोरों ने उठाया और अधिवक्ता के चेंबर को निशाना बनाया। अधिवक्ता देवेंद्र यादव के अनुसार, चोरों ने पहले चेंबर की खिड़की को तोड़ा और उसके बाद अंदर रखी पांच कुर्सियां लेकर फरार हो गए। चोरी की घटना की जानकारी हवेली खड़गपुर थाना पुलिस को भी दी गई है। घटना के बाद अधिवक्ताओं ने अनुमंडल कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि एसएसबी कैंप हटने के बाद परिसर में निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। इधर अधिवक्ता संघ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पांचों कुर्सी को बरामद कर लिया गया है।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से विद्यालय में घुसा पानी, पठन-पाठन ठप

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत तारापुर दियारा पंचायत के मध्य विद्यालय मनियारचक में गंगा के बाढ़ का पानी घुस गया है, जिसके कारण विद्यालय में पठन-पाठन ठप हो गया है। प्रधानाध्यापक शिवपूजन कुमार राय ने बताया कि कल तक विद्यालय का संचालन सामान्य रूप से हो रहा था, लेकिन आज सुबह जब शिक्षक और छात्र विद्यालय पहुंचे तो देखा कि विद्यालय परिसर सहित सभी कक्षाओं में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। पानी घुसने से पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो गई है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि उन्होंने इसकी लिखित सूचना प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सदर मुंगेर को दे दी है।

वीडियो कॉल जांच में अनुपस्थित मिले शिक्षक बीईओ ने मांगा 24 घंटे में जवाब

धरहरा (मुंगेर)। प्रखंड में शिक्षा विभाग एक्शन मोड में है। धरहरा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय सखौल में तैनात विशिष्ट शिक्षक विकास कुमार की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) भोगेंद्र कुमार ने शिक्षक से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। बीईओ कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, ग्रामीणों की शिकायत और प्रभारी प्रधानाध्यापक की लिखित शिकायत पर 2 सितंबर को मामले की जांच की गई। दोपहर ठीक 12:44 बजे जब बीईओ कार्यालय से वीडियो कॉल के जरिए विद्यालय में शिक्षक की उपस्थिति की जांच की गई, तो विकास कुमार विद्यालय से नदारद मिले। जांच में यह भी गंभीर आरोप सामने आया है कि शिक्षक ने विद्यालय में उपस्थिति तो दर्ज की, लेकिन निर्धारित समय से काफी पहले ही प्रस्थान का समय अंकित कर विद्यालय से निकल गए। बीईओ भोगेंद्र कुमार ने इसे कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ा रुख अपनाया है। नोटिस में पूछा गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए वरीय पदाधिकारियों को अनुशंसा भेजी जाए। शिक्षक को अपना जवाब बीआरसी फुलका में जमा करने का निर्देश दिया गया है। इधर, इस पूरे मामले पर शिक्षक विकास कुमार का पक्ष सामने नहीं आ सका है। उनका स्पष्टीकरण आने के बाद ही विभाग आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगा।

कल मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, रोहिणी नक्षत्र में होगा कान्हा का प्राकट्योत्सव :आचार्य अभिषेक

मोतिहारी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन अवसर पर पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस वर्ष 4 सितंबर शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनायात जाएगा। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर मंदिरों और धार्मिक स्थलों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस वर्ष जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है, जिसे धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना करेंगे। उक्त बातें चकिया प्रखंड स्थित महर्षि गौतम ज्योतिष परामर्श एवं अनुसंधान केन्द्र चम्पारण काशी द्वारा सञ्चालित वैदिक गुरुकुलम के संस्थापक आचार्य अभिषेक कुमार दूबे, आचार्य आशुतोष कुमार द्विवेदी, आचार्य रोहन पाण्डेय ने संयुक्त रूप से बताया । श्री दूबे ने कहा दिनभर व्रत रखने के बाद रात्रि में भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का पंचामृत अभिषेक, श्रृंगार, आरती और भोग अर्पित कर भक्तजन जन्मोत्सव मनाएंगे। मंदिरों में भजन-कीर्तन, श्रीकृष्ण की झांकी और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस कारण इस वर्ष रोहिणी नक्षत्र के संयोग को विशेष महत्व दिया जा रहा है। विभिन्न पंचांगों के अनुसार जन्माष्टमी का मुख्य पर्व 4 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

मौनिया बाबा झंडा मेला को लेकर पुलिस की तैयारी तेज, 400 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई।

सीवान/दारौंदा राजकीय मौनिया बाबा सह महावीरी झंडा मेला शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर दारौंदा थाना पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है। पुलिस ने अब तक विभिन्न गांवों के करीब 400 लोगों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 126 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की है। वहीं, पुलिस अन्य संदिग्ध एवं संवेदनशील लोगों को भी चिह्नित करने में जुटी है। अगले दो-तीन दिनों में निरोधात्मक कार्रवाई की संख्या बढ़ने की संभावना है।

रुकुन्दीपुर में नौ सितंबर को महावीरी झंडा मेला, 10 सितंबर को मौनिया बाबा सह महावीरी झंडा मेला का जुलूस और 11 सितंबर को मेला आयोजित किया जाएगा। मेले के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि संवेदनशील लोगों पर नजर रखी जा रही है। मेला एवं जुलूस के दौरान किसी भी तरह का उपद्रव या अशांति फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है।

बारिश में बह गया खेल मैदान का फुटपाथ, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

■ पहली ही तेज बारिश में लाखों की योजना की खुली पोल, जांच की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड क्षेत्र की मुरादे पंचायत के वार्ड नंबर आठ स्थित सपाही खेल मैदान में ग्रामीण युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराए गए विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। लाखों रुपये की लागत से मैदान में बनाए गए नए फुटपाथ के किनारे किया गया मिट्टी का भराव तेज बारिश के पानी में बह गया। पहली ही बारिश में निर्माण की स्थिति सामने आने से ग्रामीणों और खिलाड़ियों में नाराजगी है। ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत स्तर से सपाही मैदान के विकास और सौंदर्यीकरण के नाम पर सरकारी राशि खर्च कर फुटपाथ समेत अन्य कार्य कराए गए थे। निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय युवाओं को उम्मीद थी कि अब उन्हें गांव में ही बेहतर खेल मैदान और अभ्यास की सुविधा मिलेगी। लेकिन बारिश शुरू होते ही फुटपाथ के किनारे की मिट्टी बहने लगी और कई जगह निर्माण प्रभावित हो गया। इससे मैदान की स्थिति भी खराब हो गई है।

जल निकासी की व्यवस्था पर भी सवाल :

ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ-साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाया है। उनका कहना है कि निर्माण के दौरान यदि निर्धारित मानकों का सही तरीके से पालन किया गया होता और बारिश के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए होते तो पहली ही तेज बारिश में फुटपाथ के आसपास की मिट्टी इस तरह नहीं बहती। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी किए जाने के कारण सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद इसका अपेक्षित लाभ खिलाड़ियों को नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से स्थल का निरीक्षण कर पूरे निर्माण कार्य की जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

मनरेगा अधिकारी ने जांच का दिया भरोसा

मामले को लेकर मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। स्थल की जांच कराई जाएगी। आवश्यकता के अनुसार क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराने की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि खेल सुविधाओं के नाम पर सरकारी राशि खर्च करने का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब निर्माण कार्य टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण हो। पहली ही बारिश में फुटपाथ का इस तरह क्षतिग्रस्त होना निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों ने जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय करने और मैदान को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है।

1501 कन्याओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंजा सुगांव

प्रात: किरण संवाददाता

सुगौली, पू.च. प्रखंड क्षेत्र के सुगांव स्थित मठ परिसर में श्री श्री 108 श्रीमद्भागवत महापुराण यज्ञ को लेकर गुरुवार को भव्य जल यात्रा निकाली गई। जल यात्रा में 1501 कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा प्रस्तुत किया।इससे पूर्व मंदिर परिसर में विद्वान आचार्य ने जजमान से विधिवत पूजा-अर्चना कराई।

गाजे-बाजे, हाथी और घोड़े के साथ निकली भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। वहीं राधा-कृष्ण के भक्ति गीतों पर नवयुवकों ने उत्साह के साथ रंग जमाया। जल यात्रा पूजा परिसर से निकलकर पूरे सुगांव गांव का भ्रमण करते हुए मुख्य पथ के रास्ते सुगांव मन घाट पहुंची।

घाट पर कुंवारी कन्याओं ने कलश रखे, जहां विद्वान आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। इसके बाद नदी से पवित्र जल भरकर कन्याएं कलश लेकर पुनः पूजा परिसर पहुंचीं। यहां धार्मिक अनुष्ठान के बीच कलश स्थापित किया गया।

कथा वाचक श्री श्री 108 श्यामनन्दन दास ने बताया कि मठ परिसर सुगांव में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन एक सप्ताह तक किया जाएगा।

जलालपुर में जन सुराज की बैठक संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। प्रखंड क्षेत्र के जलालपुर गांव में गुरुवार को जन सुराज कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता जन सुराज के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह ने की। बैठक में संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रखंड कार्यसमिति का गठन कर नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कार्यक्रम में जन सुराज के जिलाध्यक्ष उपेंद्र सिंह एवं वरिष्ठ नेता केके सिंह ने नवनियुक्त कार्यकर्ताओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। प्रमाण पत्र मिलने के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।

जिलाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने कहा कि जन सुराज लगातार बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने में जुटा है। उन्होंने दावा किया कि बांकेपुर विधानसभा चुनाव के बाद आगामी विधानसभा चुनाव में पूरे बिहार में जन सुराज की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि जन सुराज आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। संगठन की ओर से पंचायत चुनाव में सभी पदों पर उम्मीदवार खड़ा करने की तैयारी की जा रही है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर संगठन की नीतियों और विचारों को लोगों तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को जन सुराज से जोड़ने की अपील की।

बैठक में नवनियुक्त कार्यसमिति सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई।

नेताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर निर्भर करती है।कार्यक्रम में डॉ. शबिना जावेद, जय करण महतो, अवधेश यादव, मनीष तिवारी, मीना देवी, मिथिलेश सिंह, विजय गिरि, विजय सिंह, निर्भय शंकर दूबे, राकेश कुमार गिरि, सुरेंद्र राय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के तहत शिविर का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। बिहार सरकार के निदेशानुसार गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर जिले के सभी अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज माइक्रोप्लान के अनुरूप कोटवा प्रखण्ड अंतर्गत मछरगांवा पंचायत के नवादा गाँव में आयोजित शिविर का जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा पर्यवेक्षण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान शिविर में उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला सांख्यिकी पदाधिकारी द्वारा वंचित लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने पर बल दिया गया।

इस अवसर पर कोटवा प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चिरंजीव पाण्डेय द्वारा शिविर में प्रतिनियुक्त सभी कर्मियों को निर्देश दिया गया कि सभी लाभुकों के साथ सौजन्यतापूर्ण व्यवहार करते हुए ससमय उनकी समस्याओं का निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र लाभुक सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

शिविर में प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी सुमित कुमार,प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पोलो मैदान किला परिसर मुंगेर में आगामी 5 सितंबर को लगेगा रोजगार मेला

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । बिहार सरकार युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के निर्देश पर मुंगेर जिला नियोजनालय के सौजन्य से आगामी 05 सितंबर 2026 को एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन पोलो मैदान जिला परिषद क्षेत्र में किया गया है ।इस जिला स्तरीय रोजगार मेला में मुंगेर जिले के स्थानीय नियोजक के साथ-साथ बिहार तथा बिहार के बाहर के नियोक्ताओं के द्वारा विभिन्न क्षेत्र में रोजगार के अवसर युवाओं को प्रदान किए जाएंगे। साथ ही विभागीय स्टॉल्स के माध्यम से विभिन्न योजनाओ की जानकारी लोगो को प्रदान की जाएगी।इस की जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने दी है।

उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों जैसे मैन्यूफैक्चरिंग, रिटेल, ऑटोमोबाइल (वाहन संबंधी), बैंकिंग-फाइनेंस, लॉजिस्टिक, इंश्योरेंस इत्यादि की कंपनियां जैसे बेटा कि डूस स्कूल रिलायंस ट्रेंड्स, शांति फोटो एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस , यूजेस कॉर्प जेपटो, जैसी कंपनियां के साथ अन्य बड़ी कंपनियां भाग ले रही है। इस रोजगार मेले में निम्नतम आठवीं दसवीं 12वीं आईटीआई डिप्लोमा ग्रेजुएट तकनीकी अथवा गैर तकनीकी योग्यता रखने वाले युवक एवं युवतियों के पास रोजगार पाने का मौका होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी तथा विभिन्न विभागीय स्टॉल्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। मुंगेर जिले के युवाओं के लिए यह एक सुनहरा मौका है ।

पंजाब में नशे का हिसाब जुटा रही सरकार, 55 लाख परिवारों तक पहुंचा सर्वे; एआई ने 7.24 एंट्रिज जांच के लिए भेजीं

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में नशे की स्थिति और इससे प्रभावित परिवारों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए शुरू किया गया पहला ड्रग एंड सोशल-इकोनामिक सेंसस लगभग पूरा हो गया है। सरकार ने 30 अगस्त तक 55.61 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 55.36 लाख परिवारों का सर्वे कर लिया है। इस तरह लक्ष्य का 99.56 प्रतिशत हिस्सा कवर किया जा चुका है। हालांकि, 3,48,692 परिवारों ने सर्वे में सहयोग नहीं किया या सर्वे से इन्कार कर दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 55.36 लाख परिवारों को कवर करने के दौरान 51.88 लाख सर्वे ऐसे रहे, जिन्हें गुणवत्ता जांच के लिए एआइ आधारित प्रणाली के माध्यम से परखा गया।

इनमें से 44.63 लाख सर्वे एआइ प्रणाली ने स्वीकार कर लिए, जबकि 7.24 लाख सर्वे को एआइ ने अस्वीकार करते हुए मैनुअल गुणवत्ता जांच के लिए भेजा। यह कुल जांचे गए सर्वे का 13.96 प्रतिशत था।

सरकारी सूत्र के अनुसार मैनुअल जांच के लिए भेजे गए 7.24 लाख मामलों में से 7.23 लाख की जांच पूरी हो चुकी है। इनमें 6.77 लाख सर्वे संपादन के बाद स्वीकार

कर लिए गए। मैनुअल जांच के बाद केवल 19,432 सर्वे ऐसे बचे, जिन्हें अस्वीकार श्रेणी में रखा गया। यह गुणवत्ता जांच के लिए पात्र कुल सर्वे का महज 0.37 प्रतिशत है।

अमृतसर सबसे आगे, फरीदकोट पीछे

जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर ने निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। यहां 4,75,079 के लक्ष्य के मुकाबले 4,80,030 सर्वे किए गए, जो 101.04 प्रतिशत है। मानसा, तरनतारन, संगरूर और फिरोजपुर ने भी 100 प्रतिशत से अधिक कवरेज हासिल किया। फाजिल्का, मोगा और पठानकोट ने अपना निर्धारित लक्ष्य पूरा कर लिया। सबसे कम कवरेज फरीदकोट में 95.32 प्रतिशत रही। इसके बाद एसएएस नगर 98.04, रूपनगर 98.13 और लुधियाना 98.15 प्रतिशत पर रहा। हालांकि संख्या के लिहाज से सबसे बड़ा अंतर लुधियाना में रहा, जहां लक्ष्य 6,58,844 के मुकाबले 6,46,634 सर्वे हुए। यहां 12,210 परिवार लक्ष्य से कम रहे।

अप्रैल में शुरू किए गए इस सर्वे में करीब 28 हजार सरकारी कर्मचारियों को लगाया गया था। इसका उद्देश्य सिर्फ नशा करने वालों की पहचान करना नहीं था, बल्कि नशे की प्रकृति, लत की अवधि, उपचार की स्थिति और नशामुक्ति केंद्र तक पहुंच जैसी जानकारी जुटाना भी था। परिवार में शिक्षा, रोजगार, मासिक आय, जमीन, कर्ज, पलायन और विदेश जाने से जुड़ी जानकारी भी ली गई। सर्वे में जाति और उपजाति तथा सरकारी सेवाओं, स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, धार्मिक स्थलों और पानी के स्रोतों तक पहुंच के दौरान भेदभाव से जुड़े सवाल भी शामिल थे। विपक्ष ने इतने व्यापक सवालों को लेकर सरकार पर 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक और जनभावना से जुड़ा डाटा जुटाने का आरोप लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के बागलकोट में पढ़ाई के दौरान गिरी स्कूल की छत, 6 छात्र घायल

बागलकोट, एजेंसी। कर्नाटक के बागलकोट के अंतर्गत आने वाले मुगल्लोल्ली टांडा में एक सरकारी स्कूल की कंक्रीट की छत उस समय गिर गई जब कक्षाएं चल रही थीं, जिससे छह छात्र घायल हो गए। बागलकोट जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन बाले ने एक बयान में कहा कि इस घटना में मामूली रूप से घायल हुए सभी छह छात्र सुरक्षित हैं और उन्हें अस्पताल में उचित इलाज दिया जा रहा है। सीईओ ने कहा कि पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग को स्कूल की इमारत के क्षतिग्रस्त हिस्से की तुरंत मरम्मत करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने घायल छात्रों की हालत और उनके इलाज की निगरानी के लिए अस्पताल का दौरा किया। जिन माता-पिता ने स्कूल की जर्जर हालत को लेकर चिंता जताई थी, उन्होंने इसकी पक्की मरम्मत और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है। बाले ने बताया कि प्रशासन को मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

जेपीएनआईसी की बदहाली देख भड़के अखिलेश, बोले- भाजपा को न इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी न भविष्य की

लखनऊ, एजेंसी। पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को 9 साल बाद बुधवार को खोला गया। इसकी बदहाली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सपा प्रमुख ने जेपीएनआईसी की बदहाली पर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए भाजपा की नीतियां और उनकी सोच पर कड़े सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपाइयों की ठहरी हुई सोच पर सिर्फ काई जमती है या जंग लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ आजादी के आंदोलन में शहीदों के खिलाफ उपनिवेशवादियों की मुखबरी करने वालों का इतिहास हमेशा स्वतंत्रता सेनानियों का विरोधी रहा है, तो दूसरी तरफ भाजपाइयों का पुरातनपंथी और तंग नजरिया आज आधुनिकता व प्रगति का विरोध कर रहा है। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपा और उनके संगी-साथियों को न तो इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी और न ही भविष्य की पीढ़ियां, जबकि वर्तमान पीढ़ी के वे पहले से ही गुनाहगार हैं। अपने पोस्ट के अंत में उन्होंने 'भाजपा खत्म' लिखकर सत्तारूढ़ दल के प्रति अपना कड़ा राजनीतिक विरोध दर्ज कराया। बता दें कि हाल ही में सीएम योगी ने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनियों को लीज पर देने का आदेश दिया था।

धार में बारिश में भीगी बच्चों की किताबें, धूप में सुखाने के लिए बिछाईं

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार में स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय सूरजपुरा की

बदहाल स्थिति का एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विद्यालय के बच्चे वर्षा के कारण गीली हुई अपनी पाठ्य पुस्तकों को धूप दिखाकर सुखाते नजर आ रहे हैं। किताबों को सुखाने की यह तस्वीर विद्यालय भवन की स्थिति और बच्चों को मिल रही शैक्षणिक सुविधाओं पर सवाल खड़े कर रही है। वर्षा के दौरान विद्यालय भवन में पानी पहुंचने के कारण बच्चों की पाठ्य पुस्तकें भीग गईं। इसके बाद छात्र-छात्राओं को उन्हें सुखाने के लिए धूप में रखना पड़ा। पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंचे बच्चों का यह दृश्य इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित विद्यालय में यदि बच्चों की किताबें सुरक्षित नहीं रह पा रही हैं।

कर्नाटक से मालदा लाए गए 31 बांग्लादेशी घुसपैठिए

मालदा, एजेंसी। कर्नाटक में विभिन्न थाना क्षेत्र से गिरफ्तार 31 बांग्लादेशी घुसपैठियों को बंगाल के मालदा लाया गया। मालदा टाउन स्टेशन पहुंचने के बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां के होल्डिंग सेंटर ले जाया गया है। नियमों के अनुसार बाद में उन्हें पुशबैक किया जाएगा। मालदा जिला पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि आगे की कार्रवाई नियमों के मुताबिक की जाएगी। सूत्रों के अनुसार कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के दस थाना इलाके से इन लोगों को गिरफ्तार किया। अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में इनको पकड़ा गया है। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। कर्नाटक पुलिस की 20 सदस्यों की एक विशेष सुरक्षा टीम एसएमवीटी बेंगलुरु टर्मिनल से ट्रेन द्वारा इन बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर मालदा पहुंची।

देश के सभी राज्यों में दौड़ेगी बाइक टैक्सी? गडकरी का नया प्लान तैयार, ट्रैफिक नियम पर किया बड़ा एलान

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी सेवाओं को अनुमति देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे करीब आठ करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है। गडकरी ने 'सुरक्षा' नामक पायलट कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान यह बात कही। इस कार्यक्रम के तहत हाईवे निर्माण और खदानों में काम करने वाले ड्राइवरों तथा हाई-रिस्क वर्कर्स के लिए मौके पर मुफ्त मेडिकल जांच और काउंसलिंग की जाएगी। कार्यक्रम महाराष्ट्र के नागपुर-काम्पटी क्षेत्र (एनएच-44) और चंद्रपुर की माइनिंग बेल्ट में 150 किलोमीटर क्षेत्र में लागू होगा। इसमें 10 हजार लोगों को शामिल करने का लक्ष्य है। उन्होंने ड्राइवरों के स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए ड्राइवरों की सेहत बहुत जरूरी है। आंखों की देखभाल और काम की प्रकृति से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। गडकरी ने बताया कि केंद्र ने निजी दोपहिया वाहनों (स्कूटर और मोटरसाइकिल) को यात्री परिवहन की अनुमति दे दी है, लेकिन कुछ राज्य अभी भी इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। परिवहन राज्य का विषय है। उन्होंने राज्यों से अनुरोध किया कि वे इसे मंजूरी दें, क्योंकि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोगों को आजीविका का साधन मिलेगा। मंत्री ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन कर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लाया जाएगा। हर उल्लंघन पर पॉइंट कटेंगे। एक निश्चित सीमा पार होने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड या रद किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि बार-बार उल्लंघन करने वालों (हैबिटुअल ऑफेंडर्स) के खिलाफ यह व्यवस्था जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देगी।

थ्री-लेयर सिक्योरिटी तोड़ी, अलार्म बंद किए और सीसीटीवी पर पेंट स्प्रे किया... चेन्नई के मंदिर से बेशकीमती मूर्ति चोरी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में मदुरंतकम के पास एक पहाड़ी पर बने मंदिर से भगवान मुरुगन की पन्ने से बनी बेशकीमती मूर्ति चोरी हो गई। मंगलवार रात चोरों ने तीन-स्तरीय सुरक्षा घेरे को तोड़ा, अलार्म बंद किया और कैमरों पर पेंट स्प्रे कर दिया। यह चोरी पेरुंगकरनई गांव के श्री मरगथा बाला दंडायुधपाणि मुरुगन मंदिर में हुई, जिसे भक्त नाडू पलानी के नाम से जानते हैं। मुख्य देवता की यह मूर्ति 2.25 फीट ऊंची है और पूरी तरह से पन्ने से बनी है। इसे मैसूर से लाकर 2008 में मंदिर में स्थापित किया गया था। पुलिस ने क्या बताया? मूर्ति की कीमत को देखते हुए पुलिस ने बताया कि गर्भगृह तक पहुंचने के रास्ते को तीन मजबूत सुरक्षा दरवाजों और लोहे के शटर से सुरक्षित किया गया था। इसके अलावा, घुसपैठ होने पर बजने वाला एक अलार्म सिस्टम भी लगा हुआ था। मंदिर के आस-पास अहम जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। पुलिस को शक है कि चोरों के गिरोह को मंदिर और उसकी सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी थी, जो शायद उन्होंने भक्तों का भेष धरकर रेकी (निरीक्षण) के दौरान जुटाई होगी। जांचकर्ताओं ने बताया कि चोर मंदिर के पीछे बनी एक विशाल मूर्ति पर चढ़कर पिछले दरवाजे तक पहुंचे और फिर गर्भगृह की ओर बढ़े। चोर लोहे के तीन सुरक्षित दरवाजों को पार करके गर्भगृह तक पहुंचने में कामयाब रहे। पुलिस ने बताया कि मूर्ति को उसके चबूतरे से हटाने से पहले उन्होंने सिक्योरिटी अलार्म के कनेक्शन काट दिए, ताकि वह बज न सके। मूर्ति लेकर भागने से पहले उन्होंने सीसीटीवी कैमरों पर पेंट स्प्रे कर दिया ताकि उनकी हरकतें और पहचान रिकॉर्ड न हो सकें। वे रात करीब 1:30 बजे वहां से भागे। पुलिस का कहना है कि जिस तरह से सिक्योरिटी सिस्टम को बेकार किया गया, उससे लगता है कि चोरों को मंदिर की व्यवस्थाओं के बारे में पहले से जानकारी रही होगी। पुलिस ने बताया कि मंदिर में रात के समय सिर्फ एक सिक्योरिटी गार्ड था और वह ग्राउंड फ्लोर पर गश्त करता था। चोरी का पता बुधवार सुबह चला, जब पुजारी और मंदिर के एडमिनिस्ट्रेटर वहां पहुंचे और मूर्ति गायब पाई। उन्होंने तुरंत चिथामुर पुलिस को सूचना दी। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने मंदिर का मुआयना किया, जबकि फोरेंसिक एक्सपर्ट्स ने गर्भगृह और आसपास के इलाकों से फिंगरप्रिंट और अन्य सबूत इकट्ठा किए।

कांगो में इबोला का कहर जारी: मई से 3000 से ज्यादा लोगों की मौत, तेजी से फैल रही बीमार

बुनिया (कांगो), एजेंसी। कांगो में इबोला के प्रकोप से 3,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 6,100 से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार को जारी सरकार के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। बीमारी बहुत तेजी से फैल रही है। इसकी रफ्तार इतनी ज्यादा है कि इसे रोकने और इसके प्रसार पर नजर रखने की कोशिशें पीछे छूट रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस प्रकोप में अब तक इबोला के 6,186 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें 3,007 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा मई के मध्य से अब तक का है। इसी समय इबोला को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया था। यह अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला प्रकोप बना हुआ है।

बुनिया के रहने वाले जीन-क्लॉड अंगवांजिया ने बताया कि वह इतुरी प्रांत के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके मंबासा से निकल गए। उन्हें वहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को बहुत कम देखा। संक्रमित लोगों के शवों को भी ठीक तरीके से नहीं संभाला जा रहा था। इससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। उन्होंने कहा कि इलाके में मंडरा रहे

खतरे की वजह से उन्हें वहां से भागना पड़ा। इस बीमारी के इतनी तेजी से फैलने से लोगों की जिंदगी पर भी असर पड़ रहा है। बुनिया में सार्वजनिक परिवहन चलाने वाले पैपी बाराका को अपनी गाड़ी में बैठाने वाले यात्रियों की संख्या कम करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि बीमारी की वजह से हर किसी की जान खतरे में है। रोजमर्रा की जिंदगी लगभग रुक गई है। लोगों में डर है।

हाल के हफ्तों में इबोला के मामले तेजी से बढ़े हैं। पिछले हफ्ते उत्तरी किवु के दो और स्वास्थ्य क्षेत्रों में वायरस पहुंच गया। यहां मौत की दर दूसरे प्रभावित प्रांतों से काफी ज्यादा है। अब तक वायरस छह प्रांतों में फैल चुका है। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि संक्रमण को रोकने की कोशिशें तय किए गए लक्ष्यों से पीछे हैं। कई क्षेत्रों में बीमारी तेजी से फैल रही है। यह प्रकोप के बेकाबू विस्तार का संकेत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर मामले पहले से पता चली संक्रमण की कड़ियों के बाहर सामने आ रहे हैं। नए संक्रमित लोगों में केवल 15 से 20 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो पहले से पहचाने गए संक्रमित लोगों के संपर्क में आए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने बुधवार को कहा कि संक्रमण फैलने की कुछ कड़ियों के बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों को जानकारी ही नहीं है।

उन्होंने कहा कि जब तक संक्रमण फैलने वाली हर कड़ी का पता लगाकर उसे रोका नहीं जाता, तब तक यह महामारी जारी रहेगी। इससे कांगो, उसके पड़ोसी देशों और पूरे क्षेत्र के लिए खतरा बना रहेगा। स्वास्थ्यकर्मी बेहद मुश्किल हालात में काम कर रहे हैं। वे अपने वेतन की मांग को लेकर कई बार हड़ताल भी कर चुके हैं। बीमारी के तेजी से फैलने के पीछे कई कारण हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- जंग ज्यादा लंबी नहीं चलेगी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान के साथ जारी युद्ध अब 'बहुत ज्यादा लंबा' चलेगा। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के कुछ दिन बाद ट्रंप का यह बयान आया है। दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पिछली रात ईरान पर 'बहुत बड़ा हमला' किया था। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हाल में लगाए गए सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया गया। इनमें रडार और मिसाइल से जुड़ी प्रणाली शामिल थे।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने पिछली रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि ईरान ने हल्का जवाब दिया, लेकिन अमेरिका ने बहुत जोरदार हमला किया। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का 'बहुत मजबूत नियंत्रण' है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सैनिकों ने इस अहम समुद्री मार्ग से बारूदी सुरंगें हटा दी हैं। अमेरिकी सेना

ऐसे जहाजों को भी वहां से निकाल रही है, जो लाखों बैरल तेल लेकर जा रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि ईरानी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य में रडार और मिसाइल प्रणाली को फिर से तैयार करने की कोशिश कर रही थी। वह बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता भी दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका कई जहाजों को निशाना बना रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास रडार नहीं है, क्योंकि अमेरिका ने उसे नष्ट कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका जब चाहे तब और हमले करने के लिए तैयार है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि नए हमलों का अभियान कितने समय तक चलेगा, तो उन्होंने कहा कि यह जल्द खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत ज्यादा लंबा चलेगा। मुझे नहीं पता कि ईरान और कितना नुकसान सह सकता है। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक नई लहर पूरी की है। सेंटकॉम के मुताबिक, इन हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इनमें वायु रक्षा प्रणालियां, रडार प्रणाली, समुद्री संसाधन और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता और संचार केंद्र शामिल थे। सेंटकॉम ने कहा कि ये हमले आईआरजीसी की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर हाल में किए गए 'हमलों के प्रयास' के बाद किए गए। इस बीच, ईरान ने अमेरिका के नए हमलों की कड़ी निंदा की।

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका

ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है।

यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की

सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की, अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइबर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है।

24 अगस्त : विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं।

27 अगस्त : विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा।

29 अगस्त : कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से। हुमायूं कबीर ने फिर कहा कि मक्का गठबंधन में शामिल होने में कोई जोखिम नहीं दिखता।

49 फीट की ऊंचाई पर 3 घंटे हवा में लटके रहे 27 यात्री, बिजली कटने से बंद हुआ था रोलरकोस्टर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सफोक स्थित प्लेजरवुड हिल्स थीम पार्क में अचानक बिजली कट जाने से वाइपआउट नामक रोलरकोस्टर करीब 15 मीटर (49 फीट) की ऊंचाई पर हवा में अटक गया। इस दौरान रोलरकोस्टर में 27 यात्री 3 घंटे तक हवा में लटके रहे। सूचना मिलते ही मौके पर राहत बचाव की टीम पहुंची और हवाई सीढ़ी (एरियल लैडर) का इस्तेमाल कर सभी 27 लोगों को एक-एक करके सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ। इस असुविधा को लेकर पार्क प्रबंधन ने पर्यटकों से माफी मांगी और उन्हें मुआवजे के रूप में मुफ्त टिकट देने की घोषणा की। सफोक फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के अनुसार, उन्हें लोवेस्टोफ्ट के प्लेजरवुड हिल्स में वाइपआउट राइड के लिए दोपहर 13:36 बजे (बीएसटी) सूचना मिली थी। बिजली कटौती के चलते वहां कई झुले प्रभावित हुए। एक वीडियो फुटेज में वह क्षण दिखाया गया जब बिजली कटने के बाद झुले लगभग 15 मीटर (49 फीट) की ऊंचाई पर फंस गए। चश्मदीद लाइन्स ने बताया कि दमकल विभाग की टीम ने यात्रियों को एक-एक करके सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हवाई सीढ़ी (एरियल लैडर) का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि उन लोगों के लिए सबसे बुरा था, जो बसे आगे या पीछे फंसे थे। क्योंकि, लगभग तीन घंटे तक हवा में लटके रहना काफी लंबा समय होता है। वहीं, रेस्क्यू टीम ने पुष्टि की कि शाम 5:10 बजे तक सभी 27 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया था और इस हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ। प्लेजरवुड हिल्स प्रबंधन ने इस स्थिति को संभालने के तरीके की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रभावित लोगों और उनके परिवारों द्वारा दिखाए गए धैर्य और समझदारी के लिए अत्यंत आभारी हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496